@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 3 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिहार चुनाव : पहले चरण में 65 प्रतिशत करीब वोटिंग

● प्रथम चरण की 121 सीटों पर हुई वोटिंग, 1314 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा के प्रथम चरण के चुनाव में त्रिस्तरीय कड़ी सुरक्षा के बीच गुरुवार को 121 विधानसभा क्षेत्र में हुए मतदान में करीब 65 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर 1314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद कर दिया। प्रथम चरण के चुनाव में कुल तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाताओं के करीब 65 प्रतिशत

वोटरों ने लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर बिहार के दो उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय कुमार सिन्हा, महागठबंधन से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव,राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव समेत 1314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद कर दिया।

प्रथम चरण में 121 विधानसभा सीटों के लिये 45341 मतदान केंद्रों पर वोटिंग सुबह सात बजे शुरू हुयी। सुरक्षा कारणों से मुंगेर जिले की तीन सीटें तारापुर,मुंगेर और जमालपुर के अलावा सहरसा जिले की सिमरी बख्तियारपुर ,महिषी और लखीसराय जिले की सूर्यगढ़ा सीट के 56 मतदान केन्द्रों पर मतदान शाम पांच बजे समाप्त हो गया, वहीं अन्य सीटों पर मतदान शाम छह बजे समाप्त हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में 'अभूतपूर्व बहुमत' मिलने का विश्वास जताया

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में 'अभूतपूर्व बहुमत' हासिल करेगा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'बिहार में लोकतंत्र के महापर्व में जन-जन का अद्भुत उत्साह बता रहा है कि विधानसभा चुनावों में राजग को अभूतपूर्व बहुमत मिलने जा रहा है।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और राजद एमएलसी अजय कुमार के बीच तीखी बहस

● उपमुयमंत्री बोले- दारू पीकर गुंडागर्दी कर रहा है

एजेंसी

लखीसराय। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए गुरुवार को 121 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान संपन्न हो गया। इस बीच लखीसराय में भारी हंगामा हुआ। लखीसराय में भाजपा के प्रत्याशी और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के वाहन पर पथराव हुआ। इसके बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का राजद के एमएलसी अजय कुमार सिंह के साथ तीखी नोकझोंक हुई। यह नोकझोंक सड़क

पर हुई, जिसके बाद इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने राजद नेता अजय कुमार सिंह पर शराब पीकर हंगामा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजद नेता ने शराब पी रखी है और हंगामा कर रहे हैं, उनसे शराब की बदबू आ रही है। वे बकवास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये गांव के एक बूथ पर कब्जा करने गए थे। जब उन्होंने सुना कि हम आ रहे हैं तो वे भाग गए।

इधर, राजद नेता अजय कुमार सिंह ने कहा कि उनके लोगों ने हमारी गाड़ी रोकी और गुंडागर्दी पर उतर आए। वे चुनाव हार रहे हैं, इसलिए बौखला गए। विजय सिन्हा का चैप्टर बंद हो चुका है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि उन पर किसी तरह का हमला नहीं है, ये नाटक कर रहे हैं।

इससे पहले बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की गाड़ी पर हमला हुआ।

बताया गया कि चुनाव प्रचार के सिलसिले में उनका काफिला इलाके से गुजर रहा था। इस दौरान कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी पर कीचड़ फेंक दिया और नारेबाजी की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना खुडियाडी गांव की है। यहां सही तरीके से व्यवस्था नहीं की गई थी।

उन्होंने कहा कि उनकी गाड़ी पर जूते फेंके गए और पथराव किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह काम राजद के गुंडों ने किया है। विजय सिन्हा ने कहा कि सत्ता में आए बिना ही ये लोग गुंडागर्दी पर उतर आए हैं।

बिहार चुनाव के पहले चरण में 121 में से 100 सीट जीत रहा एनडीए : सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। बिहार में पहले चरण का मतदान संपन्न हो गया। इसी बीच बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पहले चरण में 121 में से 100 सीट जीतने का दावा किया है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रेस वार्ता कर कहा, 'पहले चरण में जिस तरह से लोगों ने घर से निकलकर वोट दिया है, उससे पता चलता है कि बिहार में फिर से एनडीए सरकार आ रही है और अभी कर मिली जानकारी के अनुसार एनडीए 100 सीटों पर जीत रहा है। यह 2010 को ब्रेक करने वाला रिजल्ट आने वाला है।' उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद मैं सबसे पहले बिहार प्रशासन, बिहार की जनता और चुनाव आयोग को शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। जिस तरह से बिहार के आम मतदाता बड़ी संख्या में वोट डालने के लिए निकले, उससे साफ पता चलता है कि इस चुनाव में मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव के मुकाबले 4 से 5 प्रतिशत ज्यादा रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा, 'यह राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस का असली चरित्र है और बिहार की जनता इसे अच्छी तरह जानती है। समय आने पर सबका इलाज हो जाएगा, चिंता मत कीजिए। लेकिन आज मैं बिहार की जनता को एनडीए को प्रचंड बहुमत देने के लिए बधाई देना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि महागठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव भी अपनी सीट नहीं बचा रहे हैं और चुनाव बुरी तरह से हारने वाले हैं। जिस तरह 2010 में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के परिवार से कोई चुनाव नहीं जीता था, उसी तरह इस बार भी देखने को मिलने वाला है।

रेखा सरकार की पहल: बेघरों के लिए 15 नवंबर से 'विंटर एक्शन प्लान'

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 6 नवंबर। दिल्ली की रेखा सरकार ने राजधानी के बेघर और निर्धन नागरिकों को सर्दी के मौसम में सुरक्षित आश्रय प्रदान करने की दिशा में बड़ा व प्रभावी कदम उठाया है। सरकार ने नियमित शेल्टरों के अलावा 250 और शेल्टर होम तैयार कर लिए हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति सर्द रातों में खुले आसमान के नीचे न सोए। सरकार का उद्देश्य है कि 15 नवंबर से 15 मार्च तक चलने वाले विंटर एक्शन प्लान के अंतर्गत हर बेघर नागरिक को छत और सुरक्षा मिल सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि बेघरों को सहारा देने वाली योजना के लिए इस बार आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है, ताकि बेघरों को उचित सुविधा तो मिले ही, साथ ही ये शेल्टर होम भी सुचारू और सफलतापूर्वक काम कर सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि हमारी सरकार अन्त्योदय तक जरूरी सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली सरकार गरीबों को लेकर भी संवेदनशील है, क्योंकि उन तक सरकारी पहुंच कम होती है। सरकार उन तक पहुंचकर अपनी सेवाएं देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि

कोई भी नागरिक सर्द रातों में खुले आसमान के नीचे न रहे। दिल्ली के ये शेल्टर होम केवल छत नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा का प्रतीक होंगे। हमारी सरकार हर बेघर व्यक्ति को जीने का समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि दिल्ली अर्बन शेल्टर इंफ्रूवमेंट बोर्ड (ड्यूसिब) के अधीन 'शेल्टर होम योजना' के तहत राजधानी दिल्ली में कुल 197 शेल्टर होम संचालित हैं, जिनमें 153 पुरुष, 17 महिला, 19 परिवार एवं बच्चों के लिए तथा 8 विशेष श्रेणी (एचआईवी, टीबी, ड्रग एडिक्ट आदि) के शेल्टर शामिल हैं। प्रत्येक शेल्टर में बिस्तर, गद्दे, चादरें, तकिए, कंबल, बिजली, मच्छर नियंत्रण यंत्र, वॉटर कूलर और महिलाओं के लिए सीसीटीवी व सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि सर्दियों में बेघरों को राहत देने के लिए 250 अस्थायी शेल्टर तैयार कर लिए गए हैं। ये शेल्टर दिल्ली के 120 स्थानों पर लगाए जाएंगे, जिनमें लगभग 2,500 लोगों के ठहरने की क्षमता होगी। जरूरत होने पर इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि बेघरों को राहत देने के लिए रेस्क्यू टीमें और कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है। इस विशेष सुविधा के तहत बेघरों को सड़कों से सुरक्षित शेल्टरों तक पहुंचाने के लिए जीपीएस से लैस रेस्क्यू वैन रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक सक्रिय रहेंगी।

शेष पृष्ठ 3 पर

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप के संचालन से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शिखर धवन की 4.50 करोड़ रुपये की अचल-संपत्ति और सुरेश रैना के 6.64 करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश को जब्त कर लिया गया है। ईडी को जांच में पता चला है कि दोनों पूर्व क्रिकेटरों ने विदेशी

कंपनियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट कर अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म v&Bet को प्रमोट किया। ईडी का दावा है कि रैना और धवन ने इस एप के जरिए सट्टेबाजी में शामिल होकर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की थी। ईडी ने ऑनलाइन सट्टेबाजी साइट '1एक्सबेट' के मामले में अपनी जांच के तहत युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन जैसे क्रिकेटरों और अभिनेता सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती (पूर्व तृणमूल सांसद) और अंकुश हाजरा (बांग्ला सिनेमा) से पूछताछ की थी। इसके अलावा कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से भी पूछताछ की गई थी और इनके बयान भी दर्ज किए थे।

बांग्लादेश की सीमा के करीब सेना ने रखी लाचित बरफुकान सैन्य स्टेशन की नींव

एजेंसी

कोलकाता। पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने सीमावर्ती इलाकों में गजराज कोर का दौरा किया और बामुनिगांव, धुबरी में लाचित बरफुकान सैन्य स्टेशन की आधारशिला रखी। कोलकाता के विजय दुर्ग स्थित सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय की ओर से गुरुवार शाम जारी बयान में इस बारे में जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि अहोम साम्राज्य के वीर सेनापति लाचित बरफुकान के नाम पर स्थापित यह सैन्य स्टेशन असम की गौरवशाली सैन्य विरासत, अदम्य साहस,

नेतृत्व क्षमता और धैर्य की भावना का प्रतीक होगा। इसके निर्माण से पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारतीय सेना की परिचालनिक क्षमता और आधारभूत ढांचे को और मजबूती मिलेगी। दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने सीमा क्षेत्रों की आंतरिक सुरक्षा स्थिति और परिचालनिक तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही, निर्माणाधीन सैन्य अवसंरचना से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति का जायजा भी लिया। लेफ्टिनेंट जनरल ने असम सरकार और प्रशासन के निरंतर सहयोग एवं सक्रिय भूमिका के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने गजराज कोर के सभी अधिकारियों और जवानों की पेशेवर दक्षता और परियोजना को शीघ्र ऑपरेशनल बनाने में उनके सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

उपराष्ट्रपति ने राजिंदर गुप्ता और सत पॉल शर्मा को राज्यसभा सदस्य के रूप में दिलाई शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को संसद भवन में दो नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। सबसे पहले पंजाब से आम आदमी पार्टी के राजिंदर गुप्ता को राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। इसके साथ उन्होंने भाजपा के सत पॉल शर्मा को राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उपस्थित थे।

राजौरी गार्डन में सीवर लाइन, पानी की पाइपलाइन और सड़कों के अपग्रेडेशन का काम शुरू: सिरसा

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 6 नवंबर। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कल दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने राजौरी गार्डन विधानसभा में लगभग 10 करोड़ की लागत से बनने वाले कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इनमें नई सीवर और पानी की पाइपलाइनें, सड़कों की मरम्मत, नए फुटपाथ और बाउंड्री वॉल का निर्माण शामिल है। ये सभी कार्य दिल्ली जल बोर्ड (DJB), लोक निर्माण विभाग (PWD) और नगर निगम (MCD) द्वारा किए जा रहे हैं। सिरसा ने जे-ब्लॉक, ज़ेड-ब्लॉक, अग्रवाल स्वीट्स इलाका, रत्तन डेयरी, जनता मार्केट और रघुबीर नगर में चल रहे कार्यों का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का समापन वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के मेजर सुदेश मार्ग पर एंटी-

स्मॉग गन, नए फुटपाथ और ड्रेन के काम की शुरुआत के साथ हुआ। इन उद्घाटनों के अलावा सिरसा ने दिल्ली सचिवालय में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी , एमसीडी के डिविजनल कमिश्नर्स और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सिरसा ने सभी 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट्स की प्रगति रिपोर्ट ली और ज़मीन पर काम करने वाली टीमों को और तेज़ी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों की मरम्मत, पानी का छिड़काव, खुले में कचरा जलाने पर रोक, औद्योगिक कचरे के सही निस्तारण और डस्ट कंट्रोल के उपायों पर सख्ती से अमल करने को कहा।

शेष पृष्ठ 3 पर

मुर्मु 8 नवबर को अंगोला और बोत्सवाना की छह दिन की यात्रा पर जाएंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 8 से 13 नवम्बर तक अंगोला और बोत्सवाना की राजकीय यात्रा पर जाएंगी। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की इन देशों की पहली यात्रा है। उनकी यात्रा का उद्देश्य अफ्रीकी देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने तथा उनकी विकास यात्रा में साझीदार बनने के भारत के दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करना है। राष्ट्रपति यात्रा के पहले चरण में अपने अंगोलाई समकक्ष के निमंत्रण पर 8 से 11 नवंबर तक अंगोला की यात्रा करेंगी इसके बाद दूसरे चरण में वह बोत्सवाना के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 11 से 13 नवंबर तक बोत्सवाना की यात्रा पर रहेंगी।विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) सुधाकर दलेला ने गुरुवार को यहां एक विशेष ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा अंगोला में श्रीमती मुर्मु अंगोला के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। वह 11 नवंबर को अंगोला की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के समारोह में शामिल होंगी। वह अंगोला की संसद को संबोधित करने के साथ साथ अंगोला में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत करेंगी।

उसनातन एकता पदयात्रा हिन्दुओं को जागृत करने के लिए, किसी अन्य धर्म के खिलाफ नहीं : धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

● कुछ लोग तिरंगा पर चांद देखना चाहते हैं, हम चांद पर भारत को देखना चाहते हैं :धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी से वृन्दावन तक की 'सनातन एकता पदयात्रा' निकालने जा रहे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि उनकी यह यात्रा किसी धर्म के खिलाफ नहीं बल्कि हिंदुओं को जगाने के लिए है। हम जातिवाद में न बंटे। यह 'जातिवाद से ऊपर राष्ट्रवाद' की यात्रा है। गुरुवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि यह हिंदुओं की अगली पीढ़ी को बचाने के लिए है कि वे मुस्लिम न बनें। कुछ लोग तिरंगा पर चांद देखना चाहते हैं। हम चांद पर भारत को देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना तभी पूर्ण होगी, जब आम जनमानस एकजुट होकर यही आवाज लगाए। हम कागजों पर हिंदू राष्ट्र नहीं बल्कि विचारों में हिंदू राष्ट्र चाहते हैं, इसलिए वृंदावन से दिल्ली नहीं बल्कि दिल्ली से वृन्दावन यह पद यात्रा निकल रही है। उन्होंने कहा कि हम राज पीठ से धर्म पीठ तक जा रहे हैं, जिसमें शामिल होने के लिए 40 हजार से अधिक पंजीयन हो चुका है। यह यात्रा शुक्रवार सात नवंबर को छतरपुर से आरंभ होकर हरियाणा के विभिन्न शहरों, गांवों से गुजरते हुए उत्तर प्रदेश पहुंचेगी, 10 दिन की यह पदयात्रा 16 नवंबर को वृंदावन में संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा सिख परंपरा को विशेष रूप से समर्पित रहेगी। अंतिम 10 वें दिन की यात्रा गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित रहेगी। सिख धर्मगुरुओं का सनातन को बचाने का बड़ा योगदान, बलिदान रहा है, आज हम उनकी बदौलत है। इसलिए हम पंजाब में पगड़ी के नीचे ईसाईकरण नहीं होने देंगे। बड़ी संख्या में सिख पंथ के लोग यात्रा में शामिल होंगे। यात्रा में ईसाई और मुस्लिम के शामिल होने के सवाल पर कहा कि यात्रा में शामिल होने से पहले घर वापसी करें। उन्होंने आगे कहा कि जरूर शामिल हो, लेकिन कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे। साथ ही यात्रा में ऐसे तत्वों के शामिल होने की आशंका जताई जो विवादास्पद बाते तथा दूसरे धर्म के स्थानों को निशाना बनाकर उनकी यात्रा को विवादित बना सकते हैं। ऐसे लोगों से यात्रा में शामिल लोगों तथा प्रशासन को सतर्क रहने का आग्रह किया। बागेश्वर के पीठाधीश्वर ने कहा कि यह पहला अवसर है जब उनकी यात्रा का समर्थन इस्लाम धर्म के लोगों ने किया। फैज खान के नेतृत्व में तीन सैकड़ा से अधिक मुस्लिम समाज के लोग यात्रा में चलेंगे।

विगत दिनों दिल्ली में मुस्लिम समाज के लोगों के साथ धीरेन्द्र शास्त्री ने बैठक की थी, जिसमें समाज के सभी लोगों ने उनकी यात्रा का समर्थन करते हुए साथ चलने का भरोसा दिया था। मुस्लिम समाज के लोगों का कहना है कि सनातन हिंदू एकता पदयात्रा के माध्यम से लोगों को जोड़ने का काम किया जा रहा है, इसलिए वे यात्रा में साथ चलेंगे।

मुंबई में मोनोरेल ट्रेन डिरेल होकर हवा में लटकी, कर्मचारी घायल

मुंबई (एजेंसी)। वडाला डिपो में विगत सुबह मुंबई मोनोरेल का ट्रायल रन हो रहा था, तभी एक बड़ा हादसा हो गया। दरअसल एक ट्रेन डिरेल होकर हवा में लटक गई, जिससे ट्रेन कैप्टन समेत तीन कर्मचारी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हादसा बुधवार सुबह करीब 9ः30 बजे हुआ, जब ट्रेन को एक गाइडवे बीम से दूसरे बीम पर शिफ्ट किया जा रहा था। उसी दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया और दो बीम के बीच हवा में लटक गया। मोनोरेल संचालित करने वाली महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मीडिया को बताया कि ट्रेन खाली थी और उसमें कोई यात्री नहीं था। हादसे में ट्रेन का निचला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो फुटेज में ट्रेन झुकी हुई नजर आ रही है। घटना के बाद राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की और शाम तक भारी क्रेन की मदद से ट्रेन को सुरक्षित हटाया गया। इस मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी से पारा पहुंचा माइनस पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सीजन की पहली बर्फबारी से पहाड़ सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग व्हाइट वंडरलैंड बन गया है, जहां पर्यटकों की खासी भीड़ भी उमड़ रही है। उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम बर्फ से ढंक गए हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों लाहौल-स्पीति, किन्नौर और कुल्लू में भी बर्फबारी शुरु हो गई है। इसके चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार, ताबो में माइनस 2.2 डिग्री, कुकुमसेरी में माइनस 1.8 डिग्री और केलांग में 0.4 डिग्री तक पारा लुढ़क गया है। पहाड़ी राज्यों में हुई बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों में भी महसूस किया जा रहा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और झारखंड में ठंडी हवाओं के कारण तापमान 3 डिग्री तक नीचे चला गया है। इसी बीच मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिनों में उत्तर भारत के कई राज्यों में ठंड और बढ़ेगी।

अब्दुल्ला आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका, एफआईआर रद्द करने से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान से जुड़े एक कानूनी मामले से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम खान को पासपोर्ट हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल के आरोप में दर्ज एफआईआर (एफआईआर) को रद्द करने से इंकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि ट्रायल कोर्ट पर यकीन करना चाहिए और जब ट्रायल पूरा हो गया है, तब कोर्ट दखल नहीं दे सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी इसी आधार पर अब्दुल्ला आजम खान की अर्जी खारिज कर दी थी कि केस में पूरा ट्रायल हो चुका है। यह एफआईआर रामपुर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने दर्ज की थी। आरोप है कि अब्दुल्ला ने फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर पासपोर्ट बनवाया। पासपोर्ट में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है, जबकि स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार वास्तविक जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। बताया गया है कि दो पैन कार्ड मामले में भी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे ट्रायल को रद्द करने की मांग की थी। बात दें कि अब्दुल्ला को पासपोर्ट से जुड़े फर्जी दस्तावेज मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है, और मामला अब ट्रायल कोर्ट के निर्णय के अधीन रहेगा।

एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली में आई बाधा, कई उड़ाने देरी से उड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली बुधवार को दिल्ली और कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बाधित रही, जिससे कई उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई। चेक-इन प्रणाली में यह समस्या तृतीय पक्ष की नेटवर्क कनेक्टिविटी में आई खराबी के कारण उत्पन्न हुई थी। टाटा समूह की एयरलाइन ने पोस्ट में कहा कि अब चेक-इन प्रणाली को बहाल कर दिया गया है लेकिन स्थिति सामान्य होने तक कुछ उड़ानों में थोड़ी देरी हो सकती है। एयर इंडिया ने एक्स पर कहा कि कुछ हवाई अड्डों पर हमारी चेक-इन प्रणाली को प्रभावित करने वाली नेटवर्क कनेक्टिविटी समस्या के कारण उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई, लेकिन अब प्रणाली को बहाल कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल टी2 और टी3 पर चेक-इन प्रणाली करीब 70 मिनट तक बंद रहा, जो दोपहर 3.40 बजे से 4.50 बजे के बीच प्रभावित रहा। एयर इंडिया ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे यात्रा से पहले एयरलाइन की वेबसाइट पर अपनी उड़ान की स्थिति अवश्य जांच लें और हवाई अड्डा पहुंचने के लिए कुछ अतिरिक्त समय लेकर चलें। एयरलाइन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस समस्या से कौन-कौन हवाई अड्डे प्रभावित हुए हैं।

बंगाल में एसआईआर के डर से एक और शख्स ने की आत्महत्या

-देश से बाहर कर देने का सता रहा था डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) को लेकर घमासान मचा हुआ है। अब दक्षिण 24 परगना जिले में एक व्यक्ति ने मतदाता सूची से नाम हटने के डर से आत्महत्या की है। मृतक सफीकुल गाजी पिछले कुछ महीनों से भांगड़ में ससुराल में रह रहे थे।

परिजनों ने बताया कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होने के बाद दहशत में थे। गाजी को डर था कि उनके पास वैध पहचान पत्र न होने के कारण उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने इस एसआईआर को लेकर 8वीं आत्महत्या बताकर भाजपा पर भय फैलाने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद ममता बाला ठाकुर के नेतृत्व में मातुआ समुदाय के गुट ने बांग्लादेश से आए सभी शरणार्थियों को बिना शर्त नागरिकता देने की मांग पर ठाकुरनगर में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। भाजपा नेता शंतनु ठाकुर ने इस घटनाक्रम को वोट राजनीति बताया, जबकि टीएमसी सीएए का विरोध जारी रखे हुए है।

बिहार के लोगों को देश में अपनी भागीदारी समझनी होगी: प्रियंका गांधी

-चम्पारण वही धरती है, जहां के लोगों ने महात्मा गांधी को रास्ता दिखाया

मोतिहारी (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को पूर्वी चंपारण जिले के गोविंदगंज विधानसभा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए एनडीए पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह वही चम्पारण की धरती है, जहां के लोगों ने महात्मा गांधी को रास्ता दिखाया। इस क्षेत्र से महात्मा गांधी ने सत्याग्रह शुरू किया, लेकिन आज इस क्षेत्र की परिस्थिति क्या है? प्रियंका ने कहा कि हम कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता हैं, जिनको महात्मा गांधी ने रास्ता दिखाया और उन्हें रास्ता दिखाने वाले आपके पूर्वज थे। बिहार के लोगों को इस देश में अपनी भागीदारी समझनी होगी। आपको समझना पड़ेगा कि इस देश को बनाने वाले आपके पूर्वज हैं। जब यहां रास्ता तक नहीं था, उस समय आपके पूर्वज ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ाई लड़ रहे थे। उन्होंने कहा कि कल तक यहां के विकास तेजी से हो रहे थे, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। आज यहां तीन साल में 27 पुल गिरे हैं। लोग रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि बीजेपी के बड़े नेता यहां आते हैं, लेकिन कभी यहां के लोगों से पलायन के कारणों के बारे में नहीं पूछते। आज यहां के शिक्षित लोग मजदूरी कर रहे हैं। पहले किसानी से भी काम चल जाता था, लेकिन इसके लिए सरकार से जो मदद मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल रही है। पहले इस इलाके में चीनी मिल होती थीं, लेकिन आज वे ठप हैं। आज यहां के किसानों को ईख (गन्ना) बेचने के लिए यूपी जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज उद्योग बंद हैं। छोटे व्यापार से भी कमाई हो जाती थी, लेकिन आज वह भी नहीं हो रही है। अब बचा क्या है? आज भ्रष्टाचार चरम पर है। छोटे कार्यों के लिए भी पैसा देना पड़ता है। आज कोई खुशी से त्योहार नहीं मनाता। अस्पतालों की स्थिति भी बदतर है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज संघर्ष कर रही हैं, लेकिन किसी ने उन्हें नहीं समझा। आज जब चुनाव आया तो पैसे भेजे जा रहे हैं। 20 साल से यह सरकार चल रही है, लेकिन कभी रोजगार के लिए नहीं पूछा। बिहार के लोग आज भी देश का निर्माण कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने कभी सम्मान नहीं दिया। बीजेपी यहां के सीएम का भी सम्मान नहीं करती है। आज स्थिति यह है कि वे मंचों पर भी यहां के सीएम को नहीं आने देते। प्रियंका गांधी ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि आप ऐसी सरकार बनाएं जो आपके अधिकार के लिए सोचे।

राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई टली, अगली सुनवाई 17 नवंबर को

सुल्तानपुर (एजेंसी)। यूपी के सुल्तानपुर जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट में रायबरेली सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई गुरुवार को स्थगित हो गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि एक अधिवक्ता के निधन के कारण आज कोर्ट में कंडोलेंस था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। यह मामला वर्ष 2018 का है। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

विजय मिश्रा का आरोप है कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। पांच साल तक चली अदालती कार्यवाही के दौरान राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। इसके बाद, फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। इसके बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है। अक्सर हड़ताल और गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्यवाही में देरी हो रही है।

आरएसएस मामले में अदालत से झटके पर झटका खा रही सिद्धारमैया सरकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय से कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार को एक कानूनी झटका लगा है। कर्नाटक सरकार ने 18 अक्टूबर को आदेश जारी किया था, जिसके तहत किसी भी निजी संस्था या समूह को सरकारी जमीन या इमारत पर कार्यक्रम या सभा आयोजित करने से पहले सरकार/प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। दरअसल यह आदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जुलूस और कार्यक्रमों से पहले जारी किया गया था। इस सरकारी आदेश को पुनश्चेतना सेवा समस्ते और कुछ अन्य याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उनका तर्क था कि यह आदेश नागरिकों के शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। इस मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की सिंगल बेंच ने सरकारी आदेश पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि यह आदेश नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और सरकार सिर्फ एक आदेश से मौलिक अधिकार खत्म नहीं कर सकती, जब तक कि इसके लिए कोई कानून न बनाया गया हो। इसके बाद सिद्धारमैया सरकार ने इस रोक को हटाने के लिए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (जस्टिस एसजी पंडित और गीता केबी की बेंच) में अपील की। लेकिन डिवीजन बेंच ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार की अपील खारिज कर दी। अदालत ने कर्नाटक सरकार से कहा कि अगर वह राहत चाहती है, तब वह सीधे डिवीजन बेंच में आने के बजाय, पहले सिंगल जज के सामने वापस जाकर उस अंतरिम आदेश को हटाने के लिए आवेदन दे सकती है। सरकार ने यह भी मांग की थी कि रोक केवल उन याचिकाकर्ताओं पर ही लागू होनी चाहिए जिन्होंने आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने इस मांग को भी ठुकरा कर सिंगल जज के सामने रखने को कहा।

रजत जयंती पर हुआ उत्तराखंड विधानसभा का विशेष सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

-सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सदन में हुई तीखी बहस, तो लगे खूब ठहाके

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती पर विधानसभा का विशेष सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। तीसरे दिन सदन में कई बार विधायकों में बहस देखने को मिली तो कई बार सदन में ठहाके भी गूंजे। कपकोट से बीजेपी विधायक सुरेश गड़िया जब अपनी बात रखने खड़े हुए तो संसदीय कार्य मंत्री ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर चुटकी लेते हुए कहा कि उनकी तो दाढ़ी के बाल भी नहीं फूटे। इस बात से सदन में कांग्रेसी विधायक भी ठहाके लगाते नजर आए।

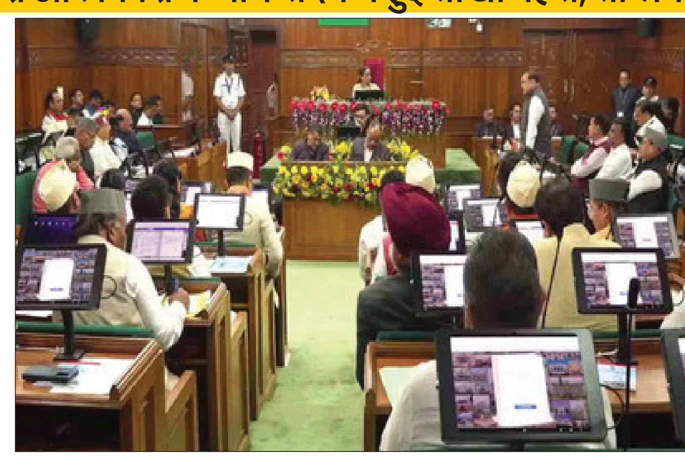

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपकोट विधायक सुरेश गड़िया को लेकर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों ने खूब चुटकियां लीं, उन्होंने बोलना शुरू भी नहीं किया था कि विपक्षी विधायकों ने उनकी हौसला अफजाई शुरू कर दी। संसदीय कार्य मंत्री ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें बोलने दो, तुम तो रोज दाढ़ी बनाते हो, उनके तो अभी बाल भी नहीं आए हैं। इस पर सदन ठहाकों से गूंज उठा। हालांकि गड़िया ने जब बोलना शुरू किया विपक्षी सदस्यों ने भी मेजें बजाकर उनका समर्थन किया।

बता दें विशेष सत्र में बुधवार को भू-कानून, डेमोग्राफी चेंज पर बहस तब और दिलचस्प हो गई जब कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह और बीजेपी विधायक मुन्ना सिंह चौहान आमने-सामने हो गए। जौनसार बावर की सियासत में कट्टर प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस से सदन का माहौल काफी गर्मा गया था। दरअसल 25 साल के उत्तराखंड में विकास के कामों और ज्वलंत मुद्दों पर सदन में चर्चा हो रही थी। चकराता विधायक प्रीतम अपनी बात रख रहे थे और मुन्ना बार-बार उठकर उनकी बात को काट रहे थे। डेमोग्राफिक चेंज और अवैध लोगों को हटाने के मामले में मुन्ना सिंह ने कहा कि बनभूलपुरा में जब अवैध लोगों को हटाया गया था, तो कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट चली गई। इस पर कांग्रेस के तमाम विधायकों ने कड़ा एतराज जताया और मुन्ना सिंह को घेरा।

मामला में बार-बार टोकने से प्रीतम भी गुस्से में आ गए। मुन्ना ने फिर टोका तो प्रीतम गुस्से में बोल पड़े- क्या दिक्कत है, बार-बार इस तरह बीच में बोल रहे हो। इस पर मुन्ना सिंह ने भी जवाब में कहा कि मुझे धमकाने की कोशिश मत करना। धमकाना मत। दोनों के बीच कुछ देर गर्मागर्मी चलती रही। आखिर में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने दोनों को शांत कराया।

दिल्ली के प्रदूषण पर थरुर का तंज... जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति पर केंद्र और दिल्ली सरकार पर हमला वाला है। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा! कांग्रेस नेता थरूर ने दिल्ली में पलूशन के स्तर को दिखाती हुई एक तस्वीर शेयर की, जिसमें एक्यूआई के आंकड़ों को दिखाया गया था। शेयर की गई तस्वीर में एक्यूआई लेवल 371 दिखाई दे रहा है, जो कि हजार्ड केटेगरी में रेड दिखाई दे रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा! उनके ट्वीट पर कई लोगों के रीट्वीट आए हैं। अरविंद नामक यूजर ने लिखा, कमजोर फेफड़े वालों के लिए डॉक्टरों की सलाह है कि वे चार छह सप्ताह के लिए दिल्ली छोड़ दें। कृपया फेफड़ों पर परफॉर्मेंस का बोझ नहीं डालें। एक यूजर ने अखरोट की तस्वीर शेयर करते हुए तंज कर लिखा, मेरे फेफड़ा का कुछ इलाज बताए। ये अन्य यूजर ने मजाकिया लहजे में समर्थन करते हुए लिखा बिलकुल! एक अन्य यूजर ने दिल्ली सरकार पर हमलावर होकर लिखा, सरकार ने मरने के लिए छोड़ दिया है जनता को? बाहर के देशों में 100-150 पर ही नेशनल इमरजेंसी लग जाती है, ताकि प्रदूषण को ख़त्म करने का प्रयास किया जा सके। भारत में कहीं चुनाव चल रहे हैं, तब प्रदूषण को ख़त्म करना अभी महत्वपूर्ण नहीं है।

दिल्ली की निचली अदालतों में 15.6 लाख केस पेंडिंग... 700 से कुछ अधिक जज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में निचली अदालतों में जाने वाले ज़्यादातर लोगों के लिए न्याय के लिए सालों का इंतजार एक कड़वी सच्चाई है। कई रिपोर्ट से पता चलता है कि केस बढ़ते जा रहे हैं। इसकी वजह है कि बढ़ते ज्यूडिशियल बैकलॉग से पेंडेंसी और बढ़ रही है। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजीडीजी) के डेटा के मुताबिक दिल्ली की निचली अदालतों में 15.6 लाख केस पेंडिंग हैं। इसमें 13.5 लाख क्रिमिनल और 2.18 लाख सिविल केस हैं।

दिल्ली की निचली अदालतों में 700 से कुछ अधिक जज हैं। इसका अर्थ है कि हर जज औसतन 2,200 केसों की पेंडेंसी से निपट रहा है। इसमें सबसे बड़ा और अहम सवाल है कि दिल्ली एनसीटी में इतने अधिक पेंडिंग मामलों के पीछे क्या वजह है। वह भी तब, जब यहां की आबादी करीब 3 करोड़ है।

रिपोर्ट के अनुसार जितने केस निपटाए जा रहे हैं, उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है, जबकि जजों की संख्या करीब उतनी ही है। 2018 में 3.78 लाख केस निपटाए गए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 7.96 लाख हो गया। हालांकि, तभी नए केस आने की संख्या भी दोगुनी से अधिक हो गई, जो 4.84 लाख से बढ़कर 10.2 लाख हो गई।

अधिकतर पेंडिंग केस हाल ही में शुरू किए गए हैं। सभी पेंडिंग केस में से दो-तिहाई केस 2023 से 2025 के बीच शुरू किए गए हैं। बाकी 94 प्रतिशत केस 2018 के बाद से शुरू किए गए हैं। 2017 से पहले के सालों के केस सभी पेंडिंग केस का सिर्फ 6 प्रतिशत हैं। दिल्ली के दो सबसे पुराने केस 1969 के हैं।

रिपोर्ट के अनुसार हर दिन, दिल्ली में लगभग 700 जज करीब 28,000 मामलों की सुनवाई करते हैं। इसका मतलब है कि हर जज औसतन 40 मामलों की सुनवाई करता है। कुछ जजों के पास 10,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं और वे हर दिन 150 से अधिक मामलों की सुनवाई करते हैं। वहीं, कुछ जजों के पास सिर्फ 60 मामले पेंडिंग हैं और वे हर दिन सिर्फ चार से पांच मामलों की सुनवाई करते हैं।

ऐसा अलग-अलग कोर्ट में सौंपे गए मामलों के नेचर की वजह से है। जो कोर्ट सिर्फ चेक बाउंस के मामले सुनते हैं, वे रोजाना औसतन 120 से अधिक मामले सुन रहे हैं। कानून के मुताबिक, इसतरह के मामलों को छह महीने में निपटा देना चाहिए। हालांकि, बहुत अधिक मामले पेंडिंग होने की वजह से, दो सुनवाई के बीच एक साल का अंतर होता है।

बुर्का पहने मतदाताओं की कड़ी जांच की जाए... केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की अपील

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुर्का पहने मतदाताओं की कड़ी जांच की मांग की, ताकि वोटिंग के दौरान किसी भी प्रकार की धांधली न हो सके। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान या बांग्लादेश नहीं है। ये भारत है। और भारत में शरिया कानून लागू नहीं होगा। उन्होंने भारत को एक धर्मनिरपेक्ष (सेक्युलर) देश बताया, जहां चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक पहचान की जांच जरूरी है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने तर्क दिया कि जब बुर्का पहने महिलाएं आधार कार्ड बनवाने, एयरपोर्ट जाने, रिजर्वेशन कराने, या सरकारी योजनाओं का लाभ लेने जाती हैं, तब वे अपना चेहरा दिखाती हैं, इसलिए वोटिंग के दौरान भी पहचान की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने बुर्के में फर्जी मतदान का पता लगाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया।

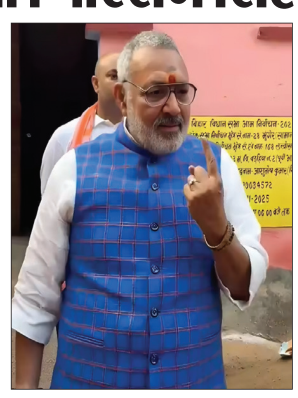

वहीं केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने गिरिराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर बेवजह हिंदू-मुस्लिम मुद्दा बनाने की कोशिश बताया। उन्होंने सभी मतदाताओं से वोट डालने और लोकतंत्र के इस उत्सव में हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर मतदान करे ताकि बिहार के विकास के लिए फिर से एनडीए सरकार बन सके। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर, केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि अगर कांग्रेस को अपने दावों पर भरोसा है, तब उन्हें कोर्ट जाना चाहिए, न कि चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं पर सवाल उठाना चाहिए।

बिहार चुनाव में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान जारी हैं। वोटिंग सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और कुल 45,341 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 3.75 करोड़ से ज्यादा मतदाता 1,314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने वाले है।

खस्ताहाल सरकार: चुनावी सीजन में लाड़ली, लक्ष्मी, बहिन की बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधी आबादी को अपने पक्ष में करने का आसान तरीका राजनैतिक दलों ने अपनाया है। यही वजह है कि चुनावी सीजन में महिलाओं की बल्ले-बल्ले हो रही है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 12 राज्यों ने महिलाओं के लिए बिना शर्त नकद हस्तांतरण योजनाएं शुरू की हैं, जबकि दो साल पहले यानी 2022-23 में ऐसे राज्यों की संख्या मात्र दो थी। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की इस ताजा अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में ये 12 राज्य मिलकर 1,68,050 करोड़ रुपये खर्च करेंगे- जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.5 प्रतिशत है। दो साल पहले यह आंकड़ा 0.2प्रतिशत से भी कम था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों में आने वाले वर्ष में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां इन योजनाओं पर खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। असम में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इन योजनाओं के लिए 31प्रतिशत अधिक राशि आवंटित की गई है। पश्चिम बंगाल में यह वृद्धि 15 प्रतिशत रही है। झारखंड सरकार ने अक्टूबर 2024 में मुख्यमंत्री मायन सम्मान योजना के तहत मासिक राशि 1,000 से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी। हालांकि, आर्थिक दबाव बढ़ने पर कुछ राज्यों को लाभ राशि घटानी भी पड़ी है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल 2025 में मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना की राशि 1,500 से घटाकर 500 रुपये कर दी, खासकर उन महिलाओं के लिए जो पहले से किसानों हेतु चल रही किसी अन्य प्रत्यक्ष लाभ योजना के तहत 1,000 रुपये प्राप्त कर रही थीं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले ही राज्यों को चेतावनी दी है कि बढ़ती सब्सिडियों, कृषि ऋण माफी और नकद हस्तांतरण योजनाओं से राज्यों की वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 12 राज्यों में से छह राज्यों ने वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व घाटे का अनुमान लगाया है।

रिपोर्ट यह भी कहती है कि यदि नकद हस्तांतरण योजनाओं के खर्च को हटाकर देखा जाए, तो इन राज्यों की राजस्व स्थिति बेहतर दिखती है। उदाहरण के लिए - कर्नाटक का राजस्व संतुलन 0.3 प्रतिशत अधिशेष से घटकर 0.6 प्रतिशत घाटे में पहुंच जाता है। मध्य प्रदेश में यह अधिशेष 1.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 0.4 प्रतिशत रह जाता है। चाहे कर्नाटक की 'गृह लक्ष्मी, मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना, महाराष्ट्र की 'लाडकी बहिन'या बिहार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' हो, लगभग हर राजनीतिक दल अब महिलाओं को नकद सहायता के रूप में राहत देने की कोशिश कर रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना बताया जाता है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ये योजनाएं चुनाव से पहले

महिलाओं तक सीधी पहुंच बनाने का आसान और असरदार तरीका बन चुकी हैं।

छह दोषियों को 6 माह से तीन साल तक की सजा, कड़कड़डूमा कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान हिंसा, आगजनी और सार्वजनिक आदेशों के उल्लंघन के मामले में छह दोषियों को छह महीने से लेकर तीन वर्ष तक कैद की सजा सुनाई है। साथ ही, हर दोषी पर 61 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने कहा कि ऐसी घटनाओं में सजा इतनी कम नहीं होनी चाहिए कि उसका प्रभाव ही खत्म हो जाए। यह मामला खजूरी खास थाना क्षेत्र से संबंधित है। जहां दंगों के दौरान वकील अहमद की दुकान पर हमला किया गया था। भीड़ ने दुकान से सामान निकालकर आग के हवाले कर दिया था। शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी और जांच के बाद अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया। कोर्ट ने हरी ओम गुप्ता, गोरख नाथ, भीम सैनी, कपिल पांडे, रोहित गौतम और बसंत कुमार को सजा सुनाई है। अदालत ने वहीं दंगा मामले में आरोपी मिठ्ठन सिंह और उसके बेटे जॉनी कुमार को बरी कर दिया। इन्हें खजूरी खास में एक दुकान से लूटपाट और आगजनी के मामले में आरोपी बनाया गया था। कोर्ट ने कहा, अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत पेश करने में नाकाम रहा। कोई गवाह भी उपद्रवियों के भीड़ में दोनों आरोपियों के शामिल होने की पुष्टि नहीं कर पाया। जांच के दौरान एफआईआर में सात शिकायतों को शामिल कर दिया गया था।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव, पहचान नहीं

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिमी जिले के कापसहेड़ा थाना क्षेत्र में बिजवासन फ्लाईओवर के पास रेलवे ट्रैक के पास सोमवार को युवक का शव मिला। पुलिस को मृतक की पहचान के लिए कोई कागजात नहीं मिले हैं। उसकी उम्र करीब 18 से 20 साल के बीच बताई जा रही है। सिर पर चोट के निशान और कमर में बाईं ओर एक छेद है। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह कोई हादसा है या फिर युवक की हत्या करने के बाद शव रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है।

ऐतिहासिक आइवान-ए-ग़ालिब ऑडिटोरियम में तीन दिवसीय सबरंग फेस्टिवल 2025 का भव्य समापन हुआ।

नई दिल्ली । 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक चले इस सांस्कृतिक उत्सव में कविता, ग़ज़ल, संगीत और लोककला का सुंदर संगम देखने को मिला। इस आयोजन का निर्देशन फ़र्ज़ खान और हेल्प इंडिया फाउंडेशन के निदेशक अशोक राजपूत ने किया, जबकि इसका संचालन

हेल्प आर्टिस्ट इंडिया फाउंडेशन और पीपल फाउंडेशन के सहयोग से हुआ। फेस्टिवल की शुरुआत अनस्क्रिप्टेड ड्रू तिग्माशु धूलिया सत्र से हुई, जिसके बाद गायिका कविता सेठ ने अपनी प्रस्तुति ओनली नज़्म से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। दूसरे दिन यूथ मुशायरा, बज़्म-ए-ख्वातीन, और साहिर लुधियानवी को समर्पित श्रद्धांजलि सत्र आयोजित हुआ। तीसरे दिन पंडित विश्व मोहन भट्ट ने मोहन वीणा और सतविक वीणा पर प्रस्तुति दी, जबकि सम्मान में ग़ज़ल जर्नी के तहत यतीश आचार्य, गायत्री असोकन, सैफ़ नईम अली और फ़र्ज़ खान ने अपनी ग़ज़लों से समां बाँधा। निर्देशक फ़र्ज़ खान ने सभी कलाकारों, सहयोगियों और दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सबरंग फेस्टिवल भारत की रचनात्मक विविधता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

रेखा सरकार की पहल: बेघरों के लिए 15 नवंबर से 'विंटर एक्शन प्लान'

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री के अनुसार ड्यूसिब ने बेघरों की निगरानी और बचाव के लिए डिजिटल तकनीक को अपनाया है। 'रैन बसरा' मोबाइल एप के माध्यम से बेघर नागरिकों की रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग की जाती है। वहीं 'नाइट शेल्टर इंस्पेक्शन' एप (एनएसआईए) से शेल्टरों की निगरानी और निरीक्षण किया जाता है, जो जीपीएस ट्रैकिंग और रीयल-टाइम डेटा अपडेट से जुड़ा है। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि शेल्टरों की गुणवत्ता में सुधार के लिए नई नीति तैयार की गई है। अब एजेंसियों के चयन में गुणवत्ता और लागत आधारित चयन प्रणाली अपनाई गई है। एजेंसियों को शेल्टरों का संचालन, सफाई, रखरखाव, अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था, और सुरक्षा का जिम्मा सौंपा जाएगा। साथ ही शेल्टर संचालित करने वाले स्टाफ की आधार आधारित बायोमैट्रिक उपस्थिति आवश्यक होगी। महिलाओं और बच्चों के शेल्टरों को आंगनवाड़ी केंद्रों से जोड़ा जाएगा, ताकि स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि शेल्टरों की निगरानी के लिए सुप्रीम कोर्ट मॉनिटरिंग कमेटी, जॉइंट एपेक्स एडवाइजरी कमेटी (जेएएसी) और मुख्य अभियंता, ड्यूसिब की देखरेख में नियमित निरीक्षण किया जाता है। साथ ही ड्यूसिब की ओर से हर शेल्टर में स्वच्छता, अग्नि सुरक्षा, कीट नियंत्रण और नियमित मरम्मत की निगरानी भी की जाती है।

राजौरी गार्डन में सीवर लाइन, पानी की पाइपलाइन और सड़कों के अपग्रेडेशन का काम शुरू: सिरसा

प्रथम पृष्ठ का शेष

अधिकारियों ने मंत्री को जारी कामों और उनकी समयसीमा की जानकारी दी। सिरसा ने कहा, रेखा गुप्ता के मज़बूत नेतृत्व में हमारी सरकार दिन-रात मेहनत कर रही है ताकि दिल्ली का प्रदूषण कम हो और लोगों को इसका असर ज़मीन पर दिखे। उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा, विकसित भारत का संकल्प विकसित दिल्ली से साकार होगा। और — सड़कें, सीवर और पानी की पाइपलाइन ड्ड हर नागरिक सुविधा को नए सिरे से तैयार करना हमारा लक्ष्य है। सिरसा ने बताया कि ये सभी परियोजनाएं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समग्र शहरी विकास दृष्टिकोण और मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के हर घर तक साफ पानी और बेहतर नागरिक सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प का हिस्सा हैं। पिछले दस सालों से जो ढांचे उपेक्षित पड़े थे, उन्हें अब नए रूप में तैयार किया जा रहा है। हमारा मकसद है कि राजौरी गार्डन के हर नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक सुविधाएं मिलें, श्री सिरसा ने कहा। लगभग ?10 करोड़ की यह परियोजनाएं सीवर ओवरफ्लो, जलभराव और पाइपलाइन लीकेज की समस्या से स्थायी राहत देने के साथ-साथ धूल नियंत्रण और सफाई व्यवस्था को मज़बूत करने का भी लक्ष्य रखती हैं। यह कोई एक बार की पहल नहीं है, सिरसा ने कहा। हमारा संकल्प है कि राजौरी गार्डन के हर वार्ड में विकास के ऐसे काम लगातार चलते रहें। जब दिल्ली विकसित होगी, तभी विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

ग्रेनो के वायु प्रदूषण में सुधार, येलो जोन में एक्यूआई

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के वायु प्रदूषण में लगातार सुधार हो रह है। बुधवार को ग्रेटर नोएडा का वायु गुणवत्ता सूचकांक ऑरेंज जोन से येलो जोन में पहुंच गया है। ग्रेनो का एक्यूआई 200 से नीचे 187 रहा है। अफसरों का कहना है कि अगर मौसम ऐसा ही रहा तो फिर अभी और सुधार होने की उम्मीद है। तीन दिन पहले ग्रेनो का वायु प्रदूषण खतरनाक श्रेणी में रहा था। ग्रेटर नोएडा की वायु प्रदूषण दो नवंबर को रेड जोन में 300 से ऊपर पहुंच गया था। उस दिन एक्यूआई 340 रहा था। जो इस सीजन का सबसे अधिक एक्यूआई था, लेकिन हवा के कारण वायु प्रदूषण में सुधार हुआ। तीन नवंबर को 300 और चार नवंबर को 262 एक्यूआई रहा था। बुधवार को इसमें और सुधार हो गया है और ग्रेनो का एक्यूआई 187 दर्ज किया गया। एनसीआर में ग्रेटर नोएडा की हवा काफी अच्छी रही है। केवल फरीदाबाद ही 171 एक्यूआई के साथ आगे रहा।

NAME CHANGE

It is for general information that I NARASI S/O SHYAM SINGH, R/O 155, Upari Pura, Kyori, Pinaht Dehat, PO: Pinahat, DIST: Agra, Uttar Pradesh - 283123, declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as NAR SINGH VERMA and SANGITA in my minor daughter namely SANGEETA aged 17 years in her Adhar No. 5709 4299 3391 and name of mine as NAR SINGH VERMA in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my minor daughter are NARASI and SANGEETA respectively, Which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, BHARTESH S/o Brahma Deo Meena R/o M-3, Ganga Apt., Type-2, IGNOU Housing Complex, Maidan Garhi, Delhi-110068 have changed my name from BHARTESH to BHARTESH MEENA permanently

NAME CHANGE

I hitherto known as ARUNESH KUMAR PANDEY alias ARUNESH PANDEY S/O JAGDISH PANDEY Permanent R/O S A 3/3 2C4 Kaushilya Sadan, Lalpur Pandeypur, Near Panchayat Bhavan Lalpur , Varanasi Cantt, Varanasi Uttar Pradesh - 221002 and Presently Residing at H.No -7 , 1st floor Gandhi Square Malka Ganj, Delhi - 110007 have changed my name and shall hereafter be known as ARUNESH PANDEY .

केंद्रित विकास क्षेत्र (ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट) प्रोजेक्ट मंजूर

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। डीडीए ने कड़कड़डूमा में दिल्ली का पहला केंद्रित विकास क्षेत्र (ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट) प्रोजेक्ट मंजूर किया है। इस योजना का नाम टावरिंग हाइट्स एट ईस्ट दिल्ली हब हाउसिंग स्कीम 2025 रखा है। इस योजना के तहत 1026 फ्लैट बनाए जाएंगे जो सार्वजनिक परिवहन से सीधे जुड़ेंगे। योजना को ऑनलाइन नीलामी के जरिये लॉन्च किया गया है, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी रहे। इस नीति में मेट्रो स्टेशन से 800 मीटर की सीमा में आने वाले क्षेत्रों में बिल्डरों को अधिक निर्माण क्षेत्र (एफएआर) की सुविधा दी गई है। इसमें मिलने वाली राशि उसी क्षेत्र के विकास में खर्च होगी। डीडीए ने बुधवार को पूरी दिल्ली में विकास को नई दिशा देने वाले कई अहम फैसले लिए। उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में नरेला, कड़कड़डूमा, राजिंदर नगर और साउथ दिल्ली जैसे क्षेत्रों में बड़े प्रोजेक्टों को मंजूरी दी गई। इन फैसलों से दिल्ली के आवास, खेल, शिक्षा और शहरी ढांचे में बड़ा सुधार होगा। बैठक में उपराज्यपाल ने निर्देश दिया कि डीडीए, नगर निगम और दिल्ली सरकार के सभी विभाग मिलकर काम करें और सालों से लंबित आपसी मामलों का निपटारा जल्द किया जाए। इसके लिए मुख्य सचिव जल्द एक समन्वय बैठक बुलाएंगे। डीडीए ने नरेला उप नगरी के विकास के लिए दो बड़े निर्णय लिए। पहला सेक्टर जी-3 और जी-4 में करीब 75 एकड़ भूमि पर कई खेलों के लिए मैदान, कोर्ट और प्रशिक्षण केंद्र और खेल परिसर के निर्माण के लिए भूमि उपयोग में बदलाव को मंजूरी दी गई। यह क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग 1 और हवाई अड्डे से जुड़ा है। यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकेंगी, जिससे युवाओं को खेल के अवसर और रोजगार मिलेंगे। दूसरा सेक्टर जी-7 और जी-8 में करीब 10 एकड़ भूमि पर विश्वविद्यालय विकसित करने के लिए भूमि उपयोग परिवर्तन को अंतिम मंजूरी दी गई। इससे नरेला को शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां आधुनिक कैंपस, अनुसंधान केंद्र और कौशल विकास संस्थान स्थापित होंगे। सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया और ओल्ड राजिंदर नगर में बने पुराने सरकारी क्वार्टरों के पुनर्विकास को मंजूरी दी गई। ये मकान 50 साल से अधिक पुराने हैं और अब जर्जर हालत में हैं। डीडीए इन क्षेत्रों में आधुनिक, सुरक्षित और सौर ऊर्जा सक्षम आवास बनाएगा। यह परियोजना एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड की निगरानी में स्ववित्त पोषित मॉडल पर चलाई जाएगी, यानी निर्माण लागत बिक्री योग्य क्षेत्र से पूरी की जाएगी। बैठक में लैंड पूलिंग नीति से जुड़े क्षेत्रों में भूमि उपयोग परिवर्तन को भी मंजूरी दी गई। करीब 40 हेक्टेयर क्षेत्र में यह बदलाव किया जाएगा। यह नीति दिल्ली के 105 शहरी गांवों में लागू है जो छह योजना जोनों में फैले हैं। इनमें से पी-2 जोन का सेक्टर 8बी पहला क्षेत्र है, जिसने 70 फीसदी भूमि पूलिंग हासिल कर ली है, जिससे वहां विकास कार्य शुरू किए जा सकेंगे। डीडीए ने योजनाबद्ध वाणिज्यिक केंद्रों के लिए बढ़े हुए एफएआर की नीति को एक साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। इससे निवेशकों और बिल्डरों को राहत मिलेगी जो पहले इस सुविधा का लाभ नहीं ले पाए थे। यह नीति 2018 में शुरू हुई थी, ताकि दिल्ली में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। बैठक में सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के निवासियों को राहत देने का निर्णय लिया गया। पुनर्विकास के चलते मकान खाली करने वाले निवासियों को किराया भत्ता दिया जाएगा। उच्च आय वर्ग वालों को 50 हजार रुपये प्रति माह और मध्यम आय वर्ग वालों को 38 हजार रुपये प्रति माह किराया दिया जाएगा। यह राशि जुलाई 2023 से लागू होगी और हर साल इसमें 10 फीसदी की वृद्धि की जाएगी। डीडीए ने कर्मयोगी आवास योजना 2025 को भी मंजूरी दी। यह योजना नरेला में सरकारी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों के लिए होगी। इसमें 25 फीसदी तक की छूट दी जाएगी ताकि सरकारी वर्ग को सस्ते और अच्छे घर मिलें।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस तो किया हाईवोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह नशा बेचने की साजिश रच रहे आरोपी को पकड़ने पुलिस गई तो आरोपी ने परिवार व रिश्तेदारों के साथ मिलकर हाई वोल्टेज ड्रामा किया। उसने व परिजनों ने पुलिसकर्मियों से बदसलूकी की। आदर्श नगर थाना पुलिस ने आरोपी मोहम्मद तारिफ (32) को पकड़ लिया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि एक पुलिसकर्मी आरोपी पक्ष की महिला के साथ मारपीट कर रह है। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि महिला के साथ मारपीट के आरोपी की जांच की जा रही है और जांच एसीपी जहांगीरपुरी को सौंपी गई है। पुलिस उपायुक्त सिंह ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान लाल बाग बीट, थाना आदर्श नगर के बीट स्टाफ को सूचना मिली कि हत्या और जानलेवा हमला करने के मामले में शामिल रहे आरोपी लाल बाग निवासी मोहम्मद तारिफ इलाके में ड्रग्स बेचने की साजिश रच रहा है। जब बीट स्टाफ ने उससे पूछताछ की तो उसने पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी और हाथापाई की। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि प्रसारित वीडियो उस समय का है, जब पुलिस ने उसे पकड़ा था और उसके रिश्तेदार छुड़ाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रदूषण के खिलाफ 24 घंटे में 500 निरीक्षण, 9,000 से ज्यादा चालान

नई दिल्ली। प्रदूषण के खिलाफ सख्ती से पिछले 24 घंटे में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), एमसीडी, एनडीएमसी, डीसीबी, पीडब्ल्यूडी, जल बोर्ड, राजस्व, डीएसआईआईडीसी और डीएमआरसी की टीमों ने मिलकर 500 से अधिक निरीक्षण किए और नियम तोड़ने वालों पर 9,325 चालान जारी किए। 387 निर्माण व ध्वस्तीकरण साइटों, 79 कचरा स्थलों, 22 डीजी सेट और 12 होटल रेस्टोरेंट्स की जांच की गई, जहां उल्लंघन मिले वहां पर कार्रवाई हुई। दिल्ली सरकार ने इससे हवा की गुणवत्ता में सुधार का दावा किया है। दिल्ली सरकार ने जानकारी दी है कि सामूहिक प्रयास से बुधवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 202 दर्ज किया गया, जो पिछले सात सालों में इस दिन का सबसे बेहतर स्तर है। सरकार का कहना है कि यह सुधार जमीनी स्तर पर चल रहे विज्ञान आधारित और सख्त प्रवर्तन अभियान का नतीजा है। पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि विंटर एक्शन प्लान के तहत 1200 से अधिक प्रवर्तन टीमें पूरे शहर में सक्रिय हैं।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I TANIYA AGGARWAL D/O MANISH AGGARWAL residing at H.NO. 1/6355, STREET NO. 4, NEAR BANKY BIHARI TEMPLE, EAST ROHTASH NAGAR, SHAHDARA, EAST DELHI, DELHI-110032, declare that name of mine has been wrongly written as TANIYA AGGARWAL in my Aadhar Card No. 579709680676. The actual name of mine is TANYA AGGARWAL which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ROHAN LAKRA S/o SATPAL SINGH R/o H.No. 320, Pole No. 9, Near Metro Station, Mundka, West Delhi, Delhi-110041, declare that name of my father has been wrongly written as SATPAL LAKRA in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father is SATPAL SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as RANVEER S/O RAMNARAYAN , R/O House No 55 , Sharfuddinpur Javli , Ghaziabad , Uttar Pradesh , 201102 have changed my name and shall hereafter be known as RANVIR SINGH

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Dhruv Parewa S/O Moti Lal, R/O 39/1341, DDA Flats, Madangir, BRT Corridor, Dr. Ambedkar Nagar, Pushpa Bhawan S.O, DIST: South Delhi, Delhi, 110062, declare that name of my father has been wrongly written as "MOT ILAL PAREWA" in my 10th class Mark Sheet & "MOTI LAL PAREWA" in 12th Class Mark Sheet. The actual name of my father is MOTI LAL, respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

It is for general information that I, REENA D/O NARASI R/O House No - 2086, Zere Fesil Road, Turkman Gate, Darya Ganj, PO: Darya Ganj, DIST: Central Delhi , Delhi - 110002, declare that the name of my father has been wrongly written as NAR SINGH VERMA in my 10th and 12th class Education Documents and in my Adhar No. 6344 1519 3560. The actual name of my father is NARASI Which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SHEETAL DUBEY daughter of Shri Surender Nath Dubey, ex-wife of Shri Girish Mehndiratta resident of 275, Bharat Vandana Apartment, Pocket-1, Sector-19, Dwarka, New Delhi-110075, declare I got divorce from my husband vide court degree HMA 3084/2017 dated 26.10.2017 further I have changed my minor son name HRIDAAN MEHNDIRATTA age about 12 years and he shall hereafter be known as HRIDAAN DUBEY.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SHEETAL DUBEY daughter of Shri Surender Nath Dubey, ex-wife of Shri Girish Mehndiratta resident of 275, Bharat Vandana Apartment, Pocket-1, Sector-19, Dwarka, New Delhi-110075, declare I got divorce from my husband vide court degree HMA 3084/2017 dated 26.10.2017 further I have changed my minor son name DAKSH MEHNDERATTA age about 13 years and he shall hereafter be known as DAKSH DUBEY.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ARCHANA Alias ARCHANA SRIVASTAVA D/O RAJESHWAR SHARMA W/O LATE SH. ASHOK KUMAR R/O PLOT NO-B-20, FLAT NO B-3, SHALIMAR GARDEN EXTENSION-1, SAHIBABAD GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201005 have changed my name and shall hereafter be known as ARCHANA SRIVASTAVA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as PHULBAI AHIRWAR D/O POORAN AHIRWAR R/O H NO-46, GALI NO-1, PHASE-1, J J COLONY, MADANPUR KHADAR, SARITA VIHAR, DELHI-110076 have changed my name and shall hereafter be known as VANI AHIRWAR.

NAME CHANGE

I, YUG GARG S/O MANOJ GARG R/O J-50 FIRST FLOOR, LAJPAT NAGAR-3, NEW DELHI-110024 have changed my name from YUG GARG to YUG MANOJ GARG. for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as, USHA DEVI W/O OM PARKASH R/O G-641A, RATTAN AWAS BAPROLA, DELHI, have changed my name and shall hereafter be known as UMA DEVI.

NAME CHANGE

I hitherto known as SUMAN KUMAR SINGH S/O RAMANAND PRASAD SINGH R/O H.NO. 190, GALI NO. 7, SAMEYPUR BADLI, NORTH WEST DELHI, DELHI-110042, have changed my name and shall hereafter be known as RAHUL KUMAR.

NAME CHANGE

I, Mahfooz Ansari S/O Kader Ansari R/O House No-62, Chotpur Bahlolpur Sector-63, Chhajarsi Gautam Buddha Nagar-201307, Have changed my name to Mahafuj for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Kalpana Shekhawat D/O Om Prakash Gupta R/O Apartment-7b Elite Tower -n Belgravia, Central Park Ii, Sector-48, Gurgaon, Haryana 122018, Have changed my name to Kalpana Gupta Shekhawat for all future purposes.

NAME CHANGE

I ASHOK JAIN S/O PREM CHAND JAIN R/O H NO-1/9309, STREET NO-2, PRATAP PURA WEST ROHTASH NAGAR SHAHDARA DELHI-110032, have changed my name to ASHOK KUMAR JAIN for all future purpose

NAME CHANGE

I, Ishwar S/O: Kramveer, R/O Khirwa Jalalpur, Meerut, Uttar Pradesh - 250341,have changed the name of my minor son Jassi Shiwaliya aged 5 years and he shall hereafter be known as Hardik Shiwaliya.

NAME CHANGE

I, UMA D/o Ram Pratap Chauhan R/o 329, 2nd Floor, Chirag Delhi, Delhi-110017 have changed my name to UMA CHAUHAN permanently

NAME CHANGE

I Swati Bansal W/O Nikhil S/O Dinesh Mittal R/O. 50, Gali No-1, Durgapuri Extenstion, Delhi-110093 have changed my name to Swati Mittal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Rajesh Kumar Sanghi S/O Madan Mohan Sanghi R/O Nou Chowki ki Haweli, Mohalla Sanghiwara Narnaul, Mahendragarh Haryana 123001 Have changed my name to Rajesh Sanghi for all future Purposes.

NAME CHANGE

I, Ishwar S/O: Kramveer, R/O Khirwa Jalalpur, Meerut, Uttar Pradesh - 250341, have changed the name of my minor daughter Vandini Shiwaliya aged 3 years and she shall hereafter be known as Jasika Shiwaliya.

NAME CHANGE

I, NO-15334438N Rank-NK Name-BALAKRISHNA AMBATI residing at 4-30, PEDDA VEEDHI, VILL-TARLA GADURU, VAJRAPUKOTTURU, PO-GARUDABHADRA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532222, have changed my minor daughter's name from A KAVYA to AMBATI KAVYA for all future purposes vide affidavit dated 06/11/2025 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Kondapalli Sirish Reddy S/O K Shiva Reddy R/O C-53, Ground Floor, B K Dutt Colony, Near Chawla Sweet Corner, Karbala, Lodhi Road, Central Delhi, Delhi -110003, declare that name of mine and my father have been Wrongly Written as Kondapalli Sirish and Siva Reddy in my 10th educational documents. The actual name of mine and my father are Kondapalli Sirish Reddy and K Shiva Reddy

NAME CHANGE

I, WASEEM KHAN S/o Shafik Khan R/o K-19/1577, Block-K-19, Sangam Vihar, Delhi-110080 have changed my name to WASIM KHAN permanently

NAME CHANGE

I, ANEESA / ANISA KHAN W/o Shafik Khan R/o K-19/1577, Block-K-19, Sangam Vihar, Delhi-110080 have changed my name to ANISA BEGUM permanently

NAME CHANGE

I, NOSHAD AHAMAD S/o Naseem Ahmed R/o H.NO.4A, Block-B, Jai Vihar, Vishwa Karma Mandir, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to NOSHAD AHMED permanently

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजनाथ** अधिकृत प्रतिनिधि **निवासी** मेसर्स माया इंडस्ट्रियल पावर 304, तृतीय तल शिवम अंसल बिल्डिंग, आरडीसी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201002 ने **C.T. No. 12525/16, U/S 138 NI ACT, पुलिस स्टेशन मुखर्जी नगर, उत्तर-पश्चिम जिला, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजनाथ** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजनाथ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **C.T. No. 12525/16, U/S 138 NI ACT, पुलिस स्टेशन मुखर्जी नगर, उत्तर-पश्चिम जिला, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर के उक्त अभियुक्त **राजनाथ** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.01.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अमरदीप कौर
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
कमरा नं0 117, उत्तर जिला,
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/14966/NW/2025
(Court Matter)

सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल सुश्री एंसी के जॉय पुत्री श्री जॉय मैथ्यू प्लॉट संख्या 152, संपत्ति आईडी 1C14173, 50 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले भूमि की मालिक हैं, जो खेवट/खाता संख्या 331/316, खतौनी संख्या 348, किला संख्या 152(23-8), वाका मौजा सिवाना नहरपुर रूपा, हाल आबादी हंस एन्क्लेव, गुरुग्राम के नीचे एमसीजी, तहसील और जिला गुड़गांव, हरियाणा में से है। बिक्री विलेख दिनांक 24/09/2024 द्वारा श्रीमती श्याम लता उर्फ श्याम लता शर्मा द्वारा सुश्री एंसी के जॉय पुत्री श्री जॉय मैथ्यू के पक्ष में 50 वर्ग गज क्षेत्रफल के संबंध में निष्पादित किया था (पंजीकृत दस्तावेज संख्या 7845, एसआर-गुड़गांव) प्रारंभ में, श्री मुकेश बिहारी, विक्रय विलेख दिनांक 26.05.1988, दस्तावेज़ संख्या 2582 के अनुसार उक्त संपत्ति के मालिक थे, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज था। उन्होंने दिनांक 12/10/1990 को श्री देव कुमार पुत्र श्री मूलचंद शर्मा के पक्ष में 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के संबंध में विक्रय विलेख निष्पादित किया। (दस्तावेज़ संख्या 5417), जिनकी मृत्यु 12.10.1997 को अपने कानूनी उत्तराधिकारियों को छोड़कर हो गई। बाद में खसरा संख्या 152 (23-8), जिसका क्षेत्रफल 6 मरला 6 सरसई यानी 200 वर्ग गज था, को श्रीमती श्यामलता के पक्ष में उत्परिवर्तन द्वारा इंतेकाल संख्या 2999 के तहत किया गया। अंततः, दिनांक 24/09/2024 का विक्रय विलेख हमारे उपर्युक्त ग्राहक के पक्ष में निष्पादित किया जाता है, जो उक्त अचल संपत्ति को महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को वास्तविक आवश्यकताओं के लिए बंधक रखने का इरादा रखता है। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी के पास संपत्ति पर दावा या अधिकार है, वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करेगा, अन्यथा यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति पर कोई आपत्ति या कोई मुकदमा या विवाद नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 6/11/2025

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

अब्दुल कादिर ने राजकुमार और अमन को बनाया निशाना

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में शनिवार देर रात पैर छूने के विवाद में एक बदमाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर कई राउंड गोलियां चला दीं। गोली पीड़ित राजकुमार के अलावा वहां खड़े एक अन्य युवक अमन जोशी को भी लगी। लहूलुहान हालत में दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां राजकुमार की हालत नाजुक है। उसके टांग, पेट और हाथ में गोली लगी है जबकि अमन की कोहनी में गोली लगी है। कुछ लोगों ने घटना को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी अब्दुल कादिर को गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि मुख्य आरोपी अब्दुल कादिर उर्फ लाला (40) के पास से खून से सने कपड़े और एक खोखा बरामद किया है। कादिर गोविंदपुरी थाने का घोषित बदमाश है। दो माह पूर्व हत्या के मामले में जमानत पर रिहा होकर आया था। गोविंदपुरी थाना पुलिस को शनिवार देर रात एक बजे गोविंदपुरी थाना पुलिस को संत निरंकारी स्कूल, नेहरू कैंप के पास गोलीबारी की सूचना मिली। कॉलर ने बताया कि उसके जीजा को गोली मार दी गई है, वह उनको अस्पताल ले जा रहे हैं। पुलिस पहुंची तो पता चला कि नेहरू कैंप में जागरण चल रहा था। जागरण पंडाल के पीछे राजकुमार कुछ युवकों के साथ था। इस बीच एरिया का घोषित बदमाश अब्दुल कादिर उर्फ लाला साथियों के साथ वहां पहुंचा। आरोपी ने राजकुमार से उलझने लगे और पैर छूने के लिए कहने लगे।

NAME CHANGE

I Mukesh Gairola S/o Maya Ram Gairola R/o 33 Adarsh Vihar, Kargi Road, Dehradun, PO- Dehradun Gp, Uttarakhand - 248001, have changed my name to Mukesh Chand Gairola.

NAME CHANGE

I hitherto known as Dhiraj Kumar Sadh S/o Kishan Lal R/o H 306 Oxy Homez, Koyal Endev, Bahaita Hajepur, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Dhiraj Ramawat.

NAME CHANGE

I, hitherto known as KAMLA W/O KARMVEER R/O Badshahpur, Siroli, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201102 have changed my name and shall hereafter be known as KAMLESH.

NAME CHANGE

I Kashif S/O S M Hanif R/O. H.no- 6501 1st floor gali no-2 nawab Road Sadar Bazar Delhi-110006 changed my name to Kashif Qureshi.

NAME CHANGE

I Nandan Singh S/O Anoop Singh R/O. RZG-4 Mandir Marg Mahavir enclave Delhi-110045 changed my name to Nandan Singh rana .

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Harsh Kumar S/o Kiran Pal R/o B-306, Gokalpuri, Saba Pur Delhi, Sabhapur, North East, Delhi-110094 declare that name of my father has been wrongly written as Kiranpal Singh in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Kiran Pal.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Ranjit Singh is the owner of Freehold Residential Built on Property Bearing No. D-44, area measuring 37.5 Sq. Meters, out of Khasra No. 17/11/1, situated in the revenue estate of Village Khyala, Colony Known as Vishnu Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of GPA and Will (Doc. No. 2523) (In Blood Relation) dated 25.01.2005 duly registered as Doc. No. 2509, in Book No. IV, Vol. 10351, on dated 25.01.2005, in SRO-II. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mr. Raj Keshar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I VIBHA W/O SHASHI SHANKAR TIWARI R/O J - 126 GROUND FLOOR BLOCK -J NEAR RAMA PARK ROAD MOHAN GARDEN DELHI - 110059 ,I have changed my name to VIBHA TIWARI Permanently

NAME CHANGE

I AASHNA D/O SHASHI SHANKAR TIWARI R/O J - 126 GROUND FLOOR BLOCK-J NEAR RAMA PARK ROAD , MOHAN GARDEN DELHI-110059, I have changed my name to AASHNA KUMARI Permanently

NAME CHANGE

I, Rabia Khanam W/o Mohsin Khan R/o B-397, old Seemapuri, Jhilmil, Delhi-110095 have changed my name to Rabiya for all future purposes

NAME CHANGE

I, Varad Bhutada S/O Shrigopal Bhutada R/O SPA Residential Complex, Gurudwara Rd, Block A, Taimoor Nagar, New Friends Colony, New Delhi, Delhi 110025 Have changed my name to Varad Shrigopal Bhutada for all future purposes.

NAME CHANGE

I ANITA KUMARI W/O NALIN R/O H.NO- 56-A GALI NO -3 VIKAS NAGAR ROHTAK HARYANA -124001, I have changed my name to ANITA RAWAT Permanently

NAME CHANGE

I PARABJEET KAUR W/O RAHUL NARANG R/O H NO-32 2ND FLOOR SETHI ENCLAVE MOHAN GARDEN UTTAM NAGAR DELHI-110059, have changed my name to NEHA NARANG for all future purpose.

NAME CHANGE

I, PITAMBAR KUMAR S/o SHARDA PRASAD SINGH R/o B-5283, Gali No-115/7, Sant Nagar, BURARI, Delhi - 110084 have changed my name to PITAMBER KUMAR.

NAME CHANGE

I, Himanshu S/o Prem Lata R/0 D-173, Near Shri Ram Chowk, West Vinod Nagar, Delhi-110092 have changed my name to Himanshu Aggarwal.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SAJID S/O MEHBOOB AHMAD Residing at H NO-B-21 GALI NO-4 BRAHMPURI DELHI 110053 have changed my name to MOHD SAJID for all future purpose.

NAME CHANGE

I, JATIN S/O VIRENDER MANCHANDA R/O WZ-420/7B, Near Mai Dayal Building, Palam Colony, South West Delhi, Delhi – 110045 HAVE CHANGED MY NAME TO JATIN MANCHANDA

NAME CHANGE

I, KISHAN SINGH DHAKA S/o INDER SINGH R/o 901, ARJUN APARTMENT, SECTOR-7, DWARKA, NEW DELHI-110075, have changed my name from KISHAN SINGH DHAKA to KAPOOR SINGH DHAKA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, GURMEET KAUR Mother of No-15349273X Rank-NK Name-JAGDEEP SINGH Presently residing at VILL-KHUSHALPUR, PO+TEH-DERA BABA NANAK, DIST-GURDASPUR, PUNJAB-143604, have changed my name from GURMEET KAUR to GARMEET KAUR for all future purposes vide Affidavit dated 06/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15349273X Rank-NK Name-JAGDEEP SINGH Father of AMARBEER SINGH Presently residing at VILL-KHUSHALPUR, PO+TEH-DERA BABA NANAK, DIST-GURDASPUR, PUNJAB-143604, have changed my minor son's name from AMARBEER SINGH to AMARBEER SINGH RANDHAWA for all future purposes vide Affidavit dated 06/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I SAIMA SIDDIQUI D/O SITARUDDIN R/O H NO-D-87-88 J J COLONY OLD SEEMA PURI DELHI-110095, have changed my name to SAIMA SIDDIQUE for all future purpose.

NAME CHANGE

I, BILLO DEVI mother of NO-17015865H, Rank-HAV, Name-AMIT KUMAR residing at VPO-BHAWAR, TEHSIL-GOHANA, DIST-SONIPAT, HARYANA-131302, have changed my name from BILLO DEVI to BIMALA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 18/08/1972 instead of my correct date of birth as 01/01/1973 Vide Affidavit dated 06/11/2025 before Notary Public Delhi.

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विकास अरोड़ा पुत्र श्री नित्या नंद अरोड़ा, खसरा संख्या 464 में से संपूर्ण ऊपरी तल, निर्मित संपत्ति संख्या 54, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज के वसीयत धारक हैं, जो विजय ब्लॉक, लक्ष्मी नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110092 के गांव मंडावली फजलपुर आबादी में स्थित है। प्रारंभ में, उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती जसवंत कौर के पक्ष में (1) श्री रोशन लाल और (2) श्री चाहत राम द्वारा दिनांक 09.02.1966 को बिक्री विलेख निष्पादित किया गया था, जो दस्तावेज संख्या 2487 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। जिन्होंने उक्त संपत्ति के संबंध में श्री जगदीश राम उप्पल के पक्ष में दिनांक 21.09.1978 को पंजीकृत जीपीए निष्पादित किया था। है। जिन्होंने उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती उर्मिला गुप्ता के पक्ष में दिनांक 17.11.1978 को नोटरीकृत जीपीए निष्पादित किया था। जिन्होंने श्रीमती ईश्वर देवी के पक्ष में 24.10.1980 को नोटरीकृत जीपीए निष्पादित किया। जिन्होंने श्री गोपाल दत्त पांडे के पक्ष में 12.07.1993 को नोटरीकृत जीपीए निष्पादित किया। जिन्होंने श्री नित्या नंद पुत्र श्री सी राम के पक्ष में 22.10.1993 को नोटरीकृत जीपीए निष्पादित किया। बाद में 13.03.2014 को श्री गोपाल दत्त पांडे पुत्र श्री नरोत्तम दत्त पांडे द्वारा अपने जनरल अटॉर्नी श्री नित्या नंद पुत्र श्री सी राम के माध्यम से श्री नित्या नंद पुत्र श्री सी राम के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में बिक्री विलेख निष्पादित किया गया (दस्तावेज़ संख्या 986, पुस्तक संख्या 1 में, खंड संख्या 197 पृष्ठ संख्या 77 से 88 पर)। जिनकी मृत्यु उनके पीछे अंतिम पंजीकरण वसीयत दिनांक 06.06.2015 छोड़ कर हुई। जिसके अनुसार (1) श्रीमती भारती आहूजा (संपूर्ण तृतीय तल, छत के अधिकार सहित) और (2) श्री विकास अरोड़ा (संपूर्ण भूतल, संपूर्ण ऊपरी भूतल और संपूर्ण द्वितीय तल, छत के अधिकार के बिना) के पक्ष में, (दस्तावेज़ संख्या 283)। अब, श्री विकास अरोड़ा पुत्र श्री नित्या नंद अरोड़ा (विक्रेता) और श्रीमती भारती आहूजा पत्नी श्री संजीव आहूजा पुत्री श्री नित्या नंद अरोड़ा और श्री नित्या नंद अरोड़ा के अन्य कानूनी उत्तराधिकारी, एसएमसी (पुष्टि करने वाले पक्ष) के अनुसार ऊपरी तल को इच्छित उधारकर्ता को बेचना चाहते हैं, जो उक्त संपत्ति को इच्छित उधारकर्ता को बेचना चाहता है, जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रखेगा। यदि किसी को उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी का संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है तो वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करेगा, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 6/11/2025

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

कार्यालय- दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद,जिला-बालोद(छ.ग.)

//ई-निविदा सूचना//

तृतीय ई-निविदा क्रं. 178860 व 178861 दिनांक- 06/11/2025

दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा पेराई सत्र 2025-26 के लिए चूना व पीपी बैग क्रय एवं बगास, राख व प्रेसमड शिफ्टिंग के ठेका कार्यो हेतु तृतीय ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मो/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-निविदा के वेबसाईट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1000/-(311/-चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज अतिरिक्त) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-procurement Portal://eproc.cgstate.gov.in) से फार्म अपलोड किया जाना है।

नोटः-निविदा की शर्ते व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साईड www.dmsskm.com में भी अवलोकन कर सकते है। ई-निविदा हेतु तकनीकि सहयोग के लिए सम्पर्क-9340276297 एवं अन्य जानकारी हेतु 9907406733, 9098817773

प्रबंध संचालक

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मुख्यमंत्री आठ नवंबर को सीडीएलयू के राष्ट्रीय सेमिनार में करेंगे शिरकत

एजेंसी

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में आगामी 8 नवंबर को लाइफ एंड फिलॉसफी आफ श्री गुरु तेग बहादुर जी विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विजय कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर के जीवन एवं दर्शन पर आयोजित सेमिनार का मुख्य उद्देश्य है।श्री गुरु तेग बहादुर की शिक्षाओं और जीवन दर्शन का अन्वेषण और प्रसार करना है जिसमें मानवीय मूल्यों और धर्म के लिए उनके बलिदान के संदेश पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेमिनार का मुख्य उद्देश्य समकालीन समय में गुरु तेग बहादुर के दर्शन की प्रासंगिकता पर चर्चा करने के लिए विद्वानों और शिक्षाविदों को एक साथ लाना भी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं हरियाणा के राज्यपाल इस सेमिनार के मुख्य संरक्षक हैं। उन्होंने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले इस सेमिनार में अनेक राज्यों के शिक्षाविद शिरकत करेंगे। कुलपति ने कहा कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में नवंबर माह विविध शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन होगा। विश्वविद्यालय तीन महत्वपूर्ण आयोजनों की मेजबानी करेगा।

पशु चिकित्सा एक चुनौतीपूर्ण एवं जिम्मेदार व्यवसाय : डॉ. विनोद वर्मा

हिसार। लाला लाजपत राय पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), में पशु-चिकित्सा महाविद्यालय (आईआईवीईआर) रोहतक के वर्ष 2019 बैच के 72 नव प्रशिक्षित स्नातक विद्यार्थियों के लिए पशु-चिकित्सक शपथ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा मुख्य अतिथि रहे जबकि अध्यक्षता पशु-चिकित्सा महाविद्यालय, लुवास के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार रोज ने की। इस अवसर पर नव-प्रशिक्षित स्नातकों को शपथ अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार रोज ने दिलवाई गई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को अपने संबोधन में कहा कि पशु चिकित्सा एक चुनौतीपूर्ण एवं जिम्मेदार व्यवसाय है। नव प्रशिक्षित स्नातकों को अपने वैज्ञानिक ज्ञान व व्यावहारिक कौशल का उपयोग समाज एवं पशुधन विकास के लिए करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज पशु-चिकित्सक समाज का अभिन्न अंग हैं तथा उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्ठा से करना चाहिए। कुलपति ने आगे कहा कि पशुपालन क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है तथा इस क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता की असीम संभावनाएं मौजूद हैं।

दिव्यांगों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों व संस्थाओं को सम्मानित करेगा सेवा विभाग

नारनौल। हरियाणा सरकार के सेवा विभाग द्वारा दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को राज्य पुरस्कारों से सम्मानित करेगी। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि इन पुरस्कारों के लिए इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति/संस्थान अपनी उपलब्धियों के विवरण और प्रमाण पत्रों के साथ, विभाग के पोर्टल पर 10 नवंबर से 26 नवम्बर, 2025 रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी श्रेणी के तहत राज्य के सरकारी विभाग या उपक्रम में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी को प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये और द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। स्वयं रोज़गाररत दिव्यांग व्यक्ति के लिए 25 हजार. रुपये का पुरस्कार निर्धारित है। सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता एजेंसी की श्रेणी में राज्य सरकारी विभाग या राज्य सरकार के उपक्रम में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता को 50 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग व्यक्ति को 25 हजार रुपये का पुरस्कार मिलेगा और सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए पुरस्कार राशि 50 हजार रुपये है। दिव्यांगों के लिये बाधामुक्त वातावरण निर्मित करने हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाली सरकारी विभाग, उपक्रम या गैर-सरकारी संस्था, औद्योगिक, व्यवसायिक प्रतिष्ठान आदि के लिए भी 50 हजार रुपये का पुरस्कार निर्धारित है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कैद, फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाया फैसला

पलवल। फास्ट ट्रैक कोर्ट पलवल ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार की अदालत ने सुनाया। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त सजा समाज में नारी सम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक है। मामला वर्ष 2021 का है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 7 जनवरी 2021 की रात करीब दो बजे जब उनकी नींद खुली तो उनकी 16 वर्षीय बेटी घर पर नहीं थी। परिवार के लोग तुरंत उसे ढूंढने लगे। तलाश के दौरान शिकायतकर्ता ने अपनी बेटी को आरोपी रजनीकांत के घर से बाहर आते देखा। पूछताछ करने पर नाबालिग ने बताया कि युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने थाना होडल पुलिस को शिकायत दी।

हरियाणा सरकार गौ संरक्षण को लेकर लगातार प्राथमिकता से कर रही कार्य : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार गौ संरक्षण को लेकर लगातार प्राथमिकता से कार्य कर रही है। सरकार ने गौशालाओं के विकास, गौवंश के संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरु नानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर गुरु दलीप सिंह महाराज के मार्गदर्शन में नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में आयोजित स्वदेशी राष्ट्रीय गौधन समिट-2025 के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। लगातार 10 नवंबर तक चलने वाली इस समिट में देशभर से अनेक जनप्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में विशाल नामधारी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। लगातार 6 दिन तक चलने वाले इस समिट में गौसंरक्षण पर मंथन कर आगे बढ़ने के अवसर

सुलभ होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ सेवा और खेती एक दूसरे के पर्याय हैं। गौमाता हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। प्राचीन काल से हमारे देश में जिस व्यक्ति के पास जितनी अधिक गायें होती थी, उसे उतना ही अधिक धनवान माना जाता था। गाय को माता का दर्जा दिया गया है और गाय का दूध अमृत के समान है। देसी गाय का दूध डायबिटिज व हृदय रोगों से बचाव व उपचार में अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए वोकल फॉर लोकल पर बल दिया है। गौ माता संरक्षण और स्वदेशी की शक्ति का रास्ता ही हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर लेकर जाता है। इसलिए हमें इन पर पूर्ण रूप से सक्रिय होकर कार्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को बेसहारा गौवंश से मुक्त करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए पानीपत व हिसार में दो गौ अभ्यारण्यों की स्थापना की गई है। इनमें शैड, पानी व चारे की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 686 गौशालाओं में लगभग 4 लाख गौवंश का पालन किया जा रहा है। 330 गौशालाओं में सोलर ऊर्जा प्लांट लगाए गए हैं। गौशालाओं की जमीन पर रजिस्ट्री निःशुल्क होती है।

सोनीपत में प्रतिभा दिखाएंगे कराटे के तीन सौ खिलाड़ी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जा रही 27वीं हरियाणा स्टेट गेम्स के अंतर्गत सोनीपत जिले के खरखौदा में राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई। हरियाणा स्टेट कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं विधायक पवन खरखौदा के नेतृत्व में तीन दिन तक चलने वाली इन प्रतियोगिताओं का उद्घाटन करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इन आयोजनों ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को न केवल बेहतर मंच मिल रहा है बल्कि उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने के लिए एक नया रास्ता भी मिलेगा। हरियाणा स्टेट कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि तेरह वर्षों बाद यह प्रतियोगिता हरियाणा प्रदेश में आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रदेश के खिलाड़ी भारी संख्या में भाग ले रहे हैं।कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं सचिव योगेश कलरा ने बताया कि इस आयोजन में कुल 304 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 168 लड़के व 136 लड़कियां भाग ले रही हैं।

लड़कों के लिए सात तथा लड़कियों के छह भार वर्ग के अंतर्गत प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। एसोसिएशन के सचिव अनूप ने बताया कि तीन दिन तक चलने वाले आयोजन को सफल एवं पारदर्शी बनाने के लिए 44 टीम कोच तथा 26 तकनीकी स्टाफ को तैनात किया गया है। कराटे प्रतियोगिताओं के उद्घाटन अवसर पर उपाध्यक्ष सूर्यदेव,कोषाध्यक्ष मोहित, संयुक्त सचिव जयदेव मूर्था,उपाध्यक्ष आशीष राठी,तकनीकी निदेशक सुशील शर्मा तथा सहायक निदेशक अनिल भारद्वाज सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

150वीं वर्षगांठ पर देशभर में गूंजेगा वंदेमातरम गीतः ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि सात नवंबर को राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर पूरा देश इस गीत को गाएगा। केंद्र सरकार पूरे देश में राष्ट्रगीत की वर्षगांठ मना रही है। इस दौरान हर सरकारी, निजी स्कूल, कालेज, संस्थान में इस गीत को गाया जाएगा। गुरुग्राम के लेजरवैली मैदान में भी राष्ट्रगीत का भव्य आयोजन होगा। वे भाजपा कार्यालय गुरुकमल में इस आयोजन को लेकर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि भारत में वंदे मातरम लोकप्रिय शब्द ने आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम गीत का अहम भूमिका रही। क्रांतिकारी वंदे मातरम बोलते हुए फांसी के फंदे पर झूले। राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि 14 अगस्त 1947 की रात को शुचेता कृपलानी ने नेहरू के भाषण से पहले भी यह गीत गाया। अगली सुबह यानी 15 अगस्त 1947 को 06:30 बजे रेडियो पर इसका प्रसारण किया गया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया के भारत का राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत ही सबसे पॉपुलर है। धनखड़ ने कहा कि सात नवंबर को देशभर में गाए जाने वाले गीत के शेड्यूल को लेकर उन्होंने बताया कि पहला कार्यक्रम 150 स्थानों पर होगा। उनकी ड्यूटी 37 कार्यक्रमों की देखरेख के लिए लगी है। ओमप्रकाश धनखड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दो कार्यक्रमों चंडीगढ़ सचिवालय और अंबाला में शिरकत करेंगें। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली सोनीपत में और वे स्वयं (ओमप्रकाश धनखड़) गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली मैदान में भव्य कार्यक्रम में शामिल होंगें। देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी-अपनी राजधानियों में राष्ट्रगीत कार्यक्रम में

शिरकत करेंगें। जयपुर में 50 हजार लोगों का कार्यक्रम होगा, उसमें यह गीत गाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई के स्थानों अंडेमान निकोबार, सेल्यूलर जेल, झांसी की रानी के शहादत स्थल पर भी गीत गाया जाएगा। यह कार्यक्रम रेजांगला के शहीदों, 1857 की क्रांति के वीरों को समर्पित होगा। उन्होंने कहा कि इस गीत के माध्यम से नई पीढ़ियों को इस गीत के इतिहास, प्रभाव, आजादी के आंदोलन में भूमिका को बताने का भी प्रयास है।

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री संपत्त सिंह 16 साल बाद इनेलो में वापसी

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष रहे संपत्त सिंह ने करीब 16 साल बाद फिर से इंडियन नेशनल लोकदल में वापसी कर ली। पूर्व उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय देवीलाल के थिंक टैंक के नाम से प्रसिद्ध संपत सिंह को चंडीगढ़ स्थित मुख्यालय में इनेलो के राष्ट्रीय अभय चौटाला तथा प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने पार्टी में शामिल कराया। संपत सिंह के अलावा उनके बेटे गौरव संपत सिंह व अन्य कई समर्थक भी आज इनेलो में शामिल हुए। प्रोफेसर संपत सिंह ने कहा कि जो मंच उन्हें चौधरी देवीलाल और चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने दिया आज फिर से काम करने के लिए वही मंच अभय चौटाला ने दिया है। संपत सिंह ने कहा कि मेरे लिए बुरा दिन था जब मैं इनेलो छोड़कर कांग्रेस में गया था। कांग्रेस में मेरे 16 साल खराब हुए हैं। भूपेंद्र हुड्डा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता साल 2016 के राज्यसभा चुनाव के स्याही कांड के बारे में बोलते नहीं हैं जब इन्होंने पेन बदल कर वोट

चोरी किए। कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं। चार महीने से किसानों के घर और खेत डूबे हुए हैं। इसके बावजूद कांग्रेस ने कुछ नहीं किया।

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने कहा कि यह इनेलो के लिए यह बड़ा दिन है। हमारी पार्टी में चौधरी देवीलाल और चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के बाद संपत सिंह और रामपाल माजरा ने संघर्ष किया। रामपाल माजरा प्रदेशाध्यक्ष हैं। चौधरी संपत सिंह हमारे सबसे पुराने साथी है। इसलिए चौधरी संपत सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय संरक्षक बना रहे हैं। अभय चौटाला ने दावा किया कि संपत सिंह और रामपाल माजरा को इनेलो पार्टी छोड़ने के लिए अजय चौटाला ने मजबूर किया था। इस दौरान राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस चौधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव प्रकाश भारती, संगठन सचिव उमेद लोहान, इनेलो विधायक आदित्य देवीलाल, पार्टी सचिव नछत्तर सिंह मलहान मौजूद रहे।

गोलीबारी के अपराधियों को पकड़ने के हरियाणा पुलिस ने चलाया 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने गोलीबारी की घटनाओं में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध कार्रवाई के लिए 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' शुरू करने का ऐलान किया है। प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को भगोड़े अपराधियों को सलाखों के पीछे ठूंसने के निर्देश जारी किए हैं। यह ऑपरेशन प्रदेश में पांच नवंबर से 20 नवंबर तक चलाया जाएगा। ऑपरेशन ट्रैक डाउन के लिए हरियाणा पुलिस पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर एवं केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली एवं चंडीगढ़ का भी सहयोग लेगी। पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने इस संबंध में जारी निर्देशों के बारे में सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी दी। पुलिस का यह अभियान गंभीर अपराधों में लिप्त भगोड़े अपराधियों के विरुद्ध चलेगा। डीजीपी कहा कि गोलीबारी की घटनाओं को शामिल जिन अपराधियों की पहचान नहीं हुई है, उनकी पहचान करें। जिनकी पहचान हो गई है लेकिन फरार चल रहे हैं उन्हें

पाताल से भी ढूँढ निकालें। जो जमानत पर जेल से बाहर आ गए हैं, उनकी हिस्ट्री शीट खोलें। इस ऑपरेशन के दौरान यह पता लगाएं कि अगर वो अपराध में सक्रिय हैं तो उनकी जमानत रद्द करायें। अगर वे सुनियोजित तरीके से अपराध में लिप्त हैं तो उनके खिलाफ़ संगठित अपराध की सख्त धाराएं लगाएं। उनके द्वारा अपराध से अर्जित संपत्ति को चिह्नित कर उसे जब्त करें। उन्हें प्रश्रय, संरक्षण एवं पोषित कर रहे लोगों के खिलाफ भी विधि अनुसार कठोर कार्रवाई करें। डीजीपी ने कहा कि मैंने ये भी स्पष्ट किया है कि एसएचओ और डीएसपी अपने क्षेत्र में घटित हो रहे इस तरह के अपराध को रोकने के जिम्मेवार होंगे। वे अपने इलाके के टॉप पांच क्रिमिनल की लिस्ट बनायेंगे और उन्हें जेल में ठोकेंगे। इसी तरह हर जिला और जोन टॉप 10 क्रिमिनल की लिस्ट बनायेंगे और उन्हें जेल में ठोकेंगे। इसके लिए एसपी/डीसीपी/सीपी जिम्मेवार होंगे।

डीजीपी ने एसटीएफ को राज्य के टॉप 20 क्रिमिनल की लिस्ट बनाएगा और उनके धर-पकड़ के लिए व्यापक ऑपरेशन चलाएगा। ये सारे इन लिस्टेड क्रिमिनल्स को रोकने के लिए और उन्हें अपने अपराध के लिए कानून के प्रति उत्तरदायी ठहराने को जिम्मेदार होंगे। पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन के समन्वय का काम आईजी क्राइम राकेश आर्य देखेंगे। अगर कोई सूचना देनी हो तो कोई भी इनसे मोबाइल नंबर +91 90342 90495 पर बात कर सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारी पहचान गोपनीय रखेंगे।

यमुनानगर बस हादसे की जांच के आदेश, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई - अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा है कि यमुनानगर बस हादसे की जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा यमुनानगर के प्रतापनगर में हुई दुखद बस दुर्घटना के संबंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि हादसे की हर संभावना की जांच की जाए, चाहे वह बस की तकनीकी स्थिति से संबंधित हो या चालक की लापरवाही से। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'किसी भी स्तर पर यदि गलती पाई जाती है तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।' गौरतलब है कि आज सुबह यमुनानगर के प्रतापनगर में एक बस में चढ़ने के दौरान कुछ छात्राएँ फिसलकर नीचे गिर गईं, जिसमें एक छात्रा की मृत्यु हो गई तथा अन्य घायल हो गईं। घायल छात्राओं का उपचार जारी है। विज का राहुल गांधी के बयान पर पलटवारः कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा यह आरोप लगाए जाने पर कि 'हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी करके भाजपा ने सरकार बनाई' के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'राहुल गांधी जी का मेडिकल कराना चाहिए, क्योंकि जब वे यह बयान दे रहे थे, क्या वे ठीक थे? '

उन्होंने कहा कि दो करोड़ वोटों में से 25 लाख वोटों को 'जाली' बताने का अर्थ है कि कांग्रेस अब तर्क नहीं, भ्रम फैला रही है। विज ने सवाल उठाया कि अगर कहीं पर वोट गलत बने, तो कांग्रेस के पोलिंग एजेंट वहाँ क्या कर रहे थे? 'पोलिंग एजेंटों का काम ही है ऐसे मामलों को मौके पर चुनौती देना। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस द्वारा चुनाव बीत जाने के बाद रोना, जनता को भ्रमित करने का प्रयास है '।

बिहार चुनाव हारने के डर से भूमिका तैयार कर रहे हैं राहुल गांधी : डॉ. अरविंद शर्मा

भाजपा का सीधे जनता से गठजोड़, चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था -गोहाना की जलेबी की मिठास पहुंची बिहार, रिकार्डतोड बहुमत से जीतेगा एनडीए

एजेंसी

चंडीगढ़। सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा में लोकसभा चुनाव के दौरान पांच सीटें जीतकर खुश होने वाली कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में जनता-जर्नादन ने लगातार तीसरी बार हरा दिया तो वे रोने लगे, जबकि दोनों बार मतदाता वही थे। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी बिहार चुनाव में बड़ी हार को देखते हुए भूमिका तैयार कर रहे हैं कि उन्हें चुनाव हारने के बाद क्या बोलना है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग और भाजपा की भूमिका को लेकर हरियाणा के संबंध में उठाए गए सवालों पर पलटवार करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी बिहार में बड़ी हार को देखकर घबरा गए हैं और हरियाणा के बहाने भाजपा और चुनाव आयोग में गठजोड़ का राग अलाप रहे हैं। कैबिनेट मंत्री डॉ.

अरविंद शर्मा ने कहा कि भाजपा का गठजोड़ सीधा जनता के साथ है, क्योंकि भाजपा ने गरीब, वंचित, जरूरतमंद के उत्थान की दिशा में जनता का भरोसा जीता है। चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा मतगणना से दो दिन पहले हमारी सब व्यवस्था है, पर राहुल गांधी द्वारा उठाए सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि किसी को शक नहीं होना चाहिए कि भाजपा के पास व्यवस्था थी। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन की व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों की व्यवस्था, अंत्योदय भाव के साथ किसान, गरीब, मध्यम वर्गीय परिवारों, जरूरतमंद के उत्थान के लिए योजनाओं की व्यवस्था। कांग्रेस की गुटबाजी, भेदभाव और भ्रष्टाचार की व्यवस्था पर भारी पड़ी।कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बिहार चुनाव में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किए गए प्रचार और मंत्रिमंडल सहयोगियों द्वारा निभाई जा रही जिम्मेदारी के बीच गोहाना की जलेबी की मिठास भी बिहार पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन बिहार में रिकार्डतोड़ बहुमत के साथ सरकार बना रहा है। एनडीए गठबंधन के जनता-जर्नादन में निरंतर बढ़ रहे विश्वास की बदौलत ही आज कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों के पैर बिहार के चुनावी रण में उखड़ने लगे हैं।

पुलिस फोर्स केवल कानून व्यवस्था की संस्था ही नहीं बल्कि एक परिवार भी : एसपी

एजेंसी

जींद। पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के सभी थाना प्रबंधक व विभिन्न शाखाओं में नियुक्त पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, कार्य प्रणाली, फील्ड चुनौतियों व आवश्यकताओं को समझना तथा उनका यथासंभव तुरंत समाधान सुनिश्चित करना था।

बैठक के दौरान पुलिस कर्मियों ने अपने-अपने थानों व ड्यूटी क्षेत्रों से संबंधित विषयों को पुलिस अधीक्षक के समक्ष विस्तारपूर्वक रखा। एसपी ने सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुन कर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निवारण हेतु स्पष्ट व समयबद्ध निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी संगठन की रीढ़ हैं। उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान और उनका मनोबल उच्च रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सिंह, उप पुलिस अधीक्षक सफीदों गौरव शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक उचाना संजय कुमार, उप पुलिस अधीक्षक जींद संदीप कुमार व उप पुलिस अधीक्षक नरवाना कमलदीप राणा सहित सभी थाना प्रबंधक व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के पश्चात पुलिस लाइन जींद में सामूहिक भोजन (बड़ा खाना) का भी आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न थानों, पुलिस चौकियों, ईआरवी, नाकों, राइडर, पुलिस लाइन, पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा अन्य स्थानों पर तैनात पुलिस कर्मियों ने सहभोज में भाग लिया। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह सहित सभी पर्यवेक्षक अधिकारियों ने स्वयं कर्मचारियों को भोजन परोसा। उनके साथ बैठकर भोजन किया व आपसी आत्मीय संवाद के माध्यम से उनका हालचाल जाना।

इस अनुठी पहल का मूल उद्देश्य कार्यस्थल पर सौहार्द, आत्मीयता, एकता और सकारात्मक माहौल को सुदृढ़ करना है। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि पुलिस फोर्स केवल कानून व्यवस्था की संस्था ही नहीं बल्कि एक परिवार भी है तथा परिवार में सहभागिता, संवाद और भावनात्मक जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है।

शुक्रवार से शुरू होगा 18वां शहरी मोबिलिटी भारत सम्मेलन एवं एक्सपो-2025

सात से नौ नवंबर तक होगा इस सम्मेलन व एक्सपो का आयोजन

एजेंसी

गुरुग्राम। राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर शहरी गतिशीलता में सर्वोत्तम प्रथाओं को सांझा करने, नवाचारों पर चर्चा करने और भविष्य की दिशा तय करने के उद्देश्य से गुरुग्राम में तीन दिवसीय 18वां शहरी मोबिलिटी भारत (यूएमआई) सम्मेलन एवं एक्सपो-2025 आयोजित किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर का आयोजन 7 से 9 नवंबर तक सेक्टर-83 स्थित होटल हयात रिजेंसी में होगा, जिसमें देश-विदेश के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता, और नगर योजनाकार और उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधि भाग लेंगे। डीसी अजय कुमार ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन के दौरान आने वाले अतिथियों के स्वागत, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। डीसी ने कहा कि यह आयोजन न केवल गुरुग्राम बल्कि नवीनतम तकनीकें और समाधान प्रस्तुत करेंगी। डीसी ने कहा कि इस आयोजन से गुरुग्राम को स्मार्ट शहरी परिवहन के क्षेत्र में अग्रणी शहर के रूप में पहचान और सशक्त होगी।

पूरे हरियाणा राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शहरी परिवहन, सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बनाने, ई-मोबिलिटी, सडक़ सुरक्षा, ट्रैफिक मैनेजमेंट और सतत विकास से जुड़ी कई तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदर्शनी में देश की अग्रणी कंपनियां अपनी इस दौरान मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव, जीएमआरल से डायरेक्टर (फाइनेंस) रजत वर्मा, डायरेक्टर (आरएस एंड ई) राजेश चतुर्वेदी, डायरेक्टर (प्रोजेक्ट) एसआर सांगवा, एडवाइजर अर्बन टीपीटी सुजाता सांवत, डीआईपीआरओ बिजेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शेफाली वर्मा को ढाई करोड़ इनाम और उच्च पद पर नियुक्ति दे सरकारः हुड्डा

एजेंसी

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा वर्ल्ड कप विजेता क्रिकेटर शेफाली वर्मा के परिवार से मिलने पहुंचे। हुड्डा ने मुलाकात के दौरान परिवार को शेफाली की उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पूरे हरियाणा और देश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने शेफाली को भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं दीं।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान तिरंगे का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को देश में सबसे ज्यादा इनाम और डीएसपी जैसे उच्च पदों पर नियुक्ति दी जाती थी। क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हरियाणा के खिलाड़ी जोगिंदर शर्मा को कांग्रेस सरकार ने सीधे डीएसपी नियुक्त किया था। ऐसे में बीजेपी सरकार को भी शेफाली के लिए उच्च पद पर नियुक्ति की व्यवस्था करनी चाहिए और कम से कम ढाई करोड़ रुपये तक की इनाम राशि देनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने और युवाओं को खेलों की तरफ ले जाने के लिए पदक लाओ, पद पाओ नीति बनाई थी। इसका मकसद युवाओं को नशे और अपराध की तरफ जाने से रोकना भी था, लेकिन बीजेपी सरकार ने खेल और शिक्षा दोनों ही नीतियों को बदल डाला। यह सरकार कांग्रेस कार्यकाल में बने स्टेडियम और स्कूलों को बंद करने में लगी है, जबकि सरकार की जिम्मेदारी उनका अच्छे से रख-रखाव करना और नए स्कूल व स्टेडियम बनाना होती है। शेफाली के पिता संजीव वर्मा ने पूर्व सीएम हुड्डा के पहुंचने पर आभार जताते हुए कहा कि जो भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जो डिमांड की है वह हरियाणा सरकार को देखना है। जहां तक शेफाली के घर आने की बात है तो अभी तक ऐसा कोई शेड्यूल तय नहीं हुआ है कि शेफाली कब तक रोहतक पहुंचेगी, क्योंकि आज प्रधानमंत्री मोदी ने भी भारतीय टीम को डिनर पर बुला रखा है ।

एमवी फोटोवोल्टिक पावर का आईपीओ 11 नवंबर को खुलेगा

नई दिल्ली सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल एवं सौर सेल बनाने वाली कंपनी एमवी फोटोवोल्टिक पावर लिमिटेड ने अपने 2,900 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 206-217 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि उसका आईपीओ 11 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 13 नवंबर का संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 10 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 2,143.86 करोड़ रुपये के नए शेयर और 756.14 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से प्राप्त 1,621 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का उपयोग कंपनी और इसकी प्रमुख अनुषंगी कंपनी द्वारा लिए गए ऋणों एवं ब्याज के पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतान तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एमवी फोटोवोल्टेइक पावर का शेयर 18 नवंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है।

एफएए 40 व्यस्त मार्गों पर उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती करेगा

वॉशिंगटन संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने कहा कि अमेरिका में जारी सरकारी शटडाउन के चलते 40 सबसे व्यस्त हवाई मार्गों पर उड़ानों की संख्या 10 फीसदी घटाई जाएगी। एजेंसी ने बताया कि यह कदम सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। हवाई यातायात नियंत्रक बिना वेतन काम कर रहे हैं, जबकि कुछ ने काम बंद कर दिया है। इसका परिणाम देशभर में उड़ानों में देरी के रूप में सामने आ रहा है। 1 अक्टूबर से शुरू हुए शटडाउन का कारण है डेमोक्रेटिक पार्टी का वित्तीय पैकेज में 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' रियायत की मांग। संसद से मंजूरी न मिलने पर शटडाउन लागू होता है।

ब्याज दर में हो सकती है कटौती

मुंबई रिजर्व बैंक आने वाले महीनों में रेपो रेट में 0.25-0.5 प्रतिशत तक की कटौती का ऐलान कर सकता है। खाने-पीने की चीजों के दामों में कमी और हालिया जीएसटी कटौती के असर से महंगाई में लगातार नरमी बनी हुई है। इसी वजह से आरबीआई को आर्थिक ग्रोथ को सपोर्ट देने के लिए मौद्रिक नीति को उदार बनाने का मौका मिलेगा। कोटक सिक्युरिटीज की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टैरिफ और ट्रेड से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद, घटती महंगाई आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार (ग्रोथ) को बढ़ाने के लिए दरों में कटौती की गुंजाइश बना रही है। खाने-पीने की चीजों की कीमतें घटने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित रिटेल महंगाई दर सितंबर में घटकर 1.54 प्रतिशत पर आ गई थी।

टीवीएस ने अक्टूबर में कुल 5,43,557 वाहनों की बिक्री

नईदिल्ली अक्टूबर 2025 में टीवीएस मोटर ने बिक्री के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टीवीएस कंपनी ने इस महीने कुल 5,43,557 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.15 प्रतिशत की वृद्धि और पिछले महीने की तुलना में 0.46 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाती है। बीते साल की तुलना में टीवीएस ने करीब 54 हजार वाहनों की अतिरिक्त बिक्री की। यह प्रदर्शन कंपनी की घरेलू और वैश्विक बाजार में मजबूत पकड़ को दर्शाता है। टीवीएस की सफलता का सबसे बड़ा आधार उसका भारतीय बाजार रहा, जहां उसने 4,21,631 वाहनों की बिक्री की। यह कुल बिक्री का लगभग 80 प्रतिशत है और इसमें वार्षिक तौर पर 9.83 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, निर्यात के क्षेत्र में कंपनी ने 1,03,519 वाहनों की बिक्री की, जो कुल बिक्री का करीब 18 प्रतिशत हिस्सा है। मोटरसाइकिल श्रेणी में कंपनी ने 2,66,715 इकाइयाँ बेचीं, जो कुल बिक्री का 51 प्रतिशत हिस्सा है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 15.77 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। वहीं स्कूटर सेगमेंट में कंपनी ने 2,05,919 यूनिट्स बेचीं, जिनमें से आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर सबसे लोकप्रिय रहा। इस मॉडल की 32,387 इकाइयाँ बिकीं, जिससे यह साबित हुआ कि उपभोक्ता तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रहे हैं। कंपनी के तीन पहिया वाहनों ने भी रिकॉर्ड बनाया। अक्टूबर में 18,407 यूनिट्स बिके, जिनमें घरेलू बाजार में 117 प्रतिशत और निर्यात में 52 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

भारत रूस से कच्चे तेल की सीधी खरीद घटाएगा

रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर लगाए जाने वाले नए आर्थिक प्रतिबंधों के बाद लिया गया फैसला

नई दिल्ली

भारत नवंबर के ओ खिर से रूस से कच्चे तेल की सीधे खरीद में कटौती करेगा। यह निर्णय अमेरिका द्वारा 21 नवंबर से रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगाए जाने वाले नए आर्थिक प्रतिबंधों के बाद लिया गया है। प्रतिबंधों के तहत इन कंपनियों की अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगेगी। इसके अलावा, अन्य देशों की संस्थाओं पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लागू हो सकते हैं, यदि वे इन कंपनियों के साथ बड़े लेनदेन करती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के पालन में भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रोसनेफ्ट और लुकोइल से तेल की सीधी खरीद घटा सकती हैं या पूरी तरह रोक सकती हैं। प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी शामिल हैं। हालांकि, नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी वर्तमान खरीद प्रक्रिया जारी रखेगी। विशेषज्ञों के अनुसार 21 नवंबर के बाद रूसी तेल की खेपों में कमी आएगी। दिसंबर में आपूर्ति में तेज गिरावट होने की संभावना है, जबकि 2026 की शुरुआत तक नए व्यापारिक माध्यम और वैकल्पिक मार्गों के जरिए स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो सकती है।

घटते रूसी आयात की भरपाई के लिए भारत ने पश्चिम एशिया, लैटिन अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदारी बढ़ा दी है। उदाहरण के लिए अक्टूबर में भारत ने अमेरिका से प्रतिदिन 5.68 लाख बैरल क्रूड तेल आयात किया, जो मार्च 2021 के बाद सबसे अधिक है। 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से लगभग 18 लाख बैरल प्रतिदिन क्रूड तेल आयात किया। भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अब आपूर्ति में विविधता लाकर अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने की रणनीति अपना रही हैं।

1 जनवरी 2026 से पेन निष्क्रिय, समय रहते लिंक करें आधार

नई दिल्ली 1 जनवरी 2026 से उन लोगों का पेन नंबर निष्क्रिय हो जाएगा जिन्होंने 31 दिसंबर 2025 तक पेन और आधार लिंक नहीं किया। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की इस नई प्रक्रिया का पालन न करने पर वित्तीय लेन-देन प्रभावित हो सकते हैं। पेन निष्क्रिय होने पर आप आईटीआर फाइल नहीं कर पाएंगे और रिफंड प्रोसेस भी रुक सकता है। इसके अलावा, सैलरी` सिप निवेश और बैंक ट्रांजैक्शन भी प्रभावित हो सकते हैं। टैक्स बडी के मुताबिक, कई निवेश और बैंकिंग सुविधाओं पर प्रतिबंध लग सकता है। कुछ विशेष श्रेणी के लोग इस नियम से मुक्त हैं, जैसे एनआरआई, 80 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक और कुछ राज्यों के निवासी। इसके लिए संबंधित व्यक्ति को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से वैरिफिकेशन कराना जरूरी है। पेन को फिर से सक्रिय करने में लगभग 30 दिन लग सकते हैं।

क्विक कॉमर्स कंपनियों ने अपनाया 'बैचिंग' मॉडल

कम खर्च में तेज डिलीवरी का नया फॉर्मूला

नई दिल्ली तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स कारोबार में अब कंपनियां खर्च घटाने और मुनाफा बढ़ाने के लिए बैचिंग या क्लबिंग मॉडल अपना रही हैं। इस प्रक्रिया में कंपनियां दो या उससे ज़्यादा ऑर्डर एक साथ पैक करती हैं और एक ही डिलीवरी पार्टनर से ग्राहकों तक भेजती हैं। इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होती है, साथ ही कंपनियों की डिलीवरी लागत में कमी आती है। डार्क स्टोर, यानी छोटे वेयरहाउस, जहां ऑर्डर तैयार किए जाते हैं, अब खास सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये सिस्टम आसपास के ऑर्डर को पहचानकर डिलीवरी का रास्ता तय करते हैं, ताकि एक ही रूट में कई ऑर्डर पूरे किए जा सकें। जेप्टो के एक अे धिकारी ने बताया कि बैचिंग से डिलीवरी पार्टनर का सफर छोटा होता है, जिससे समय बचता है और उन्हें अतिरिक्त इंसेंटिव भी मिलता है। सिर्फ जेप्टो ही नहीं, बल्कि ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टालमेंट और बिग बॉस्केट भी यह तरीका अपनाने लगी हैं। फिलपकार्ट मिनट ने अगस्त 2025 से 500 मीटर के दायरे में आने वाले ऑर्डर को जोड़ना शुरू किया है, जिससे भीड़भाड़ या त्योहारों के दौरान भी डिलीवरी पर असर नहीं पड़ता।

शेयर बाजार के दिग्गज निवेश अधिकारी की चेतावनी

भारतीय निवेशकों की आंखें खोलने वाली

नई दिल्ली

शेयर बाजार के दिग्गज ने भारतीय निवेशकों की आंखें खोलने वाली चेतावनी दी है। उन्‍होंने कहा है कि भारत का पूंजी यानी शेयर बाजार एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। अब जोखिम का पूरा बोझ निवेशकों पर है, न कि बैंकों और संस्‍थानों पर रह गया है। उनके कहने का साफ मतलब यह है कि अब बाजार का सारा जोखिम सिर्फ निवेशकों के माथे पर है, उससे जुड़ी कंपनियों या संस्‍थानों पर नहीं।

जानकार ने कहा कि पहले के दौर में पूंजी निवेश का विकास वित्‍तीय संस्‍थानों जैसे आईडीबीआई, आईएफसीआई और आईसीआईसीआई की ओर से वित्‍तपोषित होता था। फिर आया 2007-08 का दौर जहां बैंकों की ओर से इसका वित्तपोषण होता था। अब पूरे निवेशक समुदाय के लिए चुनौती नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। अब सारा जोखिम निवेशकों की ओर से

जानकार ने बताया कि आज कोई भी वित्‍तीय संस्‍थान खुद जोखिम उठाने को तैयार नहीं और देश के विकास के लिए जोखिम उठाने का काम निवेशकों पर है। निवेशकों को कुछ हद तक राहत पहुंचाने के लिए ही म्यूचुअल फंड्स ने स्मॉल कैप, मिड कैप और मल्टी कैप जैसे सेक्‍शन बनाए हैं।

बावजूद इसके निवेशकों की बढ़ती डिमांड को देखते हुए फंड प्रबंधकों को अक्सर महंगे स्टॉक्स में निवेश करना पड़ता है।

बाजार गिरते ही बदल जाता है निवेशकों का मन

जानकार ने चिंता जाहिर कि कई निवेशक भले ही लंबे समय का लक्ष्य बनाकर चलते हैं, लेकिन जैसे ही बाजार में गिरावट आती है, अपना पैसा निकालने पर मजबूर होते हैं। 20 साल लक्ष्य बनाकर चलने वाले निवेशक भी अक्सर 10 साल तक नहीं टिक पाते हैं। नरेन ने कहा कि निवेशकों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे सिर्फ इक्विटी पर ही ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लानी पड़ेगी और सिर्फ इक्विटी पर ध्यान देने के बजाय डेट और बैलेंस्ड फंड जैसे विकल्पों को भी शामिल करना चाहिए।

सरकारी बैंकों का मुनाफा सितंबर तिमाही में बढ़कर 49,546 करोड़ हुआ

इंडियन ओवरसीज बैंक का मुनाफा सबसे अधिक 58 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली

एसबीआई की अगुवाई में 12 सरकारी बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही में **49,546 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। यह पिछले साल की समान तिमाही (45,547 करोड़ रुपये) की तुलना में 9 फीसदी अधिक है। कुल मुनाफे में वृद्धि 3,909 करोड़ रुपये रही। अलग से देखा जाए तो एसबीआई का मुनाफा 20,160 करोड़ रुपये रहा, जो कुल मुनाफे का 40 फीसदी है। एसबीआई का लाभ सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ा। बैंक का कुल कारोबार अब 100 लाख करोड़ रुपये के पार है। इंडियन ओवरसीज बैंक का मुनाफा सबसे अधिक 58 फीसदी बढ़ा और 1,226 करोड़ रुपये रहा। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 33 फीसदी बढ़त के साथ 1,213 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। पंजाब नेशनल बैंक और केनरा बैंक का कारोबार क्रमशः 27.86 लाख करोड़ और 26.79 लाख करोड़ रुपये रहा। केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक के मुनाफे में क्रमशः 19, 14 और 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक का मुनाफा 23 फीसदी बढ़ा। बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुनाफे में कमी आई; बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ 8 फीसदी घटकर 4,809 करोड़ और यूनियन बैंक का 10 फीसदी घटकर 4,249 करोड़ रुपये रहा।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2025) में सरकारी बैंकों का कुल मुनाफा 93,674 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान अवधि (85,520 करोड़ रुपये) की तुलना में करीब 10 फीसदी अधिक है।

बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी से चिंतित आरबीआई

आरबीआई बाजार सहभागियों संग कर रहा लगातार बैठकें

नई दिल्ली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सरकारी बॉन्ड यील्ड में लगातार बढ़ोतरी को लेकर चिंतित है। दस साल की परिपक्वता अवधि वाले सरकारी बॉन्ड और अमेरिकी ट्रेजरी के बीच का अंतर लगभग 250 आधार अंक तक पहुंच गया है। इस स्थिति पर चर्चा के लिए केंद्रीय बैंक इस सप्ताह और अगले सप्ताह बाजार प्रतिभागियों से बैठकें कर रहा है। फरवरी से जून के बीच कुल 100 आधार अंकों की रेपो दर कटौती के बावजूद 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड नीतिगत दरों के अनुरूप नहीं घटी। जून के बाद यील्ड में 24 आधार अंकों की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि में अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 32 आधार अंक गिरी है। फिलहाल बेंचमार्क बॉन्ड यील्ड 6.53 फीसदी पर है। पिछले सप्ताह सात साल की परिपक्वता अवधि वाले बॉन्ड की नीलामी रद्द करनी पड़ी क्योंकि बाजार ने अधिक यील्ड की मांग की थी। प्रतिभागियों ने आरबीआई से खुले बाजार संचालन के जरिए बॉन्ड खरीद बढ़ाने का अनुरोध किया है, जिससे तरलता सुधर सकती है।

कर्ज कम करने की दिशा में अस्पष्ट नीति आर्थिक प्रगति पर पड़ सकती है भारी

आगामी बजट से पहले कर दरों, राजकोषीय घाटे और ऋण लक्ष्यों पर गहराई से विचार करेगी सरकार

नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय आगामी आम बजट की तैयारियों में जुट गया है, और इसी बीच वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कमी तथा उन्हें युक्तिसंगत बनाने पर विचार किया जा रहा है। मंत्रालय को यह सावधानीपूर्वक आकलन करना होगा कि दरों में कमी से राजस्व संग्रह और आर्थिक वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ेगा। दरों में कमी से अल्पकालिक रूप में राजस्व में गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे खपत और निवेश बढ़ने की संभावना भी बनती है, जो दीर्घकाल में अर्थव्यवस्था को गति दे सकती है। वित्तीय बाजारों का ध्यान केवल जीएसटी दरों पर ही नहीं, बल्कि आगामी राजकोषीय ढांचे पर भी है। वर्ष 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि 2026-27 से सरकार का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में ऋण अनुपात में कमी लाने का होगा। 2018 में संशोधित राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम में ऋण और घाटे दोनों के लक्ष्य तय किए गए थे। हालांकि कोविड-19 महामारी ने इन लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित किया, जिससे वर्ष 2020-21 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 9.2 प्रतिशत तक पहुंच गया था। इसके बाद सरकार ने राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की दिशा में सराहनीय सुधार किया है।

2021-22 के बजट में वित्त मंत्री ने 2025-26 तक राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य रखा था। यह प्रगति पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ हासिल की गई है।

ब्रुकफील्ड रीट खरीदेगी 13,125 करोड़ का कार्यालय परिसर

नई दिल्ली

ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट (रीट) ने बेंगलूरु में एक कार्यालय परिसर इकोवर्ल्ड का 13,125 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने के लिए पक्का करार किया है। जेएलएल के पूंजी बाजार प्रमुख ने बताया` कि यह सौदा भारत के रीट इकोसिस्टम की बढ़ती परिपक्वता को रेखांकित करता है। रीट आज सक्रिय रूप से पूंजी लगा रहे हैं और परिसंपत्ति अधिग्रहण में मजबूत प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं जो वाणिज्यिक अचल संपत्ति में संस्थागत भागीदारी की बढ़ती दिलचस्पी का संकेत है। भारत के प्रमुख कार्यालय बाजार बेंगलूरु के सबसे व्यस्त इलाके में 48 एकड़ में बना इकोवर्ल्ड का परिसर आउटर रिंग रोड पर 77 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ है। ब्रुकफील्ड के निदेशक मंडल ने अधिग्रहण के लिए 3,500 करोड़ रुपये की नई ऋण प्रतिभूतियां करने, वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में तरजीही निर्गम से 1,000 करोड़ रुपये की नकद आय और 2,500 करोड़ रुपये की नई इक्विटी जारी करने से प्राप्त रकम का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है। एनारॉक समूह ने कहा, ब्रुकफील्ड द्वारा बेंगलूरु में 77 लाख वर्ग फुट के इकोवर्ल्ड ऑफिस परियोजना को 13,125 करोड़ रुपये में खरीदना भारत में अब तक की सबसे बड़ी कार्यालय अचल संपत्ति की बिक्री है। इस तरह ब्रुकफील्ड का सौदा भारतीय अचल संपत्ति के इतिहास में एक ही जगह कार्यालय संपत्ति खरीद

का नया रिकॉर्ड है। इस तरह के अन्य बड़े सौदों में 2016 में 12,000 करोड़ रुपये काडीएलएफ-ब्लैकस्टोन मुंबई भूमि सौदा और 2018 में प्रेस्टीज ग्रुप की कार्यालय परिसंपत्तियों में ब्लैकस्टोन का 7,200 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

अक्टूबर में म्युचुअल फंड्स का इक्विटी में सबसे कम निवेश

नई दिल्ली

अक्टूबर में छह महीने में म्युचुअल फंडों (एमएफ) का इक्विटी बाजार में निवेश सबसे कम रहा जो बाजार में सुधार के बीच इक्विटी एमएफ योजनाओं में नए निवेश में कमी का संकेत है। पिछले महीने अक्टूबर में म्युचुअल फंडों ने इक्विटी में 17,778 करोड़ रुपये का निवेश किया जबकि सितंबर में उन्होंने 46,442 करोड़ रुपये लगाए थे। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त में म्युचुअल फंडों का इक्विटी बाजार में निवेश 70,534 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। विशेषज्ञों के अनुसार एमएफ इक्विटी निवेश में गिरावट का कारण मुनाफावसूली और बढ़ते मूल्यांकन संबंधी चिंता हो सकती है।

क्योंकि शेयरों की कीमतें रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंच गई हैं। म्युचुअल फंड मुख्य रूप से ऐक्टिव और पैसिव इक्विटी तथा हाइब्रिड योजनाओं में निवेश और बिकवाली के आधार पर ज्यादातर निवेश का निर्णय करते हैं।

इसके अतिरिक्त नकदी की स्थिति और हाइब्रिड फंडों के इक्विटी आवंटन भी समग्र निवेश स्तर को प्रभावित करते हैं। कुछ फंड मैनेजर इक्विटी योजनाओं में ऊंचे मूल्यांकन पर बाजार में निवेश करने पर अपनी चिंता व्यक्त कर रहे हैमि जुलाई 2025 में 42,702 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद ऐक्टिव इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश में कमी आई है। सितंबर में निवेशकों ने 30,422 करोड़ रुपये का निवेश किया था। निवेश घटने का मुख्य कारण मुनाफावसूली है क्योंकि इक्विटी बाजार मार्च 2025 के निचले स्तर से धीरे-धीरे उबर रहा है। अक्टूबर में भी बाजार में सुधार जारी रहा, जिससे बेंचमार्क सूचकांक अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गए।

प्रीमियम एसयूवी इलेवेट के नए एडिशन का टीज़र जारी

नईदिल्ली

होंडा कार्स इंडिया कंपनी ने अपनी प्रीमियम एसयूवी इलेवेट के नए एडिशन का टीज़र जारी किया है, जो डिजाइन और फीचर्स के मामले में हयूदै क्रेटा को सीधी चुनौती देने वाली है।

रेड एक्सेंट वाली फ्रंट ग्रिल, ग्लॉस ब्लैक एलॉय व्हील्स और ब्लैक टोन हेडलैंप स्ट्रिप इसके लुक को और दमदार बनाते हैं। सोशल मीडिया पर जारी इस टीज़र में कार का स्पोर्टी और आकर्षक लुक दिखाई देता है, जिसमें ब्लैक और रेड थीम का संयोजन इसे पहले से अधिक प्रीमियम बनाता है। कंपनी ने टीज़र में ÷ए बोल्ड कैंपेनियन फार बोल्ड कैंपेनियन फार द एक्सप्लोरर इन यू÷ टैगलाइन दी है, जिससे संकेत मिलता है कि यह एडिशन इलेवेट एक्सप्लोरर एडिशन नाम से लॉन्च हो सकता है। यह वेरिएंट एडवेंचर और रोमांच पसंद करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

नए एडिशन में वही भरोसेमंद 1.5 लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 119 बीएचपी पावर और 145 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।

इसमें 6-स्पीड मैनुअल और 7-स्टेप सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प मौजूद रहेंगे, जबकि सीएनजी फिटमेंट डीलर स्तर पर उपलब्ध होगी। सेफ्टी और फीचर्स के मामले में होंडा ने इसे पहले से अधिक एडवांस बनाया है।

कार में लेवल-2 एडीएएस सिस्टम, छह एयरबैग, लेनवॉच कैमरा, हिल स्टार्ट असिस्ट, ट्रैक्शन कंट्रोल और इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल जैसे फीचर्स शामिल हैं।

साथ ही, वायरलेस चार्जिंग और कनेक्टेड टेक्नोलॉजी से लैस इंफोटेनमेंट सिस्टम इसे और मॉडर्न बनाता है।

होंडा अपनी इलेवेट के साथ 3 साल या अनलिमिटेड किलोमीटर की स्टैंडर्ड वारंटी दे रही है, जिसे 10 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

बिहार में वोटिंग के पूर्व हरियाणा के बहाने राहुल का चुनाव आयोग पर आरोप

कांतिलाल मांडोत

बिहार चुनाव में पहले चरण के चुनाव के पूर्व हरियाणा के बहाने चुनाव आयोग पर मनगढ़ंत आरोप लगाए। हरियाणा में आठवां वोटर फर्जी और भाजपा ने वोट चुराने के बेमतलब आरोप लगाकर मन को शांत करने की कोशिश राहुल ने की है। हरियाणा में 25 लाख से ज्यादा वोटर्स फर्जी बताकर सीधा निर्वाचन आयोग को घेरने का प्रयास किया है।

राहुल कांग्रेस के ऐसे नेता है जो हमेशा गलत वजहों से खबरों में रहते है। राहुल की टिप्पणी और आरोप हमेशा बेतुके और असंगत होते है। बिहार चुनाव में पहले चरण के चुनाव के पूर्व हरियाणा के बहाने चुनाव आयोग पर मनगढ़ंत आरोप लगाए। हरियाणा में आठवां वोटर फर्जी और भाजपा ने वोट चुराने के बेमतलब आरोप लगाकर मन को शांत करने की कोशिश राहुल ने की है। हरियाणा में 25 लाख से ज्यादा वोटर्स फर्जी बताकर सीधा निर्वाचन आयोग को घेरने का प्रयास किया है। लेकिन निर्वाचन आयोग ने इसे बेबुनियाद और तथ्यविहीन बताया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस की असली हार की वजह उनके अपने नेता है। राहुल की ये बाते कुंठा को ही व्यक्त करती है। राहुल अपनी पार्टी से भी चिढ़े हुए है। क्योंकि बार बार हार के कारण हताश और निराश हुए नेता के लिए बात प्रतिष्ठा पर आ गई है। हर बार कांग्रेस चुनावो में अच्छा प्रदर्शन नही करने से कांग्रेसी नेताओं में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। देश की आजादी के बाद से बैलेट पेपर पर चुनाव होते थे उसमे कांग्रेस को कभी हार का सामना नही करना पड़ा था। क्योंकि उस दौर में फर्जी वोटिंग करना, बुच कैप्चरिंग और बाहुबल के बल पर सत्ता हथियाने की सफल कोशिश की जाती थी। लेकिन अब फर्जी वोट नही किया जा सकता है। इस पर कांग्रेस को सिरदर्द हो रहा है। चुनाव आयोग निष्पक्ष और सत्यनिष्ठा से चुनाव कराने की अपनी जवाबदारी है। कांग्रेस का पतन उनकी अपनी करनी का प्रतिफल है। रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने कहा है कि राहुल गांधी देश मे अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे है। राजनाथसिंह ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं के पास अब कोई काम नही है और कांग्रेस नेताओं के पास कोई चारा नही बचा है। इसलिए उन्हें तालाब में कूदना पड़ा। राजनाथसिंह ने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चो का खेल नही है। राहुल ने सशस्त्र बलों में आरक्षण की मांग को लेकर राजनाथ सिहं ने कहा कि वे देश मे अराजकता फैलाना चाहते है। बिहार में रोजगार के मुद्दे का बोलबाला सुनाई दे रहा है। बिहार चुनाव में राजद ने नौकरी की बात का शिफुगा छोड़ा था। उसी के सामने नीतीश ने एक करोड़ रोजगार की बात कहकर महागठबंधन के वादे को कमजोर कर दिया।

राजीव गांधी के बाद कांग्रेस पार्टी ने एक विशेषता विकसित की है। वह यह कि जो कांग्रेस को नुकसान पहुंचाता है,उसे अपने व्यक्तव्यों से मूर्ख बनाता है उसे ही पार्टी अपना नेता बनाती है। कपिल सिब्बल,दिग्विजयसिंह,पी चिदंबरम और ऐसे अनेक नेता आज भी पार्टी में मौजूद है जो जुठ बोलने के कारण जाने जाते है। उनकी भाषा असभ्य और कांग्रेस के विरोधी के प्रति अवमाननापूर्ण होती है। कांग्रेस पार्टी मुसलमानो की सबसे बड़ी समर्थक पार्टी रही है। राहुल को न्यायालय से डांट और चेतावनी मिलतीं है। लेकिन उसके बाद भी व्यवहार में परिवर्तन की कोई गुंजाइश दिखाई नही देती है। नालन्दा की शिक्षा प्रणाली के बहाने राहुल ने कहा कि आज यूनिवर्सिटी में पेपर लीक होते है। लदरअसल, राहुल क्यो भूल जाते है यह सबकुछ हो रहा है,वह कांग्रेस की देन है। बिहार को जंगलराज में तब्दील करने वाली पार्टियों में लालू औ? कांग्रेस की जनभागीदारी ज्यादा रही है। बिहार से तीस साल पीछे धकेलने वाले लालू और कांग्रेस के पास और सता रहती तो राज्य की क्या दशा होती?उसकीं कल्पना भी नही की जा सकती है। 56 इंच की छाती वाला डरपोक है, का मोदी पर तंज कसने वाले राहुल को कांग्रेस के शासनकाल को याद करना चाहिए। चारो तरफ अराजकता के चलते कांग्रेस से मतदाता रूठे हुए है। राहुल ने निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिका के रास्ट्रपति से भी मोदी डरते है। लेकिन भाजपा ऐसे मनगढ़ंत मुद्दे को तवज्जो नही देती है। मोदी ने महागठबंधन के घोषणा पत्र को जुठ का पुलिंदा करार दिया। कांग्रेस के दिग्गज नेता पार्टी आलाकमान के मार्गदर्शन में शायद कार्य नही कर रहे है। इसलिए राहुल बेलगाम दिखाई दे रहे है। सेना और संविधान की चर्चा पर तंज कसने वाले राहुल को मंथन करने की आवश्यकता है। कांग्रेस का विश्वास है कि बिहार में गठबंधन होता तो सत्ता में आने का मौका मिलता और इसलिए कांग्रेस हर राज्य में गठजोड़ में चुनाव लड़ रही है। तेजस्वी और कांग्रेस का गठबंधन होने के बाद बिहार प्रदर्शन कमजोर हो गया है।

बिहार की राजनीति हमेशा से देश के राजनीतिक परिदृश्य का केंद्र रही है। यहाँ की सामाजिक बनावट, जातिगत समीकरण और राजनीतिक जागरूकता इसे एक अनोखा राज्य बनाती है। आने वाले चुनावों में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के गठबंधन के लिए यह एक निर्णायक परीक्षा होगी। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में अपनी पार्टी की वैतरणी पार लगा पाएंगे, और क्या तेजस्वी यादव इस राजनीतिक संग्राम में सफल होंगे?

राहुल गांधी के लिए बिहार हमेशा एक चुनौतीपूर्ण प्रदेश रहा है। कांग्रेस का जनाधार पिछले तीन दशकों में यहाँ लगातार सिमटता गया है। पहले जहाँ कांग्रेस सत्ता की धुरी हुआ करती थी, वहीं अब उसकी स्थिति गठबंधन सहयोगी तक सीमित हो गई है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और सामाजिक न्याय के मुद्दों को उठाकर देशभर में एक नई राजनीतिक धारा बनाने की कोशिश की है। लेकिन बिहार में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए केवल विचारधारा नहीं, बल्कि मजबूत संगठन और स्थानीय नेतृत्व की जरूरत है। यह वही बिंदु है जहाँ राहुल को अपनी रणनीति पर और मेहनत करनी होगी। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक विरासत को संभालते हुए युवाओं और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर लगातार आवाज उठाई है। 2020 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने राजदके लिए ठीक प्रदर्शन किया था। लेकिन इस बार वे एक गंभीर नेता के रूप में नही उभर रहे हैं। परन्तु लालू की विरासत थामे तेजस्वी की राह आसान नही है।

संपादकीय

'महिला स्ट्रोक' का चुनाव

विधानसभा की कुल 243 में से 121 सीटों पर जनता अपना जनादेश देगी। अगले चरण का मतदान 11 नवंबर को है और 14 नवंबर को जनादेश अंतिम रूप से सार्वजनिक कर दिया जाएगा। चुनाव में अभी तक जो गौरतलब रहा है, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शख्सियत है। बीते 20 सालों से वह बिहार के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई रुझान नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। विपक्षी उनकी उम्र, स्वास्थ्य, मनःस्थिति और सेवानिवृत्ति की बातें तो करते रहे हैं, लेकिन उससे कोई 'सत्ता-विरोधी लहर' नहीं बन पाई है। नतीजतन भाजपा के बड़े नेताओं ने भी बयान दिए हैं कि नीतीश ही चुनाव के बाद मुख्यमंत्री होंगे। अभी तक जो सर्वेक्षण सार्वजनिक हुए हैं, उनमें नीतीश कुमार 46 फीसदी से अधिक लोगों के पसंदीदा मुख्यमंत्री हैं, जबकि सितंबर में यह पसंद 15-16 फीसदी तक ही सिमटी थी। तब मुख्यमंत्री की दौड़ में तेजस्वी यादव सबसे आगे थे, लेकिन अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

आश्चर्यजनक रुझान यह देखा गया है कि महिलाएं जाति, धर्म, नस्ल, अगड़ी-पिछड़ी कोई भी हों, लेकिन नीतीश के कारण 45 फीसदी महिलाएं भाजपा-एनडीए को समर्थन देती दिख रही हैं। जो महिलाएं 18-30 साल उम्र की हैं, उनमें यह समर्थन 48 फीसदी से अधिक दिखा है। नतीजतन सभी सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है और बेहतर बहुमत के साथ उनकी सरकार बनती दिख रही है। बेशक महिला-शक्ति निर्णायक लग रही है, हालांकि जाति का मुद्दा अब भी प्रबल रहा है। पलायन और रोजगार भी संवेदनशील मुद्दे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी समेत बड़े नेताओं के प्रचार लालू यादव के 'जंगलराज' पर ही केंद्रित हैं। भाजपा-एनडीए बार-बार उसे याद दिला रहा है। प्रधानमंत्री ने तो बार-बार छर्रा, कट्टे और दुनाली का जिक्र अपने संबोधनों में किया है। सिर्फ 10, 000 रुपए महिलाओं के खातों में डालने का ही करिश्मा नहीं है, बल्कि नीतीश ने 20 साल की सत्ता के दौरान पंचायत, शिक्षा, नौकरी आदि में महिलाओं के आरक्षण और लगातार शराबबंदी से महिलाओं का एक ठोस, भरोसेमंद जनाधार तैयार किया है। बिहार में पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक वोट करती हैं, क्योंकि पुरुष बाहर काम करते हैं और मतदान के दिन नहीं लौट पाते। इसका फायदा भी नीतीश पक्ष को मिलता रहा है। इस बार के चुनाव में खासकर महिलाओं पर खूब धन-वर्षा हुई है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तेजस्वी यादव को यह घोषणा करनी पड़ी कि उनकी सरकार बनी, तो 14 जनवरी, मकर संक्रांति के दिन, एकमुश्त 30, 000 रुपए महिलाओं के खातों में डाल दिए जाएंगे। महिलाओं को 2500 रुपए माहवार देने की जो योजना ह्यतेजस्वी प्रणह्न में संकलित है, उसका सालाना धन 30, 000 रुपए ही बनता है। इधर तेजस्वी ने यह घोषणा की, उधर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी ऐलान किया कि 2 करोड़ महिलाओं को 2-2 लाख रुपए उनके खातों में, रोजगार प्रोत्साहन के मद्देनजर, डाल दिए जाएंगे। यदि ऐसा किया जाता है, तो 4 लाख करोड़ रुपए इसी योजना के लिए चाहिए। फिर वही यथार्थ सामने उभर आता है कि बिहार का बजट 3.16 लाख करोड़ रुपए है और कर्ज 3.62 लाख करोड़ रुपए का है। बिहार में कुल महिला मतदाता 3.50 करोड़ से अधिक हैं। धन-वर्षा की बातें एक तरफ हैं, लेकिन सभी योजनाओं के लिए पैसा कहां से आएगा? बिहार के संसाधन तो बेहद सीमित हैं। सवाल है कि क्या बिहार में कुबेर का खजाना मौजूद है, जिसमें से धन निकाल कर बांटा जाता रहेगा? तेजस्वी ने 1.40 करोड़ से अधिक ह्यजीविका

चिंतन-मनन

सहन करना सीखें

व्यक्ति स्वयं ही बेचैनी का जीवन जीता है और अकारण ही जीवन में अनेक कष्टों को आमंत्रित कर लेता है। एक आदमी था। वह सदा प्रसन्न रहता था। एक दिन उसको उदास देखकर मित्र ने पूछा, मित्र! तुम सदा प्रसन्न रहते थे। तुम्हारी सारी अनुकूलताएं थीं। पर आज तुम बहुत उदास दिख रहे हो, यह क्यों? उसने कहा, मेरी प्रसन्नता गायब हो गई। आज से नहीं, बारह महीनों से वह गायब है। इसका भी कारण है। पहले इस गांव में मेरा मकान सबसे ऊंचा था। न जाने एक व्यक्ति कहां से आ टपका कि उसने मेरे मकान से भी ऊंचा मकान बना डाला। उसी दिन से मेरी प्रसन्नता समाप्त हो गई।

इसकी कोई दवा नहीं है। आयुर्वेद विज्ञान में, मेडिकल साइन्स में, साइकोलॉजी में इसकी कोई दवा नहीं है। यह साइकोसोमेटिक बीमारी भी नहीं है। इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं बना। दूसरे की विशेषता को, दूसरे की सम्पन्नता को सहन न करना ही इसका कारण है। ?सी बीमारी का उपाय यह है कि व्यक्ति अपनी शक्ति को बढ़ाए, तीन मंजिले मकान के स्थान पर पांच मंजिला मकान बनाने पांच मंजिले के स्थान पर सात मंजिला मकान बनाने की क्षमता को विकसित करे और अधिक कमाए, और अधिक श्रम करे। यह उसका सकारात्मक पक्ष है। मनुष्य का दृष्टिकोण सकारात्मक कम होता है, नकारात्मक अधिक। एप्रोच नेगेटिव होने के कारण वह दुखी होता है। इससे असहिष्णुता का भाव जागता है और असहिष्णुता राहू की भांति चांद को निरंतर ग्रसित करती रहती है।

अमेरिका में धार्मिक ध्रुवीकरण, पूंजीवाद का विरोध- समाजवाद की चिंगारी?

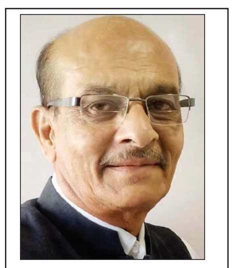

सनत जैन

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद पर पहली बार भारतीय मूल के मुस्लिम नेता जोहरान ममदानी निर्वाचित हुए हैं। यह न केवल एक ऐतिहासिक जीत है, बल्कि अमेरिकी राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत भी मानी जा रही है। ममदानी ने 50 प्रतिशत से अधिक वोट प्राप्त कर यह चुनाव जीता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस चुनाव में हस्तक्षेप करते हुए चेतावनी दी थी कि यदि ममदानी जीतते हैं, तो वह न्यूयॉर्क की फंडिंग बंद कर देंगे। ट्रंप की इस धमकी के बावजूद न्यूयॉर्क की जनता ने 34 वर्षीय ममदानी को भारी बहुमत से विजयी बनाकर यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि अमेरिका में परिवर्तन की लहर उठ चुकी है। यह जीत ट्रंप के लिए एक बड़ी राजनीतिक हार मानी जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका धार्मिक ध्रुवीकरण और नस्ली भेदभाव की दिशा में बढ़ता नजर आ रहा है। उनकी आर्थिक नीतियां कॉरपोरेट घरानों के पक्ष में झुकी हुई हैं, जिससे आम नागरिकों की मूलभूत सुविधाएं लगातार कम हो रही हैं। परिणामस्वरूप, अब न केवल डेमोक्रेटिक पार्टी बल्कि रिपब्लिकन खेमे के भीतर भी ट्रंप की कार्यशैली को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। पिछले सौ वर्षों में न्यूयॉर्क के पहले भारतीय मूल के मेयर के रूप में ममदानी ने प्रगतिशील राजनीति और समाजवाद के प्रतीक बनकर जनता का विश्वास जीता है। वर्ष 2020 में वह न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य चुने गए थे। गरीब और श्रमिक वर्ग के हक की आवाज उठाने के कारण उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई। मेयर बनने के बाद अपने पहले भाषण में ममदानी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त 1947 के ऐतिहासिक संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा– न्यूयॉर्क अब पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। संघीय व्यवस्था और न्यायपालिका को जिस तरह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चुनौती दी जा रही है, उसके खिलाफ एक बड़ा वातावरण बनना अमेरिका में शुरू हो गया है। न्यूयॉर्क के मेयर पद का चुनाव ट्रंप के लिए एक चिंगारी है। जो सुलग गई है, आगे चलकर यह एक बड़े स्वरूप में सामने आएगी। अमेरिका में पूंजीवाद का विरोध शुरू हो चुका है। पूंजीवाद के साथ अब समाजवाद की भी बात होने लगी है। भारत की तरह मिश्रित अर्थ व्यवस्था को लेकर अमेरिका के आगे बढ़ने का यह एक संकेत है।

ममदानी लंबे समय से कॉरपोरेट पर टैक्स बढ़ाने और मध्यम एवं निम्न वर्ग को अधिक सुविधाएं देने की मांग करते रहे हैं। वहीं, ट्रंप के शासनकाल में धार्मिक कट्टरता, नस्लवाद और महंगाई में वृद्धि ने आम अमेरिकी नागरिकों को परेशान कर रखा है। ट्रंप की ह्यटैरिफ वारह्न नीति से आयातित वस्तुएं महंगी हो गई हैं। वह एक तानाशाह की तरह निर्णय लेते हुए न्यायपालिका और संघीय संस्थाओं को दरकिनार कर रहे हैं। इससे अमेरिकी लोकतंत्र की जड़ें हिल रही हैं। ममदानी की जीत के साथ ही वर्जीनिया में भारतीय मूल की डेमोक्रेट नेता गजाला हाशमी ने लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। वह इस पद पर पहुंचने वाली अमेरिका की पहली मुस्लिम महिला हैं। इसी तरह, भारतीय मूल के आफताब पुरेवाल ने ओहायो के सिनसिनाटी शहर में दोबारा मेयर का चुनाव जीता है। यह सभी जीतें संकेत हैं कि अमेरिका की राजनीतिक फिजा तेजी से बदल रही है। अमेरिका एक संघीय लोकतांत्रिक राष्ट्र है, जहां विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोग सदियों से साथ रहते आए हैं। लेकिन हाल के वर्षों में नस्लवाद और धार्मिक उन्माद ने अमेरिकी समाज की नींव को कमजोर किया है। बढ़ती महंगाई, टैक्सों का बोझ और कॉरपोरेट के प्रति सरकारी झुकाव ने मध्यम व निम्न वर्ग की परेशानियां बढ़ा दी हैं। ऐसे माहौल में ममदानी की जीत ने न केवल ट्रंप की नीतियों को चुनौती दी है, बल्कि यह पूंजीवाद के खिलाफ समाजवादी सोच के पुनर्जागरण का संकेत भी देती है। उन्होंने अपने भाषण में नेहरू के उस विचार का उल्लेख किया, जिसमें भारत ने पूंजीवाद, समाजवाद और साम्यवाद के मिश्रण से अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज जब दुनिया आर्थिक मंदी के संकट से जूझ रही है, तब ममदानी जैसे युवा नेता आशा की नई किरण बनकर उभर रहे हैं। अमेरिका जैसे पूंजीवादी देश में समाजवादी सोच की यह चिंगारी शायद एक नई दिशा दिखाए, जहां आर्थिक विकास के साथ सामाजिक न्याय और समानता भी समान रूप से महत्त्वपूर्ण हों। निश्चित रूप से सभी वर्ग अपने आपको आर्थिक और सामाजिक तौर पर बेहतर स्थिति के रूप में देख रहे हैं। नई सोच का नेतृत्व अब ममदानी जैसे युवा कंधों पर आ गया है। जिस तरह से आर्थिक मंदी का खतरा सारी दुनिया में देखा जा रहा है। ऐसे समय पर यह नया नेतृत्व आशा की एक नई किरण बनकर सामने है। अमेरिका जैसे देश में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस : समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

योगेश कुमार गोयल

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को ह्यराष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवसह्न मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि ह्यकैंसरह्न आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्त्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के लुइसविले में मालवाहक जहाज दुर्घटनाग्रस्त, सात की मौत कई अन्य घायल ; खाली कराया गया इलाका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के केंटकी में एक कार्गो विमान (मालवाहक जहाज) क्रैश हो गया है। अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि कार्गो विमान मंगलवार शाम को लुइसविले के मोहम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एफएए ने बताया कि हादसे का शिकार हुआ विमान मैक्डॉनेल डगलस एमडी-11 था। विमान लुइसविले से होनुलुलु जा रहा था। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अधिकारियों को हादसे की जगह तैनात किया गया है। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशेर ने बताया कि विमान हादसे में सात लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। घायलों की स्थिति को देखते हुए मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। मरने वालों में तीन क्रू सदस्य और चार अन्य लोग शामिल हैं। हादसा जिस जगह हुआ, वहां पेट्रोलियम संशोधन कंपनी का परिसर है। हादसे के बाद आग अभी भी लगी हुई है, जिसे बुझाने की कोशिशें जारी हैं। प्रशासन ने आसपास के लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर जाने की अपील की और साथ ही लोगों से हादसे वाली जगह से दूर रहने की भी अपील की। हादसे के बाद लुइसविले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया और सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसे का शिकार हुआ विमान यूपीएस (यूनाइटेड पार्सल सर्विस) द्वारा संचालित किया जा रहा था। मैकडॉनेल डगलस कंपनी ने इस विमान का निर्माण किया था, बाद मैकडॉनेल डगलस कंपनी का बोइंग ने अधिग्रहण कर लिया था। हादसे का शिकार हुआ विमान 34 साल पुराना था। पहले ये विमान थाई एयरवेज के पास था, लेकिन साल 2006 में यूपीएस ने इसे खरीद लिया था। अधिकारी हादसे की जांच में जुटे हैं। अमेरिका के परिवहन सचिव सीन डफी ने सोशल मीडिया पर हादसे की वीडियो साझा की है और लिखा कि हादसे की डरावने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं।

अमेरिकी सेना ने प्रशांत महासागर में 16वीं बार की ड्रग तस्करों पर स्ट्राइक, दो की मौत ; सैन्य तैनाती बढ़ाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को एक और ड्रग तस्करी में शामिल नाव पर घातक हमले की घोषणा की। यह हमला पूर्वी प्रशांत महासागर में हुआ, जिसमें नाव पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। यह ट्रंप प्रशासन की ड्रग तस्करी विरोधी अभियान की 16वीं बड़ी कार्रवाई है। अब तक इन हमलों में कम से कम 66 लोगों की मौत हो चुकी है। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा हम अमेरिका में जहर फैलाने वाले हर ड्रग तस्कर और उनकी नौकाओं का अंत करेंगे। सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री हेगसेथ द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक नाव को हवा में उड़ाते हुए दिखाया गया है। वीडियो में नाव को आग की लपटों में घिरा हुआ भी देखा जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों को सही ठहराते हुए कहा कि अमेरिका ड्रग कार्टेल्स के साथ सशस्त्र संघर्ष में है और दावा किया कि ये नावें विदेशी आतंकी संगठनों द्वारा चलाई जाती हैं। हालांकि, प्रशासन ने अब तक इस दावे के ठोस सबूत पेश नहीं किए हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों दलों के सांसदों ने प्रशासन से इस अभियान और इसके कानूनी आधार पर अधिक जानकारी देने की मांग की है। इस बीच, अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड भूमध्य सागर छोड़कर कैरिबियाई क्षेत्र की ओर रवाना हो गया है। इसके साथ कई विध्वंसक जहाज भी तैनात किए जा रहे हैं। यह कदम लैटिन अमेरिका में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को और मजबूत करने की दिशा में देखा जा रहा है। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि फोर्ड के साथ विध्वंसक जहाज यूएसएस बैनब्रिज भी अटलांटिक महासागर में प्रवेश कर चुका है।

फ्लोरिडा में 1984 दुष्कर्म मामले का आरोपी अपहरण का भी दोषी

फ्लोरिडा , एजेंसी। दक्षिण फ्लोरिडा में 1980 के दशक में कई दुष्कर्म मामलों में संदिग्ध पिलोकेस रेपिस्ट के नाम से कुख्यात रॉबर्ट कोहलर (66) को मियामी-डेड काउंटी की जूरी ने यौन उत्पीड़न, अपहरण और चोरी के आरोप में दोषी ठहराया। हालांकि, इस पर 24 नवंबर को सजा सुनाई जाएगी। मामला 1984 का है, जब 22 वर्षीय महिला के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। कोहलर को 1983 की एक समान घटना में पहले ही 17 साल की सजा मिल चुकी है।

बकिंघम पैलेस में अगले साल रानी एलिजाबेथ-2 की फैशन प्रदर्शनी

बकिंघम , एजेंसी। बकिंघम पैलेस में अगले वर्ष दिवंगत रानी एलिजाबेथ द्वितीय की अब तक की सबसे बड़ी फैशन प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। जो उनके जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में होगी। 10 अप्रैल से 18 अक्तूबर 2026 तक आयोजित प्रदर्शनी में लगभग 200 परिधान प्रदर्शित किए जाएंगे। इनमें से आधे पहले कभी नहीं दिखाए गए। इसमें रानी की शादी और राज्याभिषेक की पोशाकें भी शामिल होंगी। रानी एलिजाबेथ का निधन सितंबर 2022 में 96 वर्ष की आयु में हुआ था।

भारतीय मूल के दो मुसलमान अमेरिका में छाए; गजाला हाशमी गवर्नर और ममदानी बने मेयर, ऐसा पहली बार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में इस समय दो बड़ी और ऐतिहासिक घटना देखने को मिली है। भारतीय मूल के दो मुसलमान नेताओं ने महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जीत दर्ज की है। हैदराबादत में जन्मी डेमोक्रेट भारतीय मूल की गजाला हाशमी ने वर्जीनिया लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने रिपब्लिकन जॉन रीड को हराया। इस जीत के साथ, हाशमी वर्जीनिया राज्यव्यापी पद जीतने वाली पहली मुस्लिम और पहली दक्षिण एशियाई अमेरिकी बन गई हैं। हाशमी वर्तमान में 15वें सेनेटोरियल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करते हुए वर्जीनिया सीनेट में काम कर रही हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में उनकी इस जीत का मतलब है कि उनकी सीनेट सीट को भरने के लिए एक विशेष चुनाव आयोजित करना होगा।

गजाला हाशमी ने 2019 में राजनीति में प्रवेश किया और एक आश्चर्यजनक जीत में, उन्होंने रिपब्लिकन-शासित राज्य सीनेट सीट को पलट दिया और वर्जीनिया जनरल असेंबली के लिए चुनी गईं। पांच साल बाद 2024 में उन्हें सीनेट शिक्षा और स्वास्थ्य समिति का अध्यक्ष नामित किया गया। हाशमी की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपने प्रयास समर्पित किए हैं, जिसमें आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरणीय न्याय में असमानता जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। गजाला हाशमी का जन्म 1964 में हैदराबाद में जिया हाशमी और तनवीर हाशमी के घर हुआ था। वह चार साल की थीं जब वह अपनी मां और बड़े भाई के साथ भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका चली गईं। उनके पिता प्रोफेसर जिया हाशमी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र थे। यहां से उन्होंने एमए और एलएलबी किया। उन्होंने दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय संबंध में पीएचडी पूरी की। उनकी मां तनवीर हाशमी उस्मानिया विश्वविद्यालय के महिला कॉलेज, कोठी से बीए और बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की। हाशमी ने अपनी हाई स्कूल कक्षा में वैलडिक्टोरियन के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और कई पूर्ण छात्रवृत्ति और फेलोशिप प्राप्त की। उन्होंने जॉर्जिया सदर्न यूनिवर्सिटी से ऑनर्स के साथ बीए और अटलांटा में एमोरी यूनिवर्सिटी से अमेरिकी साहित्य में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

कौन हैं ममदानी : न्यूयॉर्क शहर को नया मेयर मिला है। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने दो दो उम्मीदवारों को मात देकर यह उपलब्धि अपने नाम की है। चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनका विरोध किया था। ट्रंप ने तो ममदानी के चुनाव जीतने पर न्यूयॉर्क शहर को केंद्रीय फंड नहीं देने तक की धमकी दे दी थी। उन्होंने दो प्रमुख दावेदारों को हराया दिनमें निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा शामिल हैं। ममदानी 34 साल के हैं और न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। उनका जन्म युगांडा में हुआ था और उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क शहर में हुआ। वह भारतीय मूल के हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उनकी मां प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर हैं और उनके पिता महमूद ममदानी हैं। पिता उनके मुस्लिम थे।

मां हिंदू, पिता मुस्लिम : भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने दो दो उम्मीदवारों को मात देकर यह उपलब्धि अपने नाम की है। चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनका विरोध किया था। ट्रंप ने तो ममदानी के चुनाव जीतने पर न्यूयॉर्क शहर को केंद्रीय फंड नहीं देने तक की धमकी दे दी थी। उन्होंने दो प्रमुख दावेदारों को हराया दिनमें निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा शामिल हैं। आपको बता दें कि ममदानी 34 साल के हैं और न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। उनका जन्म युगांडा में हुआ था और उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क शहर में हुआ। वह भारतीय मूल के हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उनकी मां प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर हैं और उनके पिता महमूद ममदानी हैं। पिता उनके मुस्लिम थे।

कौन हैं मीरा नायर : मीरा नायर का जन्म 1957 में राउरकेला में हुआ था। वह एक जानी-मानी फिल्ममेकर हैं जो पहचान, माइग्रेशन और कल्चरल इंटरसेक्शन को एक्सप्लोर करने के लिए जानी जाती हैं। हार्वर्ड से ग्रेजुएट करे वावी मीरा नायर की पहली फिल्म सलाम बॉम्बे! (1988) ने कान में कैमरा डी'ओर जीता और ऑस्कर नॉमिनेशन भी मिला। उनकी बाद की फिल्में मिसिसिपी मसाला (1991), मॉनसून वेडिंग (2001) और द नेम्सकेक (2006) ने कहानी कहने के तरीके को सोशल इनसाइट के साथ मिलाने के लिए उनकी रेप्युटेशन को और मजबूत किया।

किम जोंग उन के देश में दूतावास खोलने की प्लानिंग में पाक, क्यों भारत को हो सकती है आपत्ति

इस्लामाबाद, एजेंसी। किम जोंग उन के शासन वाले उत्तर कोरिया में पाकिस्तान दोबारा अपना दूतावास खोलने पर विचार कर रहा है। खबर है कि इस संबंध में पाकिस्तान को प्योंगयांग से एक संदेश भी मिला है। खास बात है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि पाकिस्तान और चीन समेत कई देश परमाणु हथियारों की टेस्टिंग कर रहे हैं। भारत कई बार पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के बीच संदिग्ध परमाणु संबंधों की बात उठाता रहा है। ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पुष्टि की है कि इस्लामाबाद को उत्तर कोरिया से एक संदेश मिला है, जिसमें डिप्लोमैटिक मिशन खोलने का अनुरोध किया गया है। कोविड के बाद से ही उत्तर कोरिया में पाकिस्तान का दूतावास बंद है। वहीं, मौजूदा प्रस्ताव पर फिलहाल विचार किया जा रहा है। डार ने संसद में पूछे गए सवाल में बीते महीने कहा था कि छ्क्क्य यानी डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया पर लगे कई प्रतिबंधों के कारण दो देशों में सहयोग संभव नहीं था। उन्होंने कहा था, 'पाकिस्तान और डीपीआरके के बीच व्यापार वर्चुअली कम ही है।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शांतिपूर्ण रास्तों से कोरिया की एकजुटता का समर्थन करना जारी रखेगा। भारत को है आपत्ति? साल 2017 में नई दिल्ली ने प्योंगयांग के नेटवर्क की औपचारिक जांच की मांग की थी। 2022 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया था कि 'हमारे क्षेत्र में डीपीआरके के परमाणु और मिसाइल तकनीकों की बढ़ती संख्या पर बात किए जाने की तत्काल जरूरत है।' साथ ही कहा गया था कि ऐसी गतिविधियां भारत समेत शांति और सुरक्षा को प्रभावित करती है। ट्रंप का दावा डोनाल्ड ट्रंप ने तीन दशक के अंतराल के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करने की अपनी योजना को सही ठहराते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन उन देशों में शामिल हैं जो परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप ने बीते गुरुवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक से पहले घोषणा की थी कि अमेरिका प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के साथ 'बराबरी के आधार' पर परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर को और शक्ति के संकेत, 27वां सांविधानिक संशोधन करेगी सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि वह जल्द ही 27वां सांविधानिक संशोधन संसद में पेश करेगी। इस कदम से देश में यह आशंका पैदा हो गई है कि सरकार प्रांतों की स्वायत्तता को सीमित कर सकती है। संविधान में बदलाव की घोषणा उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने की, जिन्होंने पुष्टि की कि यह संशोधन संसद में लाया जाएगा। डार ने कहा, सरकार 27वां संशोधन लाने जा रही है और इसे संसदीय नियमों, कानूनों और संविधान के अनुरूप पेश किया जाएगा।

इससे पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक पोस्ट में दावा किया था कि सरकार ने इस संशोधन पर समर्थन के लिए उनसे संपर्क किया है। वहीं, विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने संशोधन को लेकर पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं। डार ने आश्वासन दिया कि संशोधन को जल्दबाजी या बिना प्रक्रिया के पारित नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित संशोधन पहले सीनेट में पेश किया जाएगा और फिर दलीय समिति को विचार के लिए भेजा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस संशोधन के तहत एक सांविधानिक न्यायालय की स्थापना, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव, सशस्त्र बलों से जुड़ी धारा 243 में संशोधन, प्रांतों के वित्तीय हिस्से में कटौती, और शिक्षा व जनकल्याण मंत्रालयों का नियंत्रण केंद्र सरकार को देने का प्रस्ताव शामिल है। पीपीपी के वरिष्ठ नेता रजा रब्बानी ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह संशोधन 18वें संशोधन से मिली प्रांतीय स्वायत्तता को कमजोर करेगा। 2010 में पारित 18वें संशोधन ने केंद्र से कई अधिकार प्रांतों को हस्तांतरित किए थे। संविधान में संशोधन पारित करने के लिए सरकार को नेशनल असेंबली (336 सदस्य) और सीनेट (96 सदस्य) दोनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। सरकार के पास नेशनल असेंबली में पर्याप्त संख्या है, लेकिन सीनेट में उसे बहुमत के लिए कम से कम तीन विपक्षी सदस्यों का समर्थन चाहिए होगा।

तूफान कलमागी का कहर! फिलीपींस में 52 की मौत, 13 लापता; भूकंप से उबर रहे प्रांत में मची भारी तबाही

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में आए शक्तिशाली तूफान 'कलमागी' ने भारी तबाही मचाई है। अधिकारियों के अनुसार अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 13 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान सेबू प्रांत में हुआ है, जो हाल ही में एक भीषण भूकंप से उबरने की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि तेज बारिश और बाढ़ के कारण कई लोग अपने घरों की छतों पर फंस गए। रेड क्रॉस को सैकड़ों कॉल्स आईं, जिनमें लोगों ने मदद की गुहार लगाई। सेबू की गवर्नर पामेला बारिकुआत्रो ने कहा हमने बचाव के लिए पूरी तैयारी की थी, लेकिन अचानक आई फ्लैश फ्लड ने सब कुछ बदल दिया। उन्होंने यह भी माना कि लंबे समय से हो रहे खनन और घटिया बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं ने स्थिति और बिगाड़ दी। राहत मिशन के दौरान हादसा तूफान से प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने जा रहे फिलीपींस एयरफोर्स के एक हेलीकॉप्टर के अगुसान डेल सुर प्रांत में क्रैश होने से छह जवानों की मौत हो गई। सुपर ह्यूई हेलिकॉप्टर दक्षिणी अगुसान डेल सुर प्रांत के लोरेटो शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पूर्वी मिनडानाओ सैन्य कमान ने अपने एक शुरुआती बयान में कहा था कि हेलिकॉप्टर में सवार वायु सेना कर्मियों को ढूंढने के प्रयास जारी हैं, जो तूफान प्रभावित प्रांतों में मानवीय मदद देने के लिए तैनात किए गए थे। एबीएस-सीबीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलिकॉप्टर हादसे में सवार छह कर्मियों की मौत हो गई है। भारी बारिश और बाढ़ का कहर सेबू में नदी और नाले उफान पर हैं। कई इलाकों में घर बाढ़ में बह गए। प्रशासन ने प्रांत को 'राज्य आपदा क्षेत्र' घोषित कर दिया है ताकि राहत फंड का उपयोग तेज़ी से किया जा सके। भूकंप से बेघर हजारों लोगों को पहले ही मजबूत आश्रयों में स्थानांतरित कर दिया गया था, जिससे बड़ी संख्या में लोगों की जान बच गई। सेबू की गवर्नर ने घटिया निर्माण कार्यों पर सवाल उठाते हुए कहा यहां की बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं की जांच होनी चाहिए। जिनकी वजह से लोगों की जान गई, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाए। 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाएं तूफान कल्मेगी बुधवार को पालावन द्वीप के तटीय इलाकों के ऊपर था, जहां 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। मौसम विभाग के अनुसार तूफान साउथ चाइना सी की ओर बढ़ रहा है। अब तक 3,87,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, जबकि 186 उड़ानें रद्द की गई हैं। करीब 3,500 यात्री और ट्रक ड्राइवर बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं। फिलीपींस हर साल लगभग 20 तूफानों और कई भूकंपों का सामना करता है।

चीन के स्पेस स्टेशन से टकराया अंतरिक्ष मलबा, तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली

बीजिंग , एजेंसी। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बड़ा झटका लगा है। चीन के स्पेस स्टेशन से सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे की टक्कर के कारण बुधवार को निर्धारित अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है। यह जानकारी चाइना मैनड स्पेस एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली : चीन हर छह महीने में अपने स्पेस स्टेशन के दल की अदला-बदली करता है। बीते शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 क्रू के साथ कक्षा में हैंडओवर प्रक्रिया पूरी की थी। अंतरिक्ष स्टेशन की चाबियां मंगलवार को औपचारिक रूप से सौंप दी गईं। शेनझोउ-20 के तीन अंतरिक्ष यात्री (चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जिए) अपने निर्धारित सभी कार्य पूरे कर चुके हैं और बुधवार को इनर मंगोलिया के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरने वाले थे। हालांकि, मलबे की टक्कर के चलते उनकी वापसी अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इस बीच, चीन ने हाल ही में शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान के जरिए तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन पर अपने कक्षीय स्टेशन पर भेजा है।

2030 तक चीनी अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की तैयारी : इससे पहले चीन ने एलान किया था कि वह वर्ष 2030 तक अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की दिशा में समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने बताया था कि फिलहाल इंसानों को चंद्रमा पर भेजने से जुड़ी सभी अनुसंधान और विकास परियोजनाएं सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं। लॉन्ग मार्च-10 रॉकेट, चंद्र लैंडिंग सूट और एक्सप्लोरेशन व्हीकल जैसी परियोजनाएं जबरदस्त ढंग से आगे बढ़ रही हैं।

पाकिस्तान में मिले 1200 वर्ष पुराने हिंदू मंदिर के अवशेष, आठ नए प्राचीन स्थलों की खोज

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्वात से तक्षशिला तक फैले आठ नए प्राचीन स्थलों की खोज इस क्षेत्र में चल रहे उत्खनन और अन्वेषण कार्य के दौरान हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि प्राचीन स्थलों की इस खोज में बौद्ध धर्म और शाही हिंदूवादी राजवंश से जुड़े कई पुरातात्विक अवशेष भी मिले हैं। अन्वेषण में बुद्ध की कई मूर्तियां व एक विशाल स्तूप व स्वात के बारिकोट में करीब 1,200 वर्ष पुराने हिंदू मंदिर के अवशेष भी मिले हैं। इतालवी पुरातत्वविदों द्वारा खैबर पख्तूनख्वा पुरातत्व निदेशालय के सहयोग से की गई इन खोजों को पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण सफलता मान रहा है। इतालवी पुरातत्व मिशन के निदेशक डॉ. लुका ने कहा कि बारिकोट (प्राचीन बजीरा) में उत्खनन के दौरान छोटे मंदिर के अवशेष उस वक्त की हिंदू शैली व परंपरा की बेजोड़ गवाही पेश करते हैं। मंदिर के अवशेषों में स्वात के बारिकोट क्षेत्र की सतत सांस्कृतिक व सभ्यतागत विरासत के दुर्लभ प्रमाण मिलते हैं। ये खोजें पाषाण युग से लेकर सिकंदर, बौद्ध धर्म, हिंदू शाही राजवंश, यूनानी युग व इस्लामी काल तक फैली हुई हैं। स्वात के टोकरदरा में उत्खनन में बौद्ध काल के अहम अवशेष मिले हैं। इन खोजों में बुद्ध की मूर्तियां व विशाल स्तूप शामिल हैं।

उत्खनन क्षेत्र का अब स्वात नदी की तरफ विस्तार : इतालवी पुरातत्व मिशन के निदेशक डॉ. लुका ने कहा, हिंदू मंदिर और आसपास की पुरातात्विक परतों के चारों तरफ एक सुरक्षात्मक बफर जोन स्थापित करने के लिए उत्खनन क्षेत्र का अब स्वात नदी की ओर विस्तार किया गया है। खैबर पथ परियोजना नाम से जानी जाने वाली इस तीन वर्षीय पहल के तहत, 400 से अधिक स्थानीय श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

50 से ज्यादा पुरातात्विक स्थल : अब तक खैबर पख्तूनख्वा में 50 से अधिक पुरातात्विक स्थलों की खोज हुई है। ये हालिया खोजें गांधार सभ्यता की ऐतिहासिक भव्यता को बताते हैं। इनमें स्वात घाटी के समृद्ध सांस्कृतिक महत्व का वैभव दिखता है। ये स्थल धार्मिक पर्यटन व शैक्षणिक अनुसंधान, के लिए अमूल्य विरासत बन सकते हैं। इनसे पता चलता है कि इस्लामी संस्कृति के विकास से पहले हिंदू व बौद्ध सभ्यता कितनी भव्यता लिए हुए थी।

अमेरिका के केंटकी में कार्गो प्लेन क्रैश: 7 की मौत, डेढ़ लाख लीटर तेल फैला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के केंटकी राज्य में बुधवार को लुईविल में एक कार्गो प्लेन क्रैश हो गया है। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कम से कम 11 के घायल होने की खबर है। फेडरल एविएशन अथॉरिटी (एफएए) के मुताबिक, यूपीएस कंपनी की फ्लाइट 2976 ने मोहम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से होनोलुलु (हवाई) के डेनियल इनौये इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी।

एफएए ने बताया कि यह हादसा शाम करीब 5:15 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज में तेज आग और मलबा दिखाई दे रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक विमान में करीब 38,000 गैलन ईंधन (करीब डेढ़ लाख लीटर तेल) भरा हुआ था, जो धमाके के बाद आग की लपटों में बदल गया।

पुलिस ने एयरपोर्ट से 8 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों को घर के अंदर रहने का आदेश दिया है। साथ ही, एयरपोर्ट को फिलहाल बंद कर दिया है।

हादसे वाली जगह पर अभी भी आग लगी है : लुईविल पुलिस (एलएमपीडी) ने कहा कि हादसे वाली जगह पर अभी भी आग लगी हुई है और मलबा फैला है। शुरुआती जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि हो सकता है प्लेन में लिथियम बैटरियों से आग लगी हो, ठीक वैसे ही जैसे 2010 में यूपीएस फ्लाइट 6 के हादसे में हुआ था। यूपीएस कंपनी ने बताया कि विमान में तीन क्रू मेंबर थे।

दावा- प्लेन में 95 हजार लीटर फ्यूल भरा था : मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि विमान में करीब 25,000 गैलन (95 हजार लीटर) जेट फ्यूल भरा हुआ था, जिससे आग तेजी से फैल गई। यह विमान मैकडॉनेल डगलस एमडी-11 मॉडल था और यूपीएस वर्ल्डपोर्ट सुविधा के पास गिरते ही धमाके के साथ आग का गोला बन गया। यह मॉडल पहले 1990 में एक यात्री विमान के तौर पर लॉन्च हुआ था, लेकिन ईंधन की बढ़ती लागत की वजह से बाद में इसे कार्गो विमान में बदल दिया गया। यह विमान करीब 2.8 लाख किलो वजन लेकर उड़ान भर सकता है और इसमें 38,000 गैलन (लगभग 1.44 लाख लीटर) तक ईंधन भरा जा सकता है।

एयरपोर्ट पर 12 हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं : यह एयरपोर्ट यूपीएस कंपनी का मेन सेंटर है, जहां 12,000 से ज्यादा कर्मचारी रोजाना 20 लाख पार्सल संभालते हैं। यह सेंटर 50 लाख वर्ग फीट में फैला है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने मौके पर तुरंत पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया है। यूपीएस एयरलाइंस ने कहा कि केंटकी विमान के बारे में नई जानकारी मिलने पर अपडेट शेयर किया जाएगा। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दोनों मिलकर इस हादसे की जांच कर रहे हैं। यह एयरपोर्ट यूपीएस वर्ल्डपोर्ट के नाम से जाना जाता है, जो कंपनी का सबसे बड़ा सेंटर है।

शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध

कहते हैं कि गाय-भैंस या बकरी का दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, लेकिन क्या कभी आपने ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना है अगर नहीं, तो आइए हम आपको ऊंटनी का दूध पीने के फायदे बताते हैं।

दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जी हां ऊंटनी का दूध न सिर्फ आपको सेहतमंद बनाता है, बल्कि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो दवा के रूप में काम करता है। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इसका एक उदाहरण है- राजस्थान के टोंक गांव में रहने वाले हनुमान बलि। जिसने अपनी बीमारी में कई सालों दवा पर लांखों रुपए खर्च किए, लेकिन किसी दोस्त की सलाह पर उसने ऊंटनी का दूध पीना शुरू किया और उसकी बीमारी 1 महीने में ही आसानी से कटने लगी।

ऊंटनी के दूध में ऐसे शक्तिशाली गुण होते हैं, जो आपकी कई जटिल बीमारियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ऊंटनी के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्राकृतिक शुगर, फाइबर, लैक्टिक अम्ल, आयरन, मैग्निशियम, अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल और कई विटामिन्स पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करते हैं। आइए हम आपको यहां ऊंटनी का दूध पीने के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

यदि आप कम से कम 1 या 2 महीने भी नियमित रूप से ऊंटनी का दूध पीते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार है। ऊंटनी के दूध में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और आपको एर्नेजेटिक रखने में सहायक है। ऊंटनी के एक लीटर दूध में कम से कम 52 से 55 यूनिट इंसुलिन की मात्रा होती है, जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं पाई जाती। इसलिए कई वर्षों से इसका इस्तेमाल डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

एलर्जी में फायदेमंद

यदि आपको या आपके बच्चे को फूड एलर्जी या कोई अन्य तरह की एलर्जी है, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। ऊंटनी का दूध एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इसमें एलर्जी के साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन की उपस्थिति एलर्जी और उनके लक्षणों को कम करने में मददगार है।

वजन घटाना है तो पीएं ऊंटनी का दूध

आजकल तमाम लोग वजन घटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। यह आपकी वेअ लॉस जर्नी का बेस्ट फ्रेंड बन सकता है, क्योंकि ऊंटनी का दूध प्रोटीन से भरपूर होने के साथ वसा में कम होता है, जिसका मतलब है कि यह आपको एक्सट्रा वेट को कम करने में और बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है।

ऑटिज्म का रामबाण इलाज

ऊंटनी का दूध ऑटिज्म का रामबाण इलाज है। जी हां ऊंटनी का दूध पीने से ऑटिस्टिक लक्षणों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। ऊंटनी के दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ऑटिज्म को खत्म करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में भी इस बात का जिक्र है कि ऊंटनी का दूध मंद बुद्धि बच्चों के लिए अमृत के समान है और यह ऑटिज्म के लक्षणों में सुधार कर सकता है।

मजबूत हड्डियों का सीक्रेट

ऊंटनी का दूध आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को राहत दिला सकता है।

त्वचा के लिए बेहतर

ऊंटनी का दूध आपके खून को साफ करने, लिवर को स्वस्थ रखने और पाचन को बढ़ावा देने के साथ आपकी त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। ऊंटनी के दूध में अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल होता है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ त्वचा पर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकता है।

क्यों तेजी से लोग हो रहे कैंसर के शिकार? एक साल में तीन गुना बढ़े केस

देशभर में सामान्य कैंसर समेत ओरल, सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2019 द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एनसीडी क्लीनिक्स ने 2017 से लेकर 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। ये रिपोर्ट बताती है कि इस एक साल के अंतराल में कैंसर के मामले 324प्रतिशत यानी तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो पिछले साल एनसीडी क्लीनिक्स में 6।5 करोड़ लोगों ने कैंसर की जांच करवाई थी, जिसमें 1।6 लाख लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया था। यानी लोगों में सामान्य कैंसर के अलावा भी दूसरे प्रकार के कैंसर तेजी से फैल रहे हैं।

जबकि साल 2017 में कैंसर के कुल 39,635 मामले ही देखने को मिले थे। 2017 से लेकर 2018 के बीच एनसीडी क्लीनिक्स में आए कैंसर पीड़ितों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पहले वर्ष जहां कैंसर के कुल 3।5 करोड़ मामले देखने को मिले थे, वहीं अगले वर्ष वो बढ़कर 6।6 करोड़ हो चुके थे। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों के बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खान-पान की आदतें, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन इसकी बड़ी वजह रहा है।

कैंसर के सबसे ज्यादा मामले गुजरात से सामने आए हैं। साल 2017 में गुजरात में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वहीं, 2018 में ये संख्या बढ़कर 72,169 हो गई। यानी गुजरात में कॉमन कैंसर के नए मामले 68,230 बढ़े हैं। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा है।

रेसिपी

मेथी चमन

सामग्री

- मेथी पत्ता: 1 कप ■ पालक : 1 कप
- कटा हुआ पनीर: 150 ग्राम ■ हरी मिर्च: 2
- बारीक क टा प्याज: 1 ■ जीरा: 1 चम्मच
- सरसों तेल: 3 चम्मच ■ हल्दी पाउडर : 1/4 चम्मच ■ धनिया पाउडर : 1 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर : 1/2 चम्मच

विधि

एक पैन में पानी उबालें। उसमें थोड़ा-सा नमक डालें। गैस ऑफ करें। पालक एवं मेथी को अच्छी तरह से साफ करके धो लें। उबले हुए पानी में पालक व मेथी डालें। पैन को पांच मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। पालक व मेथी को पानी से निकालें और तुरंत ठंडे पानी से धो लें। आधा कप गर्म पानी बाद में इस्तेमाल के लिए बचाकर रख लें। ब्लेंडर में दोनों साग व हरी मिर्च डालें व पेस्ट तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा एवं प्याज डालें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर तीन से चार मिनट तक भूनें। अब साग वाली प्यूरी और नमक को कड़ाही में डालकर मिलाएं। मध्यम आंच पर चार से पांच मिनट तक पकाएं। बचा हुआ गर्म पानी कड़ाही में डालकर मिलाएं। दो-चार मिनट और पकाएं। पनीर के टुकड़े और गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं। कड़ाही को ढककर तीन-चार मिनट तक सब्जी को और पकाएं। गैस ऑफ करें। रोटी या परांठे के साथ सर्व करें।

पालक कढ़ी

सामग्री

- पालक : 1/2 किलो
- दही: 1 कटोरी
- बेसन: 4 चम्मच
- मेथी दाना: 8 चम्मच
- हींग चुटकी भर
- सौंफ : 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च: 4
- नमक : स्वाद के अनुसार
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच

विधि

पालक को साफ करके धो लें और बारीक काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें हींग, मेथी, लाल मिर्च, सौंफ और हल्दी डालें। एक दो मिनट बाद कड़ाही में पालक डालें और मध्यम आंच पर भून लें। इस बीच एक बर्तन में दही, बेसन और पानी डालकर अच्छी तरह से फेंटें। जब पालक का पानी सूख जाए तो बेसन वाला यह मिश्रण कड़ाही में डालें और लगातार चलाते हुए मध्यम आंच पर कढ़ी को पकाएं। नमक डालकर मिलाएं। जब कढ़ी गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद करें। चावल के साथ गर्मागर्म पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2639

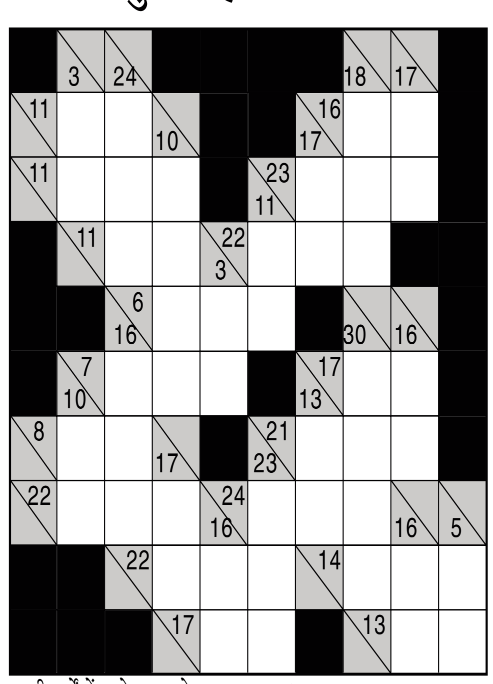

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

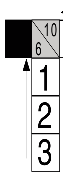

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2638 का हल

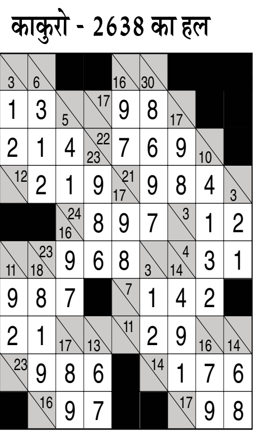

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला,उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली,'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला,'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2639

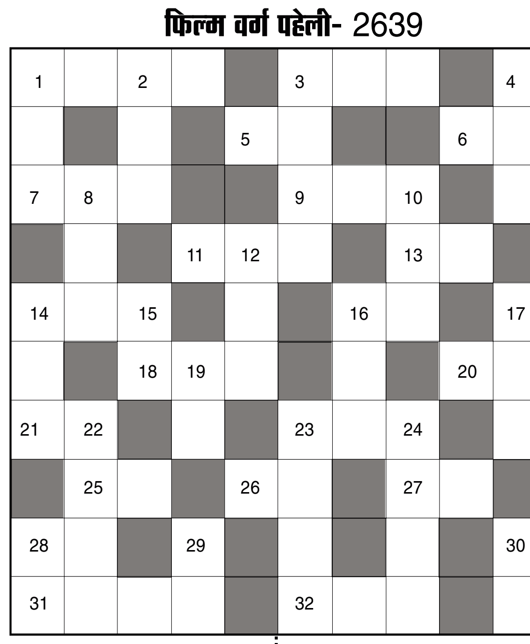

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2638

सुडोकू

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 2639

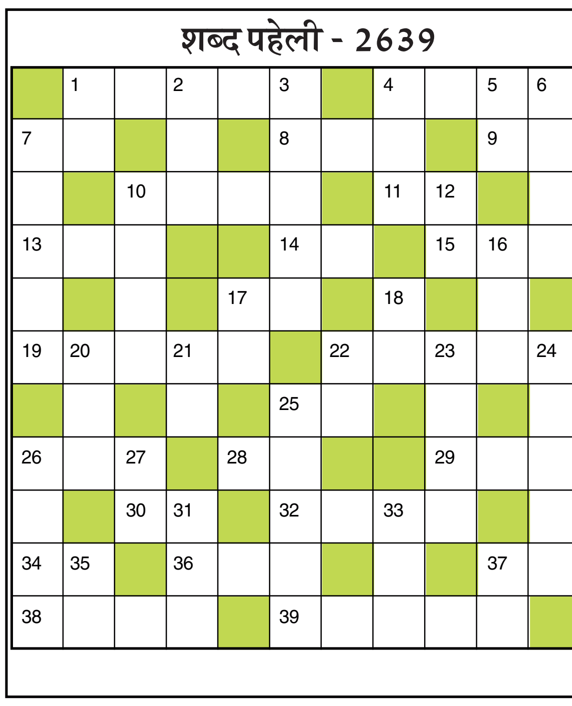

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -2638 का हल

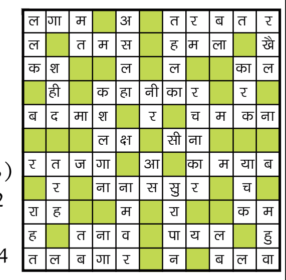

जेपी नड्डा का राहुल गांधी पर तीखा प्रहार, कहा- बिहार चुनाव से पहले मानी हार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अभी से मान लिया है कि बिहार चुनाव में कांग्रेस की लुटिया डूबने वाली है। चुनाव बिहार में हो रहे हैं और राहुल गांधी दिल्ली में फर्जी प्रेस कांफ्रेंस कर हरियाणा की बातें कर रहे हैं।एक वीडियो संदेश जारी कर जेपी नड्डा ने कहा कि एक ओर राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस में आकर वोट चोरी का रोना रोते हैं और दूसरी ओर एसआईआर का विरोध करते हैं। राहुल गांधी को खुद भी नहीं पता कि आखिर वे चाहते क्या हैं? राहुल गांधी द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव में '25 लाख फर्जी मतदाता' होने का आरोप लगाते हुए की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ घंटे बाद जारी वीडियो बयान में नड्डा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम को क्लीन चिट दी है और चुनाव आयोग ने भी कई बार राहुल गांधी को सबूत देने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि अगर उनके पास सबूत हैं तो अदालत क्यों नहीं जाते? उनकी एकमात्र मंशा देश को बदनाम करना और युवाओं को भड़काना है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव जमीन पर मेहनत और जनता का विश्वास जीतकर जीते जाते हैं, 'ड्रामा और फोटोशूट' से नहीं। उन्होंने राहुल गांधी पर 'घुसपैठियों की रक्षा' और 'विदेशी प्रेरित भ्रामक सूचनाएं फैलाने' का भी आरोप लगाया।

मप्र के डिंडौरी में चलते ट्राला में घुसी बाइक, पति-पत्नी सहित चार की मौत

डिंडौरी/भोपाल। मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले में जबलपुर-अमरकंटक मुख्य मार्ग में ग्राम कोहानी देवरी के पास दोपहर एक ट्राला में पीछे से तेज रफ्तार बाइक घुस गई। इस हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी सहित चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 12 वर्षीय बच्ची और एक अन्य महिला शामिल है। हादसे के बाद ट्राला चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, हादसा बुधवार दोपहर करीब 3.30 बजे शहपुरा थाना क्षेत्र के कोहानी देवरी के पास जबलपुर-अमरकंटक राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। ट्रॉला क्रमांक एमपी- 04 जीबी 2944 शहपुरा से जबलपुर की ओर जा रहा था। इसी दौर तेज रफ्तार बाइक पीछे से आई और ट्राले में जा घुसी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पति पत्नी सहित एक महिला ने मौके पर ही दम तोड दिया, जबकि एक गंभीर रूप से घायल बालिका को उपचारके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शहपुरा लाया गया, जहां डॉक्टर द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। थाना प्रभारी अनुराग जामदार ने बताया कि मृतकों की पहचान नान सिंह (28) पुत्र बलदेव सिंह परस्ते, उनकी पत्नी सरोज (22) निवासी ग्राम धनौली चौकी बिछिया जिला डिंडौरी, चंपा बाई (19) पुत्री जेठू सिंह वरकड़े, निवासी ग्राम शाहदरा थाना कुंडम जिला जबलपुर और प्रिया परस्ते (12) पुत्र अनूप परस्ते के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रॉले का ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर वायु सेना की टीम का रोमांचक एयर शो, आसमान में गूंजा 'जय जोहार'

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर नवा रायपुर के सेंध जलाशय के ऊपर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित एरोबेटिक सूर्यकिरण की टीम ने रोमांचक एयर शो का प्रदर्शन किया। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ हजारों लोगों ने अद्भुत और रोमांचक एयर शो का आनंद लिया। सेंध जलाशय के ऊपर वायु सेना के फाइटर प्लेन्स ने एक के बाद एक कई हवाई करतब दिखाए। आसमान में पंछियों के झुंड की तरह बिल्कुल क्रम से उड़ने वाले फाइटर प्लेन्स के माध्यम से वायु सेना के जाबांजों ने अपने नियंत्रण और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन किया। विमानों के माध्यम से जब आकाश में तिरंगा लहराया तो सेंध जलाशय भारत माता की जय के नारे से गूंज उठा। एयर शो के दौरान सूर्यकिरण टीम के लीडर ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी ने आसमान से छत्तीसगढ़वासियों को रजत महोत्सव की बधाई दी। वहीं छत्तीसगढ़ निवासी भारतीय वायु सेना के स्क्वाड्रन लीडर गौरव पटेल ने सेंध जलाशय के ऊपर अपने कॉकपिट से 'जय जोहार' और 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहकर दर्शकों का अभिवादन किया।

अमृतसर और दिल्ली से दो नाबालिग लापता लड़कियों को खोजकर परिवार से मिलवाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने दो अलग-अलग मामलों में लापता नाबालिग लड़कियों को सफलतापूर्वक बरामद कर उनके परिजनों से मिलाया है। एक बच्ची को अमृतसर (पंजाब) से और दूसरी को दिल्ली के नजफगढ़ इलाके से सुरक्षित बरामद किया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने तकनीकी निगरानी और सतत प्रयासों से सफलता हासिल की। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार के अनुसार पहला मामला चाणक्यपुरी थाना क्षेत्र से 15 वर्षीय लड़की के लापता होने की रिपोर्ट 3 नवंबर को दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच की एएचटीयू यूनिट ने जांच अपने हाथों में ली। टीम को सुराग मिलने पर पुलिस अमृतसर (पंजाब) पहुंची और अमरकोट क्षेत्र में किराये के मकान से लड़की को बरामद किया। जांच में पता चला कि लड़की उसी इमारत में रहने वाले एक युवक के संपर्क में आई थी और उसके बहकावे में आकर घर से बिना बताए उसके साथ अमृतसर चली गई थी। पुलिस ने लड़की को सुरक्षित बरामद कर परिवार को सौंप दिया।

उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने छत्तीसगढ़ के 34 अलंकरण से 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को किया सम्मानित

एजेंसी

रायपुर। रायपुर उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के राज्य अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के 34 अलंकरण से विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अलंकरण समारोह के अति विशिष्ट अतिथि तथा विशिष्टि अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण उपस्थित रहे। राज्य अलंकरण समारोह में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन एवं मुख्यमंत्री साय ने शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार हिरेश सिन्हा जिला कांकेर को प्रदान किया। यति यतनलाल सम्मान भारतीय कुष्ठ निवारक संघ, कात्रे

नगर सोठी जिला जांजगीर-चांपा, गुण्डाधूर सम्मान ज्ञानेश्वरी यादव राजनांदगांव, मिनीमाता सम्मान ललेश्वरी साहू दुर्ग, गुरूघासीदास सम्मान संयुक्त रूप से भुवनदास जांगड़े बेमेतरा एवं शशि गायकवाड़ बलौदाबाजार-भाटापारा, ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति डोमा जिला धमतरी, हबीब तनवीर सम्मान डॉ कुंज बिहारी शर्मा जिला रायपुर, महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान चांदनी साहू जिला बिलासपुर को प्रदान किया गया। इसी प्रकार पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान राजेश अग्रवाल जिला रायपुर, पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान डॉ. चिंतरंजन कर जिला रायपुर, चक्रधर सम्मान पंडित कीर्ति माधव लाल व्यास जिला दुर्ग, दाऊ मंदराजी सम्मान रिखी क्षत्रिय जिला दुर्ग, डॉ खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार संयुक्त रूप से थनेन्द्र कुमार साहू जिला धमतरी एवं वामन कुमार टिकरिहा जिला बलौदाबाजार, महाराजा अग्रसेन सम्मान राजेन्द्र अग्रवाल राजू जिला बिलासपुर, चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया हिन्दी डॉ संदीप कुमार तिवारी रायपुर एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हिन्दी का पुरस्कार संयुक्त रूप से डॉ सोमेश कुमार पटेल एवं अभिषेक शुक्ला रायपुर, मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया अंग्रेजी भावना पाण्डेय जिला दुर्ग, दानवीर भामाशाह सम्मान नीरज कुमार बाजपेयी जिला राजनांदगांव, धन्वन्तरि सम्मान डॉ अजय कृष्ण कुलश्रेष्ठ, बिलासादेवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार सुखदेव दास जिला रायपुर को प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर, बड़ी मात्रा में हथियार बरामद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर के अनाराम और मर्रीमल्ल के जंगल में नक्सलियों की मद्देड एरिया कमेटी से सुरक्षाबलों के जवानों की मुठभेड़ हो रही है। अब तक तीन नक्सलियों के शव और बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ स्थल से जवानों ने बड़ी तादाद में हथियार बरामद किए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। जवानों ने जंगल में नक्सलियों को घेर लिया है और दोनों ओर से फायरिंग लगातार हो रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि माओवादी गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रभावी अभियानों के अंतर्गत, सुरक्षाबल लगातार ज़िले में सघन कार्रवाई कर रहे हैं। इसी क्रम में भी सुरक्षाबलों की कई टुकड़ियां क्षेत्र में सक्रिय अभियान पर हैं। ऑपरेशन जारी है। देर रात तक विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

युवा मतदाताओं को चुनाव आयोग कर रहा प्रेरित,पहली बार मतदान करने वालों को प्रशस्ति पत्र

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में 121 सीटों पर गुरुवार सुबह 7 बजे से मतदान जारी है जो शाम 6 बजे तक चला। सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सुबह सुबह अपने बूथ पर पहुंच रहे हैं और मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। इस बार के मतदान को चुनाव आयोग ने युवाओं के लिए खास बना दिया है। मतदान केंद्रों पर उन युवा मतदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने पहली बार मतदान किया है। मतदान केंद्रों पर पहली बार वोट डालने वाले युवाओं में उत्साह नजर आ रहा है।

चुनाव आयोग की इस पहल का उद्देश्य युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाना है। मतदान केंद्रों पर जैसे ही कोई नया मतदाता वोट डालता है, उसे मौके पर ही प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से युवाओं में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति रुचि और गर्व की भावना बढ़ेगी। साथ ही, इससे अधिक से अधिक युवा आने वाले चुनावों में मतदान के लिए प्रेरित होंगे। 112 महाराजगंज के बूथ संख्या 108

पर भी इस अभियान को चलाया गया। सीवान जिले के महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र में युवा मतदाता की क्षेणी में पहली बार मतदान करने वाली तन्या कुमारी को भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए इस भागीदारी और सराहनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया, जिसके बाद उन्होंने युवाओं से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में अपने अपने मतदान केंद्र पर पहुंचें और मत का प्रयोग करें। कई मतदाताओं ने कहा कि सम्मानित होने से उन्हें गर्व महसूस हो रहा है और वे आगे भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित हुए हैं। राज्यभर में चल रही यह पहल बिहार में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत की जा रही है, जिसका मकसद अधिक से अधिक लोगों को लोकतंत्र के इस पर्व में शामिल करना है।

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में डीयू ने की 10.7 फिसदी की उल्लेखनीय वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली,। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग : एशिया-2026 में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि इस रैंकिंग में डीयू ने पिछले वर्ष के 61.9 अंकों के मुक़ाबले इस बार 68.5 अंक प्राप्त किए हैं, जो 10.7 फिसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है। उन्होंने डीयू परिवार के सभी सदस्यों और देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे शिक्षकों, विद्यार्थियों और डीयू परिवार के सभी सदस्यों की समूहिक और लगन से की गई मेहनत का परिणाम है।

प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय अब एशियाई विश्वविद्यालयों के शीर्ष 6.2 फिसदी में शुमार है, जो इस क्षेत्र के सभी संस्थानों के 93.8 फिसदी से आगे है, यह पिछले वर्ष के 91.8 प्रतिशत से अधिक है। कुलपति ने बताया कि रैंकिंग में शामिल प्रतिभागी संस्थानों की संख्या में तीव्र वृद्धि के बावजूद दिल्ली विश्वविद्यालय एशिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में प्रमुखता से बना हुआ है। जिन प्रमुख संकेतकों में डीयू ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है उनके बारे में जानकारी देते हुए कुलपति ने बताया कि इस रैंकिंग

में अकादमिक रेप्युटेशन बढ़कर 91.1 हो गई, इंप्लायमेंट रेप्युटेशन 86.1 हो गई, पीएचडी धारक स्टाफ 94.7 हो गया है और प्रति संकाय शोधपत्र 87.7 हो गए हैं। डीयू का इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क स्कोर भी बढ़कर 99.4 हो गया, जो डीयू के बढ़ते वैश्विक सहयोग और उच्च रिसर्च आउटपुट को दर्शाता है। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि क्यूएस एशिया रैंकिंग 2026 में यह मजबूत प्रदर्शन अकादमिक उत्कृष्टता, प्रभावशाली शोध और वैश्विक जुड़ाव के प्रति विश्वविद्यालय की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई) ढांचे के तहत की गई प्रगति और दिल्ली विश्वविद्यालय को दुनिया के अग्रणी विश्वविद्यालयों में स्थान दिलाने के हमारे दृष्टिकोण को प्रमाणित करता है। उन्होंने कहा कि ये परिणाम एशिया में उच्च शिक्षा के एक प्रमुख संस्थान के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थिति की पुष्टि करते हैं, जोकि अपनी अकादमिक गहनता, शोध गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय प्रासंगिकता के लिए जाना जाता है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभियान की रफ्तार तेज, दो दिन में 1.10 करोड़ फॉर्म वितरित

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान ने पहले दो दिनों में ही जोर पकड़ लिया । रात 10 बजे तक कुल 1.10 करोड़ से अधिक एन्यूमरेशन फॉर्म मतदाताओं तक पहुंचाए जा चुके हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पहले दिन चार नवंबर को करीब 18 लाख फॉर्म वितरित हुए थे, जबकि दूसरे दिन 05 नवंबर की शाम चार बजे तक यह संख्या बढ़कर 66 लाख हो गई थी। देर रात तक जारी वितरण अभियान ने दोनों दिनों का संयुक्त आंकड़ा 1.10 करोड़ पार गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बताया कि हाउस-टू-हाउस विजिट के दौरान बूथ लेवल अधिकारी और बूथ लेवल एजेंट निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप सक्रिय हैं और अभियान सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। रात 8:00 तक यह

संख्या एक करोड़ 10 लाख पर पहुंची है। आयोग ने मतदान योग्य व्यक्तियों तक फॉर्म पहुंचाने तथा समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य में कुल 80 हजार 681 बूथ लेवल अधिकारी तैनात हैं, जबकि राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों की संख्या 70 हजार से अधिक बताई गई है। जिला निर्वाचन अधिकारियों ने सभी दलों से प्रति बूथ अधिकतम एक एजेंट नियुक्त करने का आह्वान दोहराया है, ताकि सत्यापन कार्य में व्यवधान न हो। वर्तमान में राज्य में कुल सात करोड़ 66 लाख 37 हजार 529 पंजीकृत मतदाता हैं और यह अभियान सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में जारी है। वर्ष 2002 के अंतिम व्यापक पुनरीक्षण में शामिल मतदाताओं से केवल आवश्यक विवरण भरकर फॉर्म जमा करने का अनुरोध किया गया है। इसी सिलसिले में चुनाव आयोग की तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम आठ नवम्बर तक कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों का दौरा कर अभियान की प्रगति की समीक्षा करेगी। टीम के साथ राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल भी मौजूद हैं।

वर्ल्ड ट्रेवल मार्ट लंदन में मध्य प्रदेश ने अतुल्य भारत का हृदय के रूप में दी दस्तक

एजेंसी

भोपाल। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी के नेतृत्व में 'अतुल्य भारत का हृदय' मध्य प्रदेश ने दुनिया के प्रभावशाली यात्रा और पर्यटन आयोजन, वर्ल्ड ट्रैवल मार्ट लंदन 2025 में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई है। मध्य प्रदेश पैवेलियन का उद्घाटन यूनाइटेड किंगडम में भारत के उप उच्चायुक्त कार्तिक पांडे ने किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. इलैयाराजा टी और ट्रैवल और टूर ऑपरेटर मौजूद थे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री लोधी ने जानकारी देते हुए बताया कि डब्ल्यूटीएम वैश्विक पर्यटन उद्योग के पेशेवरों के लिए एक प्रमुख बी2बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) मंच है, जहाँ 180 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, टूर ऑपरेटर और नीति निर्माता पर्यटन के भविष्य को आकार देने के लिए जुटते हैं। यह यूनाइटेड किंगडम में लंदन में 4 नवंबर से 6 नवंबर तक एक्सेल लन्दन में आयोजित हो रहा है।मंत्री लोधी ने कहा कि वर्ल्ड ट्रेवल मार्ट के पहले दिन मध्य प्रदेश पैवेलियन में जबरदस्त उत्साह देखा गया। राज्य का प्रतिनिधिमंडल, यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र के हितधारकों के साथ मिलकर, राज्य की समृद्ध विरासत, वन्य जीवन, आध्यात्मिकता और जीवंत संस्कृति का प्रदर्शन कर रहा है। दुनिया भर से आए ट्रैवल ट्रेड पार्टनर्स, टूर ऑपरेटर्स और मीडिया प्रतिनिधियों ने पैवेलियन का दौरा किया। यह दिन मध्य प्रदेश प्रतिनिधिमंडल और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच इंटरैक्टिव चर्चाओं और भविष्य के सहयोग की संभावनाओं से भरा रहा।

गिरिराज सिंह ने मतदान के बाद कहा- बुर्का पहने हर व्यक्ति की जांच हो

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर किस्मत आजमा रहे उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद हो जाएगी। लखीसराय विस क्षेत्र के बड़हिया स्थित मतदान केंद्र संख्या 168 मध्य विद्यालय नंबर 2 पूर्वी भाग पर केंद्रीयमंत्री गिरिराज सिंह ने मतदान करने के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि यदि भारत में मंदिर नहीं बनेगा, तो पाकिस्तान में बनाए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने लालू यादव, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा है कि बुर्का पहने हर व्यक्ति की जांच हो।

बिहार सरकार में मंत्री और दरभंगा विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार संजय सरावगी ने वोट डालने के बाद कहा कि जिन्हें सत्ता में आना नहीं है वे (राजद) ऐसे झूठे वादे करेंगे... जनता ऐसी बातों को समझती है और आम जनता प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजग के साथ है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री और लखीसराय विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद कहा कि यह लोकतंत्र का

महापर्व है और लोक आस्था के महापर्व छठ के बाद बिहार में सभी को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का अवसर मिला है। जिस तरह हम छठ पूजा को सामाजिक सौहार्द्र के साथ मनाते हैं, उसी तरह सभी को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होना चाहिए। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि बिहार का गौरव बढ़ाएं, यह समय बिहार को बदनाम करने वालों से मुक्त करने का है। बिहार के मंत्री और बांकीपुर से भाजपा उम्मीदवार नितिन नवीन पटना के दीघा स्थित मिलर हाई स्कूल, बूथ संख्या 394 और 396 स्थित मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। मोकामा विधानसभा क्षेत्र से राजद उम्मीदवार वीणा देवी और पूर्व सांसद सूरजभान सिंह ने मतदान करने से पहले पूजा की। पूर्व सांसद सूरजभान सिंह ने कहा कि हमने भगवान से आशीर्वाद लिया है, आज बहुत बड़ा त्योहार है, मैं बिहार के सभी लोगों से अपील करूंगा कि आज भाईचारा दिखाएं, पहले मतदान फिर जलपान।

रुदावल में गन्ने के खेत में लगी आग, दो बीघा फसल जलकर राख

बयाना। रुदावल थाना क्षेत्र खेड़ा ठाकुर गांव के पास गन्ने के खेत में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज़ थी कि देखते ही देखते करीब दो बीघा खेत में खड़ी फसल जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार, खेत के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। तेज़ हवा के कारण आग ने कुछ ही समय में पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही रूपवास से दमकल वाहन मौके पर पहुंचा, और ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस हादसे में किसान भूपेंद्र कुशवाह, निवासी खेड़ा ठाकुर , का लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की है कि खेतों के ऊपर से गुजर रही तारों की लाइन को सुरक्षित किया जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

अमित शाह बोले-साइंटिफिक डाटा बताता है, बिहार के युवाओं का आईक्यू दुनिया में सबसे ज्यादा

एजेंसी

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के युवाओं की बुद्धिमत्ता की तारीफ करते हुए बड़ा बयान दिया है। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि साइंटिफिक डाटा के आधार पर मैं कह सकता हूं कि बिहार के युवा का आईक्यू करीब-करीब दुनिया में सबसे ज्यादा है। शाह ने कहा कि बिहार ने हमेशा देश को नेतृत्व देने वाले लोग दिए हैं। चाहे राजनीति हो, प्रशासन हो या शिक्षा का क्षेत्र। उन्होंने कहा कि अगर देश के किसी राज्य ने सबसे ज्यादा आईएएस, आईपीएस और डॉक्टर-इंजीनियर पैदा किए हैं तो वह बिहार है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि बिहार के युवाओं में संघर्ष की क्षमता और सीखने की भूख दोनों असाधारण हैं। उन्होंने इसे बिहार की मिट्टी और पारिवारिक संस्कार से जुड़ा बताया। गृह मंत्री शाह ने कहा कि यहां का हर बच्चा हालात से लड़ना जानता है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। राजनीतिक हलकों में शाह का यह बयान चर्चा का विषय बन गया है। एनडीए खेमे के नेता इसे बिहार के सम्मान से जोड़ रहे हैं। जबकि विपक्षी दल इसे

चुनावी मौसम में युवाओं को लुभाने की कोशिश बता रहे हैं। जदयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अमित शाह ने जो कहा, वह सच है। बिहार के युवाओं की मेधा किसी से कम नहीं। वहीं, राजदी के प्रवक्ता ने तंज करते हुए कहा कि अगर भाजपा को बिहार के युवाओं की इतनी परवाह है तो रोजगार देने की दिशा में ठोस कदम उठाए। बिहार के युवा कमलेश, मिथलेश, अजीत, नीरज,अतुल्य जैसे अन्य युवाओं ने शाह के बयान को गर्व से लिया है। सोशल मीडिया पर कई युवाओं ने लिखा कि अमित शाह ने जो कहा, वह हर बिहारी के दिल की बात है। हमें बस मौका चाहिए, बिहार के युवा देश ही नहीं, दुनिया बदल सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शाह का यह बयान बिहार की बौद्धिक विरासत को पहचान देने वाला है। समाजशास्त्री रंगनाथ तिवारी का मानना है कि यह बात सही है कि बिहार का सामाजिक ढांचा बच्चों को जल्दी परिपक्व बना देता है। कठिनाइयों में जीकर सीखने की प्रवृत्ति उन्हें मानसिक रूप से मजबूत और विश्लेषणात्मक बनाती है। अमित शाह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब बिहार में चुनावी माहौल गर्म है और युवा वोटरों की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ पत्रकार लव कुमार मिश्र मानते हैं कि यह टिप्पणी न केवल प्रशंसा है, बल्कि युवाओं को संदेश देने की रणनीति भी हो सकती है कि देश की राजनीति में उनका योगदान सबसे अहम है। अमित शाह का यह बयान बिहार के आत्मगौरव को बढ़ाने वाला है। चाहे इसे चुनावी बयान कहा जाए या सच्चाई की स्वीकृति। बात यही है कि बिहार के युवाओं की बुद्धिमत्ता और संघर्षशीलता पर अब राष्ट्रीय मुहर लग गई है।

शरीर के साथ मन, मस्तिष्क और आत्मा को भी संतुलित रखते हैं खेलः शिवराज सिंह

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। खेल केवल शरीर को स्वस्थ नहीं बनाते बल्कि मन, मस्तिष्क और आत्मा को भी संतुलित रखते हैं। जब कोई युवा खेल मैदान में पसीना बहाता है, तो वह केवल अपनी जीत के लिए नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व के निर्माण के लिए संघर्ष करता है। खेलों से व्यक्ति में अनुशासन, संयम, परिश्रम और टीम भावना जैसे गुणों का विकास होता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का आधार बनते हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के ग्राम धामंदा में सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित खेल प्रतियोगिता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने शहीद नायक जितेंद्र कुमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और पुष्पांजलि अर्पित की। खेल प्रतियोगिता में प्रदेश के राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा भी शामिल हुए। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को नयी दिशा दे रहा है। देशभर में खेलों की नई संस्कृति विकसित हो रही है, जिसमें गांवों से लेकर शहरों तक हर प्रतिभा को आगे आने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हर गांव से खिलाड़ी निकले, हर बच्चा खेलों से जुड़े और भारत खेल के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़े।

खेल युवाओं को अनुशासन, एकता और परिश्रम की राह दिखाते हैंः मंत्री वर्मा

इस अवसर पर राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि खेल जीवन का सबसे सुंदर अध्याय हैं। खेल हमें सिखाते हैं कि जीत और हार दोनों को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। खेलों से न केवल शरीर मजबूत होता है बल्कि मन भी दृढ़ होता है। एक खिलाड़ी कभी निराश नहीं होता, वह हर हार से सीखता है और अगली बार और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लेता है। यही भावना समाज और राष्ट्र निर्माण की असली शक्ति है। खेल युवाओं को अनुशासन, एकता और परिश्रम की राह दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा अगर मैदान में समय देगा तो कल वह किसी न किसी क्षेत्र में अवश्य चमकेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं में असीम ऊर्जा और प्रतिभा है, जरूरत केवल अवसर और दिशा की है। सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन इसी दिशा में एक बड़ी पहल हैं।

भारतीय टीम ने चौथे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया

-सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की

-प्लेयर ऑफ द मैच : अक्षर पटेल

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने चौथे टी20 मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल की है। इस मैच में भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 168 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए मेजबान टीम 18.2 ओवर में 119 रन ही बना पायी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल मार्श ने सबसे अधिक 30 रन बनाए जबकि मैथ्यू शॉर्ट 25 रन बनाकर आउट हुए। मार्कस स्टोइनिस ने 17 रन जबकि टिम डेविड ने 14 रन बनाये। भारतीय टीम की कोर से वॉशिंगटन सुंदर ने 3 विकेट लिए जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने 2-2 विकेट लिए। वहीं अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को एक एक विकेट मिला। इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। वहीं अंतिम मैच 8 नवंबर को गाबा मैदान में खेला जाएगा। अब देखना है कि भारतीय टीम उसे जीतकर सीरीज अपने नाम कर पाती है या नहीं। बहरहाल सीरीज हारने का खतरा अब समाप्त हो गया है।

इससे पहले शुभमन गिल के 46 रनों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 167 रन बनाए। इस मैच में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज। अभिषेक शर्मा और शुभमन ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन बनाये। अभिषेक 28 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शुभमन ने स्कोर आगे बढ़ाया। शुभमन ने अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो छक्के लगाकर 20 रन बनाये। वहीं शिवम दुबे ने 18 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की सहायता से 22 रन बनाए। वहीं अंत में अक्षर पटेल ने तेजी से खेलते हुए 11 गेंदों में एक छक्का और एक चौका लकाकर 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस और एडम ज़म्पा ने तीन-तीन विकेट लिए। इस मैच में मेजबान टीम ने चार बदलाव करते हुए स्पिनर जम्पा, ऑलराउंडर मैक्सवेल, फिलिप और ड्वार्शियस को शामिल किया। वहीं भारतीय टीम ने कोई बदलाव नहीं किया।

ईडी ने रैना और शिखर की 11.14 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों के कारण पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त कर ली हैं। इनमें रैना के 6.64 करोड़ के म्यूचुअल फंड निवेश और धवन की 4.5 करोड़ की अचल संपत्ति शामिल हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून (पीएलएलए) 2002 के तहत की गई है।

ये मामला कई राज्यों की पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के बाद उठा था। जिनमें एक अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म और उसके सहयोगी ब्रांड्स के खिलाफ धोखाधड़ी, अवैध लेनदेन और ऑनलाइन जुए को बढ़ावा देने के आरोप थे। इन एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जब जांच शुरू की तो शुरुआती जांच में ही करोड़ों रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन और विदेशी खातों से जुड़े दस्तावेज मिले.

ईडी की जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म बिना किसी वैध अनुमति के ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का कारोबार कर रहे थे। यह प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो और समाचार पोर्टलों पर सोरोगेट विज्ञापन दिखाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते थे। रकम एकत्र करने के लिए हजारों म्यूल अकाउंट्स बनाए गए, जिनमें देशभर के लोगों के नाम पर पैसे जमा किए जाते थे। इन खातों के जरिये रकम विभिन्न पेमेंट गेटवे के माध्यम से विदेशी खातों तक पहुंचाई जाती थी जिससे पैसा कहां से आया ये छुपाया जा सके। ईडी की जांच में पता चला कि दोनों खिलाड़ियों ने विदेशी कंपनियों के साथ करार किये थे। जो सीधे या परोक्ष रूप से अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म और उसकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े थे। इन डील्स के बदले खिलाड़ियों को जो भुगतान किया गया, वह विदेश से किया गया जिससे कि ये लगे कि उन्हें प्रमोशन के लिए रकम मिली है पर ईडी के अनुसार ये रकम दरअसल अवैध सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे से जुड़ी थी। इससे यह साबित हुआ कि खिलाड़ियों ने ऐसे प्रमोशन में भाग लिया जो मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में आते हैं.

इसी को देखते हुए ईडी ने चार पेमेंट गेटवे पर छापे मारकर 4 करोड़ रुपये से अधिक की राशि फ्रीज की है और 60 से ज्यादा बैंक खातों को सील कर दिया। है. जांच में अब तक 1000 करोड़ रुपये की रकम सामने आई है। ईडी के अनुसार अभी कई और हस्तियां भी जांच के दाये में आ सकती हैं। ईडी ने जनता को आगाह किया है कि वे किसी भी तरह की ऑनलाइन सट्टेबाजी, संदिग्ध लिंक या स्कीमों से दूर रहें।

दक्षिण अफीका ए के खिलाफ सीरीज के लिए विराट और रोहित को नहीं मिली भारत ए टीम में जगह

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किया गया है। इस सीरीज के लिए भारत ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा जबकि उपकप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को दी गयी है। टीम में अधिकतर युवाओं को ही जगह दी गयी है।

इस सीरीज के तीनों मैच राजकोट में 13 नवंबर, 16 नवंबर और 19 नवंबर को खेले जाएंगे। रोहित और विराट को इस सीरीज में अवसर नहीं दिये जाने से दोनो को ही झटका लगा है कयोंकि इससे इनके पास अभ्यास का अच्छा अवसर था। वैसे भी अब ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं।

रोहित और कोहली दोनों ने ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से से संन्यास ले लिया है। दोनों अब सिर्फ ओडीआई ही खेल रहे हैं।

दोनों को किस कारण से टीम में शामिल नहीं किया गया, ये स्पष्ट नहीं है। ये भी हो सकता है कि दोनों दिग्गज स्वयं ही भारत ए की तरफ से खेलने के इच्छुक न रहें हों। ये भी हो सकता है कि टीम प्रबंधन इन दोनों दिग्गजों के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हो कि ये बिना अभ्यास के भी रन बना सकते हैं। इसलिए युवाओं और नई प्रतिभाओं को ही अवसर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे रोहित ने लंबे ब्रेक के बाद भी शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों में विराट कोहली खाता तक नहीं खोल पाए थे पर अंतिम मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। तीसरे एकदिवसीय में विराट और रोहत ने शानदार साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी थी।

भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन (विकेटकीपर), आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुथार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

गुजरात ने लॉरा और यूपी ने दीप्ति को किया रिलीज, डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले ये खिलाड़ी हुए रिटेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स ने लॉरा वुलफार्ट को रिटेन न करने का बड़ा फैसला लिया है क्योंकि सभी 5 टीमों ने WPL नीलामी से पहले अपने खिलाड़ियों को रिटेन करने की पुष्टि कर दी है। वुलफार्ट हाल ही में संपन्न हुए एकदिवसीय विश्व कप में शीर्ष स्कोरर रहीं और दक्षिण अफ्रीका को फाइनल तक पहुंचाया, लेकिन नियमों के अनुसार केवल दो विदेशी खिलाड़ियों को ही रिटेन किया जा सकता है, इसलिए जायंट्स ने बेथ मूनी और एश्ले गाडर्नर की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को चुना।

रिपोर्ट के अनुसार वुलफार्ट के अलावा, एक और बड़ा नाम जिसे रिटेन नहीं किया गया है, वह हैं भारत की शीर्ष ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा। विश्व कप विजेता ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

दीप्ति ने 2024 में WPL में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी जीता था। उम्मीद के मुताबिक, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी अन्य बड़ी भारतीय स्टार खिलाड़ियों को उनकी संबंधित टीमों ने रिटेन किया है।

रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची

मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर, अमनजोत कौर, हेली मैथ्यूज, नैट-स्किवर ब्रंट, जी. कमलिनी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी, श्रेयंका पाटिल

गुजरात जायंट्स : एश्ले गाडर्नर, बेथ मूनी

यूपी वारियर्स : श्वेता सहरावत

दिल्ली कैपिटल्स : एनाबेल सदरलैंड, मारिजान काप, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, निकी प्रसाद

जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स को नशे की लत भारी पड़ी, टीम से भी बाहर हुए

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के दिग्गज क्रिकेटर सीन विलियम्स को नशे की लत के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। जिम्बाब्वे की ओर से 273 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले सीन विलियम्स के नाम पर अब जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड (जेडसी) विचार नहीं करेगा। इसके साथ ही उनका केन्द्रीय अनुबंध भी रिन्यू नहीं होगा। वहीं जेडसी ने कहा कि वह नशे की लत से जूझ रहे हैं। 39 वर्षीय सीन विलियम्स ने 20 साल से ज्यादा के अंतरराष्ट्रीय करियर में जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों में 273 मैच खेले हैं पर जिम्बाब्वे क्रिकेट ने पुष्टि की है कि उनका अनुबंध 2025 के बाद आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। विलियम्स ने हाल ही में पुरुष टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर से पहले निजी कारणों से टीम से नाम वापस ले लिया था। बोर्ड ने कहा कि जब उन्होंने उनकी अनुपलब्धता का कारण जानने के लिए एक आंतरिक जांच की थी तो विलियम्स ने बोर्ड को बताया कि वह नशीली दवाओं की आदत से परिशान हैं और पुनर्वास केंद्र में भर्ती हुए हैं। गौरतलब है कि साल 2005 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही विलियम्स ने जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों में 8000 से अधिक रन बनाए हैं। एकदिवसीय में उन्होंने 37.53 की औसत से 5217 रन बनाए, जिसमें आठ शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं।

टी20 विश्व कप 2026 फाइनल की मेजबानी करेगा अहमदाबाद, पांच स्थल टूर्नामेंट की मेजबानी की दौड़ में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों की सूची में अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जगह दी है। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल भी अहमदाबाद में खेला गया था जो एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। विश्व कप 2023 भारत में 10 स्थलों पर खेला गया था। टी20 विश्व कप का श्रीलंका सह मेजबान होगा जो भारत के साथ इंतजाम के तहत पाकिस्तान के लिए तटस्थ स्थल होगा। श्रीलंका में कोलंबो सहित तीन स्थलों पर मुकाबलों का आयोजन होगा। भारत स्वदेश में होने वाले विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। टीम ने पिछले साल जून में बारबडोस में पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान अगर फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मुकाबला श्रीलंका में होगा। आईसीसी, बीसीसीआई और पीसीबी के बीच समझौते के तहत 2027 तक भारत और पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थल पर होंगे।

आईपीएल 2026 सत्र में भी धोनी खेलेंगे : कासी विश्वनाथ

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मुख्य कार्यकारी कासी विश्वनाथ ने कहा है कि आईपीएल 2026 सत्र में भी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावनाएं हैं। इसी के साथ ही धोनी के आईपीएल से संन्यास की अटकलों पर भी विराम लग गया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि धोनी अब भी खेल में बने रहना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में एक यूट्यूब चैनल पर जब प्रशंसकों ने कासी से धोनी के भविष्य को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि वह अभी आईपीएल से संन्यास नहीं ले रहे। वहीं जब उनसे पूछा गया कि धोनी आखिर कब संन्यास लेंगे, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, मैं उनसे पूछकर बताता हूं। आईपीएल का पिछला सत्र सीएसके और धोनी के लिए काफी खराब रहा था। टीम 14 में से केवल 4 मैच ही जीत पायी थी और पहली बार अंक तालिका में सबसे नीचे रही। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के सत्र में ही चोटिल होने के बाद धोनी को एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ी थी हालांकि उनके कमान संभालने के बाद भी टीम का प्रदर्शन सुधर नहीं पाया। वहीं कासी ने कहा, हम जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। यह तय नहीं कि ट्रॉफी मिलेगी पर हमारी तैयारी पूरी है। हम इस बार अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने अब तक पांच आईपीएल खिताब जीते हैं।

अभिषेक की निडर बल्लेबाजी पर युवराज बोले, गंभीर-सूर्यकुमार ने दिया गैरी कर्स्टन जैसा माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपने खेल के दिनों और युवा बाएँ हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के उदय के बीच तुलना की है और उस सपोर्ट सिस्टम की तारीफ की है जो इस युवा खिलाड़ी को आज़ादी और आक्रामकता के साथ बल्लेबाज़ी करने में मदद करता है। 2011 विश्व कप विजेता ने कहा कि अभिषेक का निडर रवैया मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाले भारत के मौजूदा नेतृत्व समूह के मज़बूत समर्थन का नतीजा है।

युवराज ने बताया कि यह माहौल उन्हें उस माहौल की याद दिलाता है जिसने कोच गैरी कर्स्टन के नेतृत्व में उनके करियर को आकार देने में मदद की थी। युवराज ने कहा कि मुझे लगता है कि निडरता कोच और कप्तान के सहयोग से भी आती है। जब कोच और कप्तान आपको खुलकर खेलने की अनुमति देते हैं, तो आप खुद को बेहतर ढंग से व्यक्त कर पाते हैं।

गैरी कर्स्टन के कोच रहते हुए मैंने भी यही अनुभव किया था—उन्होंने हमेशा मुझसे कहा था कि अगर मैं अपना स्वाभाविक खेल खेलूँगा, तो मैं भारत को जीत की स्थिति में पहुँचा दूँगा। युवराज ने आगे कहा कि यही मानसिकता अब अभिषेक में भी आ रही है। उन्होंने बताया कि गौतम और सूर्यकुमार ने उसे जो आत्मविश्वास दिया है—कि अगर वह अपना खेल खेलता है, तो भारत दस में से छह बार जीतेगा—वही उसे सफल होने में मदद कर रहा है। इस अनुभवी खिलाड़ी का मानना है कि भरोसे की इस संस्कृति ने भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट को बदल दिया है, जिससे खिलाड़ियों को प्रभावशाली प्रदर्शन के पीछे भागते हुए असफल होने की आज़ादी मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि इसी दृष्टिकोण ने कर्स्टन के नेतृत्व में भारत के स्वर्णिम युग को परिभाषित किया, और गंभीर और सूर्यकुमार अब अभिषेक शर्मा के नेतृत्व वाली नई पीढ़ी में उसी निडर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं।

अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अभी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा। अभी तक जिस प्रकार से 50-50 ओवर का गेम अंडर 19 विश्व कप में होता आया है वही आगे भी चलेगा। वहीं इससे पहले एसोसिएट सदस्यों ने इसे टी20 प्रारुप का करने की मांग की थी पर आईसीसी ने उसे खारिज कर दिया है। आईसीसी की चीफ एग्जीक्यूटिव कमिटी (सीईसी) ने कहा कि अभी किसी बदलाव की जरुरत नहीं है। दुबई में आईसीसी की बैठक में ये फैसला हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने यह फैसला किया कि अंडर-19 विश्व कप एकदिवसीय प्रारूप में ही खेला जाएगा। वहीं सहयोगी सदस्यों की ओर से यह मांग की गई थी कि जूनियर विश्व कप महिला वर्ग की तरह ही टी20 प्रारूप में खेला जाए पर सीईसी इस पर सहमत नहीं हुई। अंडर 19 विश्व कप को लेकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थे। टूर्नामेंट के पिछले 18 संस्करण 50 ओवरों के रहे हैं और 19वां संस्करण अगले साल नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा, जो एकदिवसीय प्रारुप में ही होगा। एसोसिएट सदस्यों के साथ समस्या ये है कि उनके पास खिलाड़ियों का पूल नहीं होता है और सुविधाएं भी उतनी बेहतर नहीं हैं। इसके अलावा एकदिवसीय क्रिकेट में समय भी ज्यादा लगता है। शायद इसी से बचने के लिए कई सदस्य देश टी20 प्रारुप की मांग कर रहे थे, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया है।

आईपीएल 2026 सत्र में क्लासेन को रिलीज कर सकती है सनराइजर्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद अब आईपीएल के 2026 सत्र में हेनरिक क्लासेन सहित कुछ ऐसे क्रिकेटरों को रिलीज करेगी। जिनकों मोटी रकम देकर रखा गया था। क्लासेन को सनराइज़र्स हैदराबाद ने पिछले साल पूरे 23 करोड़ रुपए में रिटेन कर सबको हैरान कर दिया था। अब 2026 सत्र की तैयारी में लगी सनराइजर्स क्लासेन जैसे स्टार खिलाड़ियों को बाहर कर उनकी जगह अच्छा प्रदर्शन कर रहे युवा खिलाड़ियों को शामिल करेगी। क्लासेन को बाहर करने से टीम के करीब 23 करोड़ रुपये बचेंगे।

इस पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी को आईपीएल 2025 से पहले 23 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर रिटेन किया गया था, जिससे वह सबसे महंगे रिटेन खिलाड़ी बन गए थे। क्लासेन ने पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था पर टीम इसके बाद भी उनको रखने के मूड में नहीं है। उनको बाहर करने से 23 करोड़ बचेंगे और ये रकम नीलामी राशि में जुड़ जाएगी। वहीं कई पूर्व दिग्गजों का मानना है कि अगर टीम आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले क्लासेन को रिलीज़ करने का फैसला करती है, तो यह एक अच्छा कदम होगा। इससे टीम के पास बची हुई रकम से बेहतर गेंदबाज शामिल करने का अवसर रहेगा। इसके अलावा टीम मध्यक्रम के लिए बल्लेबाज भी रख पायेगी।

नीलामी में 23 करोड़ रुपये ज़्यादा लेकर जाने से उन्हें ज़रूरी कमियों को पूरा करने का एक अच्छा मौका मिलता है। टीम के लिए एक अच्छा गेंदबाज़ी आक्रमण तैयार करना और अपने मध्यक्रम को बेहतर करना फायदेमंद रहेगा। इसके अलावा वह क्लासेन को कम कीमत में भी खरीद सकती है। इस क्रिकेटर ने हर सत्र में टीम की ओर से 400 से अधिक रन बनाये हैं।

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच स्कालोनी बोले, टीम में अच्छे नये खिलाड़ियों को भी जगह देंगे

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा है कि वह 2026 में होने वाले विश्वकप के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। स्कालोनी ने कहा कि टीम में कुछ अच्छे नये खिलाड़ियों को भी अब भी जगह देने के लिए वह तैयार है। स्कालोनी ने बताया है कि वह मैत्री मैचों के जरिये अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले विश्व कप के लिए खिलाड़ियों को परखेंगे। स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आप नहीं कहा सकते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है पर हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी चोटिल होने के कारण अंतिक समय में बाहर हो गए थे। यह सही है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी तरह के हालात के लिए तैयार रहना चाहते हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ ही पहले ही विश्वकप के लिए अपनी जगह बना ली है। स्कालोनी ने कहा कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी।

त्वचा कैंसर से पीड़ित क्लार्क बोले, नियमित रुप से जांच करायें सभी लोग

-अब तब मेरे चेहरे पर सात जगह सर्जरी हुई

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर कप्तान माइकल क्लार्क आजकल त्वचा के कैंसर से पीड़ित हैं। क्लार्क ने बीमारी के दर्द को बताते हुए कहा कि उनके चेहरे से अब तक 7 जगह सर्जरी से कैंसर कारक बेसल सेल्स निकाले गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ साल में इलाज के दौरान उनके चेहरे और शरीर से कई मेलानोमा और अन्य प्रकार के कैंसर हटाए गये हैं। क्लार्क को पहली बार 2006 में त्वचा कैंसर का पता चला था और तभी से वह नियमित रूप से अपने विशेषज्ञ से मिलते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा करते हुए लोगों को अपनी त्वचा की जांच कराने की सलाह दी, जिससे कि इस बीमारी का पता समय से पहले ही लग जाये।

क्लार्क ने एक शो में कहा कि उन्होंने हाल ही में अपनी नाक से एक और कैंसरयुक्त घाव हटवाया है। उन्होंने कहा, 'लगभग चार सप्ताह पहले मेरी नाक से एक निकाला गया था, और मैं हर छह महीने में अपने त्वचा रोग विशेषज्ञ से मिलता हूं। अब तक मेरे चेहरे पर सात से अधिक जगहों पर सर्जरी हुई है।' क्लार्क के मुताबिक, वह नियमित रूप से सनस्पॉट को फ्रीज करवाते हैं और किसी भी बेसल सेल्स को तुरंत कटवा देते हैं जिससे कि बीमारी आगे न फैले।

पिछले साल क्लार्क ने अपनी नाक की सर्जरी के बाद की तस्वीर साझा की थी। उन्होंने लिखा, 'आज मेरी नाक से एक और निकाला गया। यह सबको याद दिलाने के लिए है कि अपनी त्वचा की जांच करवाएं। रोकथाम इलाज से बेहतर है, लेकिन जल्दी पहचान भी उतनी ही ज़रूरी है।' उन्होंने अपने डॉक्टर का आभार जताया कि उन्होंने कैंसर को शुरुआती चरण में ही पकड़ लिया। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई और कई लोगों ने उनकी ईमानदारी की सराहना की।

क्लार्क ने बताया कि उनकी बीमारी का बसे बड़ा कारण क्रिकेट के दौरान धूप में बिताए गए लंबे घंटे हैं। उन्होंने कहा, 'सोचिए भारत या ऑस्ट्रेलिया में पूरे दिन फील्डिंग करना, आठ घंटे तक तेज धूप में रहना। हम अक्सर बैगी ग्रीन कैप पहनते थे, जिससे चेहरे और कानों पर सीधी धूप पड़ती थी। छोटी आस्तीन वाली शर्ट पहनने से बाहों पर भी असर होता था।' उन्होंने यह भी बताया कि क्रिकेटरों के लिए स्किन कैंसर का खतरा आम है और इसीलिए नियमित जांच बहुत जरुरी है। क्लार्क अकेले नहीं हैं जिन्होंने त्वचा कैंसर का सामना किया। उनसे पहले रिची बेनो, सैम बिलिंग्स, एंडी फ्लावर और लॉरेन चीटल जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी इस बीमारी से पीड़ित रहे हैं। इन खिलाड़ियों की कहानियों ने दुनिया भर में क्रिकेट समुदाय में जागरूकता बढ़ाने में मदद की है। क्लार्क का क्रिकेट करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 115 टेस्ट, 245 वनडे और 34 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने कुल मिलाकर 17,000 से अधिक रन बनाए। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 2015 का एकदिवसीय विश्व कप जीता था।

निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही हैं। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो। सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है। सूत्र ने जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी। बताया जा रहा है कि यह सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पेंस का भी तड़का होगा। मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वेब सीरीज निमृत की ओटीटी दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है। उनके फैंस भी लंबे समय से उन्हें किसी नए रूप में देखने के लिए उत्साहित हैं, और यह सीरीज उनके करियर में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

दर्शकों के प्यार से गदगद मोनालिसा, नए प्रोजेक्ट की सफलता का मनाया जश्न

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री मोनालिसा को कौन नहीं जानता। उन्होंने अपने दम पर भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में छाप छोड़ी है। अभिनेत्री ने अपनी नई माइक्रो ड्रामा सीरीज की टीम को धन्यवाद दिया। अपने अभिनय के लंबे सफर को तय करते हुए अभिनेत्री ने अब माइक्रो ड्रामा सीरीज में हाथ आजमाया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीरीज की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने सैयारा गाना भी ऐड किया। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा, मेरे प्यारे दर्शकों, मेरे नए प्रोजेक्ट को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। पहली पहल हमेशा खास होती है और यह मेरी पहली माइक्रो ड्रामा सीरीज है। सभी दर्शकों को यह इतनी पसंद आई। सच में बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे को-एक्टर्स, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर समेत पूरी टीम को धन्यवाद।

सैयारा गाना फिल्म सैयारा का टाइटल ट्रैक है, जिसे फरहीन अब्दुल ने गाया है और इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं और म्यूजिक तनिष्क बागची, फहीम अब्दुलाह और अरसलन निजामी ने दिया है। फिल्म सैयारा की बात करें तो इसे मोहित सूरी ने निर्देशित किया। फिल्म में अनीत पड्डा और अहान पांडे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे युवा कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे दिलों के साथ जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहते हैं। कृष कपूर (अहान पांडे), एक होनहार संगीतकार है जो अपने जज्बातों को सुरों और गीतों के जरिए दुनिया तक पहुंचाना चाहता है, जबकि वाणी बत्रा (अनीत पड्डा), एक लेखिका है जो कविताओं में अपने दर्द को शब्दों में ढालती है। यूं तो हिंदी सिनेमा में मोनालिसा ने कई फिल्में कीं, लेकिन उन्हें असल पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली थी। उन्होंने 2008 में भोले शंकर से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। मोनालिसा ने अपने फिल्मी सफर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही साथ उन्होंने कई आइटम सॉन्ग्स में भी डांस किया है।

नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहीं हैं तान्या मानिकतला

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहां छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहां छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म शिक्षा व्यवस्था के भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर रोशनी डालती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आईना है जो समाज को अपने भीतर झांकने पर मजबूर करेगा। तान्या के पास इस वक्त कई दिलचस्प प्रोजेक्ट हैं। वह जल्द ही अपनी नई वेब सीरीज पान पर्दा जर्दा में भी नजर आएंगी। यह सीरीज अपराध और राजनीति की उस दुनिया में ले जाती है, जहां अफीम तस्करी का कारोबार चल रहा है। शो में उनके साथ प्रियांशु पैन्युली, सुशांत सिंह, राजेश तैलंग और मनु ऋषि जैसे कलाकार हैं। कहानी मध्य भारत की पृष्ठभूमि में सेट है और इसमें एक्शन, ड्रामा और रहस्य का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलेगा। तान्या ने 2018 में स्कूल डेज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 2020 में उन्होंने ईशान खट्टर के साथ ए सूटेबल बॉय में लता मेहरा का किरदार निभाया, जो उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुआ। 2021 में, वह नेटफ्लिक्स की फील्स लाइक इश्क में स्कंद ठाकुर के साथ नजर आईं। वह नेटफ्लिक्स की हाउ टू फॉल इन लव में आयुष मेहरा के साथ भी दिखी थीं। 2024 में उन्होंने फिल्म किल में तूलिका का किरदार निभाया था।

जारी हुआ ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक, एक्शन मोड में दिखे जिमी और सिद्धार्थ

जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ की अदाकारी वाली सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी कर दिया गया है। 2 नवंबर को सेखों भारतीय वायुसेना मैराथन उद्घाटन के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का पहला लुक जारी किया है। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी किया है। वीडियो जारी करते हुए पोस्ट में लिखा इतिहास में दुनिया का सबसे बड़ा हवाई ऑपरेशन। सबसे बड़ा सम्मान। नेटफ्लिक्स पर जल्द आ रही है ऑपरेशन सफेद सागर सीरीज। ऑपरेशन सफेद सागर के पहले लुक में दिखाया गया है कि जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ के साथ कई दूसरे एक्टर्स पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन मोड में हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हैं। इसके बाद लड़ाकू जहाजों से पाकिस्तान से मुकाबला करते हैं। सीरीज के पहले लुक को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है रविवार को शुरू करने का बहुत बढ़िया तरीका। एक और यूजर ने लिखा है बहुत अच्छी कास्ट है। एक और यूजर ने लिखा है स्क्रीन प्रदर्शन बहुत अच्छा है।

ऑपरेशन सफेद सागर के बारे में

सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना के योगदान को दिखाया गया है। ओनी सेन सीरीज के निर्देशक हैं। इसके निर्माता अभिजीत सिंह परमार और कुशल श्रीवास्तव हैं। सीरीज में सिद्धार्थ और जिमी शेरगिल के अलावा अभय वर्मा, मिहिर आहूजा, तारुक रैना और अर्नव भसीन मुख्य भूमिकाओं में हैं। सीरीज 2026 में नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी।

वेट इश्यूज को लेकर अशनूर कौर ने साझा की परेशानी

काफी दिनों से बिग बॉस 19 में अशनूर कौर को बॉडी शेम किया जा रहा था, उनके वजन को लेकर बातें बनाई गईं। इस बात का खुलासा सलमान खान ने वीकएंड का वार एपिसोड में किया कि बाकी लोग अशनूर के बारे में क्या कहते हैं। इसके बाद अशनूर ने अपनी परेशानियों को शाहरुख खान के साथ शेयर किया। अशनूर ने कहा, 'जब मैं शूटिंग सेट पर जाने लगी तो काफी वेट बढ़ गया था। टीनएज से वेट को कम करने के लिए मैंने कई चीजें कीं। एक वक्त ऐसा भी था, जब मैं खाना नहीं खाती थी, मैं भूखी रहती थी। 'बिग बॉस 19' में आने से पहले मैंने 9 किलो वजन कम किया था। लेकिन यहां आने के बाद फिर से मेरा वेट बढ़ गया। तब भी टेंशन का माहौल होता है तो कुछ लोगों का वजन बढ़ जाता है। मेरा भी वजन बढ़ जाता है।'

सलमान खान ने किया सपोर्ट

अशनूर कौर की परेशानी सुनकर सलमान खान ने उनका सपोर्ट किया और वह बोले- मेरा भी वजन बढ़ जाता था। अशनूर ने आगे बताया, 'जब मैं 14 साल की थी, तब से एक्टिंग कर रही हूं। तब से मैंने जंक फूड को हाथ भी नहीं लगाया। यहां हर कोई जानता है कि मेरा खाना कैसा है। सब मुझे थोड़ा खाने के लिए कहते हैं, लेकिन मैं नहीं खाती। हर किसी की बॉडी, वेट अलग होता है। लेकिन लोग यहां पीठ पीछे शर्मिंदा करते हैं।'

शोरा खुद ही डिसाइड करती है, मेरी जरा भी नहीं सुनती

नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में थामा में एक ऐसे किरदार में दिखे जो उनके अब तक के रोल से काफी अलग रहा है। अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में उन्होंने फिल्मों में अपने रोल, अपनी स्ट्रगल के साथ-साथ अपनी बेटी शोरा को लेकर बातें की हैं। उन्होंने बताया कि शोरा को ये समझाने की उन्होंने बहुत कोशिश की कि वो किसी और फील्ड में जाएं लेकिन उन्होंने एक्टिंग को चुन लिया है।

किरदारों को हीरो मानने वाले मंजे हुए अदाकार नवाजुद्दीन सिद्दीकी की संघर्ष यात्रा जितनी यूनीक रही है, उतना ही अद्भुत उनका भूमिकाओं का ग्राफ रहा है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म थामा को लेकर, जो बॉक्स ऑफिस पर सौ करोड़ पार कर चुकी है।

आपने लंबे समय तक छोटे -छोटे रोल्स किए, क्या कभी ये डर लगता था कि कहीं साइड एक्टर बन कर न रह जाऊं?

सच कहूं, तो मैं जब इस इंडस्ट्री में आया था, तो ये सोच कर नहीं आया था कि मुझे यहां बड़ा एक्टर बनना है। मुझे अभिनय करना था, चाहे मैं थिएटर में करूं या स्ट्रीट प्ले करूं। मैं सोचता हूं कि अगर मुझे काम मिलना बंद हो गया, तो मैं एक थिएटर रूम बना लूंगा, बहुत मुमकिन है, आपके घर के आगे भी मैं शो करके आ जाऊं। मैं बस एक्टिंग कर लूं, इसके अलावा मैंने कुछ सोचा नहीं था। ये जितना कुछ मुझे मिला, वो मेरे लिए एक बोनस की तरह है और उसके लिए मैं ऊपरवाले और सभी का थैंक्यू सो मच कहना चाहूंगा।

आप खुश हैं कि आपकी बेटी आपकी फिल्म थामा देख पाई, वरना आपका कहना था कि आपके इंटेंस रोल्स के कारण आपका परिवार आपकी फिल्म नहीं देखा पाता था?

मेरा ट्रैक रिकॉर्ड काफी डार्क रहा है। ये बहुत खुशी की बात है कि मेरे बच्चों ने फाइनली मेरी फिल्म देखी। शोरा (उनकी बेटी) को पसंद आई। उसे मेरा काम बहुत पसंद आया, वैंपायर की थीम अच्छी लगी। वैसे उसे कोस्टावो में भी मेरी भूमिका अच्छी लगी थी।

आपकी बेटी शोरा कमाल का स्क्रीन प्रेजेंस रखती हैं, आपने उनके लिए क्या सोचा है?

उसके (शोरा) बारे में मैं क्या सोचूं? वो खुद ही डिसाइड कर रही है। बाप को कौन पूछता है, आज की तारीख में? भाई, मैंने उसको अपनी चीजें थोपने की कोशिश की, मगर उसने ली नहीं। मैंने सोचा था कि वो किसी और क्षेत्र में जाए, लिए अभिनय को चुन लिया है। वो मेरी जरा सी भी सुनती नहीं।

आप एक नैशनल अवॉर्ड विनर अभिनेता हैं, पुरस्कारों को कैसे देखते हैं?

मुझे लगता है कि आपको अपने प्रोसेस से प्यार होना चाहिए। जहां तक अवॉर्ड की बात है, तो वो एक शाम होती है, जब आपको अवॉर्ड मिलता है। वो बहुत अच्छी गुजरती है, उसके बाद आपको अपनी औकात पर आना पड़ता है। आपको अगले दिन शूटिंग पर जाना पड़ता है और जीरो से शुरू करना पड़ता है।

एक समय था जब हॉरर जॉर्नर को प्रतिष्ठा की निगाह से नहीं देखा जाता था, मगर अब हॉरर-कॉमिडी के रूप में हॉरर री-डिफाइन हुआ?

पहले हॉरर के साथ थोड़ा सौतेला व्यवहार किया जाता था, लेकिन आज के समय में अच्छे-से-अच्छे एक्टर भी इस जॉनर में काम करना चाहते हैं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। पहले सिर्फ डराने पर फोकस होता था, लेकिन अब इसमें कॉमेडी, रोमांस, और ड्रामा भी है। हमारी फिल्म भी एक ऐसी फिल्म है। हॉरर में पहले सिर्फ डर का इमोशन होता था, लेकिन थामा देखने के बाद मुझे लगा कि एक एक्टर के लिए इसमें एक्सप्लोर करने के बहुत मौके हैं।

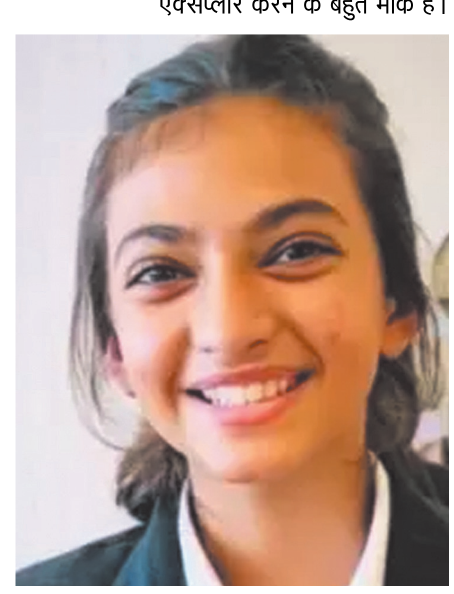

दुल्हन सजे वैस्टर्न और इंडियन लुक में

यदि किसी लड़की को संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की जीती-जागती तस्वीर के रूप में देखना हो तो वे पल उसकी शादी के होते हैं। यही वे पल हैं, जो उसका रूप निखारते हैं। आज की दुल्हन वैस्टर्न और इंडियन लुक के बैलेंस में स्वयं को संवारना चाहती है। पारंपरिक साड़ी और लहंगे को हर बार नए अंदाज में प्रस्तुत कर उसकी इस ख्वाहिश को पूरा करते हैं डिजाइनर्स, यही कारण है कि आऊटफिट तैयार करते हुए दुल्हन के कांप्लैक्शन और फिगर का खास ख्याल रखा जाता है...

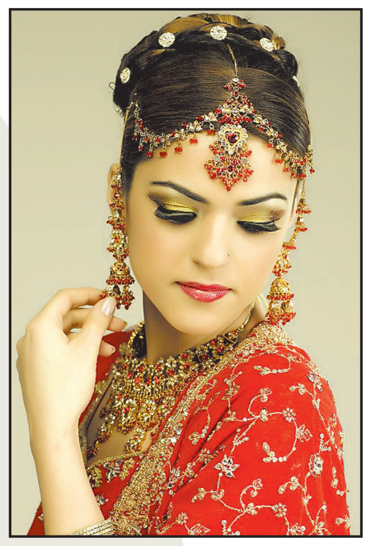

कांप्लैक्शन का ध्यान रखना जरूरी

यदि दुल्हन का रंग गोरा है तो कोई भी रंग बेधड़क पहना जा सकता है। इस मौके पर आप पिंक, फिरोजी, ग्रीन, रैड, सिल्वर या गोल्डन किसी भी कलर को चूज कर सकती हैं। यदि कांप्लैक्शन गेहुंएं रंग का है तो आप पर रूबी, रैड, ऑरेंज, नेवी ब्ल्यू, फिरोजी और ब्ल्यू कलर ज्यादा अच्छे लगेंगे, गोल्ड बेस वर्क के साथ मैरून, मैट गोल्ड वर्क के साथ एमेराल्ड ग्रीन या कॉपर के शेड्स अच्छे लगते हैं। सांवली रंगत वालों को ब्राइट कलर में यैलो,ऑरेंज, रैड एवं ब्ल्यू कलर्स में अपना आऊटफिट तैयार करवाना चाहिए।

बॉडी शेप

सिर्फ कम्प्लैक्शन के हिसाब से ही नहीं बल्कि बॉडी शेप के अनुसार भी लहंगे और साड़ी का चुनाव किया जाना बहुत जरूरी है ।तभी तो इस दिन आप सबसे अलग नजर आ पाएंगी। परफैक्ट शेप वाली लड़कियों पर हर तरह के स्टाइल का लहंगा जंचता है, इसलिए जो भी फैशन में हो आप बिना टैंशन के पहन सकती हैं। लहंगे के साथ स्ट्रेपी, वन शोल्डर, ऑफ –शोल्डर, डीप बैक में से जिस तरह की भी चोली आपको पसंद हो, बनवाएं। आप एंब्रायडरी फैशन के अनुरूप चुन सकती हैं अर्थात अपना आऊटफिट चुनने में आपको किसी प्रकार की टैंशन नहीं और च्वाइस में बहुत कुछ अवेलेबल है।

हैवी ब्रैस्ट वाली लड़कियों को लाइट वर्क वाली चोली का ही चुनाव करना चाहिए। यदि एम्ब्रायडरी का डिजाइन छोटा हो तो अच्छा लगेगा। यदि कमर के नीचे का हिस्सा हैवी है तो ए–लाइन लहंगा आप पर खूबसूरत लगेगा। फैब्रिक भी सॉफ्ट ही होना चाहिए। फुलावट वाला लहंगा आपको और भी हैवी लुक देगा। फुल स्लीव चोली भी आपकी फिगर को बैलेंस लुक देगी। पतली और लंबी लड़कियों पर कोई भी फैब्रिक अच्छा लगता है। लहंगे के साथ डीप नैक वाली छोटी चोली पहनें तथा दुपट्टा लंबा रखें। आप लंबे स्लीव और हाई नैक लाइन को इगनोर करें। चौड़ी बॉडी वाली लड़कियों को क्रेप या जॉर्जेट अच्छा लुक देगा। स्लिम लुक के लिए डॉर्क शेड में डीप नैक वाली चोली लें। लहंगे का बार्डर पतला और एम्ब्रायडरी वर्टिकल डिजाइन में रखें, आप एलिगैंट नजर आएंगी।

सर्दी में भी बच्चे रहें सेहतमंद

सर्दी के मौसम में जितनी देखभाल आप खुद की करते हैं उससे कहीं ज्यादा ख्याल अपने बच्चों का भी रखते हैं लेकिन लाख देखभाल करने के बावजूद इस मौसम में बच्चों को सर्दी–जुकाम, बुखार जैसी समस्याएं हो ही जाती हैं चूंकि बच्चे अपनी समस्या सही तरीके से बता नहीं पाते और उपचार के दौरान उनसे परहेज कराना भी बड़ा मुश्किल काम होता है, इसलिए बच्चों की खराब सेहत एक बड़ी टैंशन के रूप में सामने आती है। ऐसे में बेहतर तरीका तो यही है कि इस मौसम की नजाकत को समझते हुए बच्चों को सीजनल बीमारियों से बचाने का प्रयास किया जाए।

बरतें सावधानी

दरअसल, सर्दी के मौसम में बच्चों को सर्दी–जुकाम, लंबे समय तक खांसी, इन्फ्लूएंजा, वायरल, फ्लू, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों की आशंका अधिक होती है लेकिन ठंड के मौसम में केवल थोड़ी सी सावधानी बरत कर ही आप अपने बच्चों को कई बीमारियों से दूर रख सकती हैं। हालांकि आम तौर पर बच्चे दवाएं लेने में आनाकानी करते हैं ऐसे में आप बच्चों को सर्दी–जुकाम की शुरूआत होते ही घरों में अदरक–तुलसी आदि का सेवन कराएं। यदि बच्चे को बुखार नहीं है और उसके ऊपरी रैस्पिरेट्री हिस्से सर्दी से प्रभावित हैं तो ये घरेलू उपचार काफी हद – तक उसके लिए फायदेमंद साबित होते हैं लेकिन अगर बच्चे को तीन दिन से अधिक समय तक बुखार और जुकाम हो या फिर 4–5 दिन बिना बुखार के सर्दी टिकी रहे तो अच्छे डॉक्टर से जांच कराने में देर कतई नहीं करें।

इनका भी रखें ध्यान

- नए ट्रैंड में फिटेड और खूबसूरत कट के लहंगों का फैशन है। फिश कट लहंगा और फिटेड चोली के साथ ए–लाइन घाघरा भी खूब पसंद किए जा रहे हैं।
- दुल्हन के लिए बनारसी एवं सिल्क की गोल्डन और सिल्वर वर्क के साथ साडियां ही पहली पसंद में शामिल रहती हैं। हालांकि हैवी वर्क के साथ शिफॉन, क्रेप और जॉर्जैट की साडियों का चलन भी बढ़ा है।
- साड़ी एवं लहंगा दोनों में मिरर, गोटा एवं पर्ल वर्क इन फैशन है। एंटीक गोल्ड, क्रिस्टल वर्क ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। कुंदन वर्क एवं सितारा वर्क के साथ थ्रैड वर्क, क्लासिक वर्क तथा कटैंपरेरी वर्क का खूबसूरत कांबीनेशन भी बेहद पसंद किया जाता है।
- मोटी लड़कियों को साड़ी के अंदर स्ट्रेट कट या नॉन प्लेयर्ड पेटीकोट यूज करना चाहिए। इससे आप थोड़ा स्लिम लगेंगी। आपको शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साडियां पहननी चाहिए।

मैचिंग ड्रैस से बनें परफैक्ट

नई–नई शादी हुई हो तो हसबैंड और वाइफ दोनों ही अलग लुक में नजर आना चाहते हैं। खास तौर से डिनरलाइट पार्टीज, त्यौहारों एवं पारिवारिक समारोहों पर, ऐसे में मैचिंग ड्रैस एक परफैक्ट आप्शन नजर आता है जिसे आमतौर पर सैलीब्रिटीज कपल कैरी करते हैं। मौसम और समय के अनुसार आप रंग चुन सकते हैं या चाहें तो मैचिंग कंट्रास्ट भी कर सकते हैं। वास्तव में यह प्रेम को अभिव्यक्त करने के साथ ही रचनात्मकता और कुछ अलग करने की संतुष्टि भी प्रदान करता है।

ट्रैडिशनल लुक में सजें

इस रेंज में पत्नी के पास लहंगा, साड़ी, सलवार–सूट, गरारा और अनारकली जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं, तो पति भी उनके साथ कुर्ता–पायजामा, धोती–कुर्ता या शेरवानी जैसे ट्रैडिशनल परिधान चुन सकते हैं। यूं तो ट्रैडिशनल ड्रैसेज में केवल लाल, नारंगी, पीला रंग ही पसंद किया जाता था, परंतु अब आप रेडियम ग्रीन, ब्ल्यू या पर्पल, आइस ब्ल्यू, लीफ ग्रीन आदि से लेकर क्रीम और चॉकलेट कलर भी इस कैटेगरी में पसंद कर सकती हैं। अपने लहंगे, साड़ी या सलवार सूट की मैचिंग के हिसाब से पतिदेव के लिए उसी कलर में पाइपिंग, लाइनिंग या एम्ब्रायडरी वाला कुर्ता या शेरवानी चुनें।

यदि पतिदेव एक जैसे रंगों वाले परिधान नहीं चाहते तो आप उनके कुर्ते की नैक और स्लीव्स पर सेम कलर की हल्की एम्ब्रायडरी के साथ अपनी ड्रैस के कलर से मैचिंग चूड़ीदार पायजामा या धोती चुन लें या फिर उनके लिए मैचिंग स्टोल लें, इससे भी आप मैचिंग ड्रैस का लुत्फ उठा सकती हैं।

मॉडर्न – यह एक ऐसा ऑप्शन है जिसमें मैचिंग से किसी भी पति को एतराज नहीं हो सकता। यदि आप शानदार ईवनिंग गाऊन या फुल लैंथ ड्रैस पहन रही हैं तो उनके लिए थ्री पीस सूट, सामान्य सूट या फिर जींस के साथ अट्रैक्टिव एम्ब्रायडरी वाली शेरवानी निकाल लें। आप दोनों सब लोगों में अलग एवं आकर्षक नजर आएंगे। इसके अलावा पति के सूट या टाई से मैच करता आपका गाऊन भी एक अच्छा विकल्प है।

एक्सैसरीज – फुटवियर, वॉच, पर्स, बैग, क्लच, ब्रेसलैट, नैकलेस, बैल्ट, ईयररिंग्स या फिर बीडेड ज्यूलरी इत्यादि ढेर सारे ऑप्शंस हैं जो आप दोनों एक–दूसरे के ड्रैसअप के लिहाज से मैच कर सकते हैं। यहां आप अपनी पूरी क्रिएटिविटी दिखा सकते हैं।

लुक कूल विद हॉट स्टोल

फैशन का अंदाज हमेशा बदलता रहता है। मौसम की नजाकत के हिसाब से ही फैशन बाजार में अपना स्थान बना पाता है। इस समय सर्दी अपने पूरे शबाब पर है, ऐसे में खूबसूरत ड्रैसेस के साथ स्टाइल बनाए रखने के लिए स्टाइलिश स्टोल्स इन हैं। इनसे ठंड से तो बचाव होगा ही बल्कि ड्रैसेस की खूबसूरती भी बरकरार रहेगी...

ठंड दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। बाहर निकलने से पहले ढ़ेर सारे गर्म कपड़े, स्वैटर, जैकेट पहनने पड़ते हैं। लेकिन यह साल का बैस्ट फैशन टाइम भी होता है। सर्दी का मौसम फैशन के लिहाज से बहुत हॉट होता है। फैशन के दीवाने, सर्दी के इस मौसम में भी फैशनेबल दिखना चाहते हैं, पर साथ ही खुद को ठंड से बचाए रखना भी चाहते हैं। युवा इस कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमेंट भी खूबसूरती के साथ चेंज करते हैं। इसलिए स्टाइलिश और डिफरैंट लुक के लिए उनकी पसंद होती है ऐसा विंटर वियर जिससे उनकी डिजाइनर ड्रैस पूरी तरह ढंके नहीं और साथ ही उनका स्टाइल भी बरकरार रहे।

सर्दी से बचाव के साथ ही यदि इसमें फैशन के रंग भी शामिल हो जाएं तो क्या बात है। विंटर में ट्रेंडी और स्टाइलिश अंदाज में रहने के लिए स्टोल्स खूब पसंद किए जा रहे हैं। स्टोल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये आपकी ड्रैस को नोटिसेबल फ्लेयर देते हैं। वूलन और सिल्क से बने ये स्टोल्स स्मार्ट और डिफरेंट लुक्स भी दे रहे हैं। विभिन्न रंगों में उपलब्ध होने के कारण लड़कियों में इसकी खरीदारी जोरों पर चल रही है। ड्राइव करते समय या सर्दी में अपने चेहरे को ठंडी हवा और बेजान होने से बचाने के लिए लड़कियां इन स्टोल्स को पहनना पंसद कर रही हैं।

स्टोल्स का स्टाइल

स्टोल यानी चौकोर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा, जो इंडियन दुपट्टे और स्कार्फ का ही एक रूप है। हर कोई स्टोल्स पहनना पसंद कर रहा है। हर उम्र और मिजाज के लोग इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। स्टोल पहनने के कई तरीके हैं। आप अपने रंग–रूप और आउटफिट के हिसाब से स्टोल को कई तरीके से पहन सकती हैं। ज्यादातर महिलाएं इसे गले में हार की तरह दो बार घुमा कर डालती हैं और यह गले और गर्दन को पूरी तरह ढंक देता है। इन्हें गांठ बांधकर या फिर पिनअप करके भी पहना जा सकता है। लम्बे स्टोल को गले में कॉलर वाली शर्ट या स्वैटर के साथ डाल सकती हैं। जींस और शर्ट के साथ सिंपल पोल्का डॉट्स वाले स्टोल को गले में बांध सकती हैं और यदि आप थोड़ी बिंदास दिखना चाहती हैं तो इसे सिर पर भी बांध सकती हैं। कैजुअल दिखने के लिए आप स्टोल को गले में बिना गांठ बांधे भी डाल सकती हैं। पुरुष स्टोल को स्कार्फ की तरह इस्तेमाल करते हैं। पुरुषों के स्टोल्स यूनिसैक्स रंगों और फैब्रिक में आते हैं। इन्हें फॉर्मल और कैजुअल दोनों तरह की ड्रैसेस के साथ पहन सकते हैं। फॉर्मल वियर के साथ इसे नॉट लगाकर पहन सकते हैं, जिसके सिरे या तो चैस्ट तक लंबे हों या फिर आपके कोट की लंबाई के बराबर।

स्टाइलिश लुक

एक्सैसरीज में स्टोल्स का क्रेज बढ़ रहा है। यही वजह है कि युवतियां शॉल की बजाय स्टोल्स पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर इनका चयन अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से किया जाए, तो कॉलेज जाना हो या फिर किसी पार्टी में स्टोल्स आपको बहुत डैशिंग लुक देते हैं। स्टोल्स इंडियन व वैस्टर्न दोनों तरह की ड्रैसेज पर फबते हैं। जींस, टॉप, कैप्री व स्कर्ट्स पर ये स्टोल्स कूल लुक देते हैं। इसे आप सलवार सूट के साथ भी कैरी कर सकती हैं। अगर आप इन्हें जींस के साथ मैच करके पहनना चाहती हैं, तो पतला फोल्ड बनाकर मफलर लुक में कैरी कर सकती हैं। स्कर्ट पर पतला फोल्ड करके इसके दोनों सिरे आगे की तरफ लेकर डाल सकती हैं।

सॉफ्ट एंड कंर्फटेबल

माना जाता है कि सर्दियों में गले को बचाना, उसे ढंक कर रखना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे शरीर की कई नाजुक नसें गले से जुड़ी होती हैं इसलिए सर्दियों में गले को बचाना जरूरी है। स्टोल्स को गले में मफलर की ही तरह लपेटा जाता है। सर्दियों में आमतौर पर लंबे स्टोल कैरी किए जाते हैं, जिन्हें गले में डालकर गर्दन, कान और चेहरे को ठंड से बचाया जा सकता है। इस तरह ये आपको एक स्टाइलिश फैशनेबल लुक तो देते ही हैं, साथ ही आपका ठंड से बचाव भी करते हैं। स्टोल्स मफलर से ज्यादा हल्के, काफी गर्म और बेहद सॉफ्ट फैब्रिक में होते हैं। इसलिए ये बेहद कंर्फटेबल होते हैं और सर्दी से बचाव करने में बेजोड़।

मैचिंग एंड कंट्रास्ट

स्टोल्स के इतना लोकप्रिय होने का एक कारण यह भी है कि ये बहुत ही किफायती होते हैं, इनमें रंगों की बड़ी वैरायटी मिल जाती है और डिजाइंस की भरमार रहती है। इसके चलते यंगस्टर्स अपनी ड्रैसेस के साथ मैचिंग रंगों वाले स्टोल्स खूब खरीदती हैं। कई लोग इन्हें अपनी ड्रैस के कलर के अपोजिट कंट्रास्ट रूप में भी डालना पसंद करती हैं। स्टोल यदि आपकी आउटफिट के साथ कॉन्ट्रास्ट में होगा तो ज्यादा हॉट लुक देगा। इसलिए यदि आप ब्लैक ड्रैस ट्राई कर रही हैं तो कलरफुल स्टोल आपको ज्यादा स्मार्ट और खूबसूरत लुक देगा।

सिल्क स्टोल्स हैं लाजवाब

सिल्क व वूलन मिक्स से बने स्टोल्स इन दिनों महिलाओं व युवतियों की पहली पसंद बने हुए हैं। इस सीजन में थोड़ा हटकर ट्राई करें। इस मौसम में फैब्रिक का सबसे ज्यादा महत्व है। सिल्की टच लिए स्टोल्स अपने रिच लुक के कारण ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। सिल्क स्टोल कई शेप्स, डिजाइन और कलर्स में आप खरीद सकती हैं। स्कवेयर सिल्क स्टोल लड़कियां ज्यादा प्रेफर करती हैं क्योंकि यह औरों से अलग लुक देता है साथ ही इसे ज्यादा आसानी से कैरी किया जा सकता है। हालांकि कड़ाके की ठंड में वूलन स्टोल्स ही आपको गर्माहट देगा। कैजुअल लुक के लिए चैकी व प्लेन स्टोल्स खासतौर से युवतियों को पसंद आ रहे हैं। कॉटन के स्टोल में ब्राइट कलर्स जैसे गोल्डन, ब्लू, ब्राउन और रेड खास हैं। इन दिनों एनिमल प्रिंट और फ्लोरल प्रिंट्र वाले स्टोल ट्रैंड में हैं। एनिमल प्रिंट के स्टोल से बोल्डनैस भी झलकती है और खूबसरती भी। फ्लोरल प्रिंट के स्टोल्स का अंदाज औरों से जुदा ही होता ह। ये कैरी करने में तो अच्छे लगते ही हैं, साथ हीफैमिनिन लुक भी देते हैं। डिजाइनर्स स्टोल्स भी युवतियों को अट्रैक्ट रहे हैं, जिनमें कांथा वर्क, ब्रॉकेट की बॉडर्स फैशन में है। वूलन स्टोल प्योर वूल से बनाई जाती हैं और काफी गर्म होती हैं। इन्हें हर उम्र के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं। कश्मीरी स्टोल को कॉटन व वूल को मिलाकर बनाया जाता है। यह युवाओं के लिए खास है। पशमीना स्टोल सबसे सॉफ्ट व हल्की होती है। लाइट वेट होने की वजह से इसे यंगस्टर्स पसंद करते हैं। रॉ सिल्क स्टोल हाथ से बनाए जाते हैं। फैदर स्टोल बेहद फैंसी होती हैं। हैंडलूम स्टोल हाथ से बनती हैं, जो अलग लुक वाली व डिजाइनर होती हैं। ऑक फॉरेस्ट सिल्क स्टोल में सिल्ककी सॉफ्टनैस और वूल की गर्माहट का मिश्रण होता है।